राष्ट्रीय दैनिक

प्रातःकिरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

10 एलन मस्क की संपी 334.3 अरब डॉलर के पार, ट्रांप की जीत..... भारत को अपनी छवि जिमेदार पूंजीवादी देश वाली बनानी चाहिए..... 10

वर्ष : 15 | अंक : 218 | नई दिल्ली, रविवार, 24 नवंबर, 2024 | विक्रम संवत् 2081 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

ब्रसेल्स में भारतीय दूतावास और एमपीईडीए कोच्चि के सहयोग कार्यक्रम की मेजबानी की

नई दिल्ली, एजेंसी

ब्रसेल्स में भारतीय दूतावास ने 20 नवंबर को भारतीय समुद्री भोजन और वाइन टैस्टिंग कार्यक्रम के दूसरे संस्करण की मेजबानी की। इसमें कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीईडीए), नई दिल्ली और समुद्री उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एमपीईडीए), कोच्चि के सहयोग से भारत की बेहतरीन पाक कला का प्रदर्शन किया गया। भारत के प्रीमियम समुद्री भोजन और इसके जीवंत और बढ़ते वाइन उद्योग के बेहतरीन संयोजन का जश्न मनाते हुए इस कार्यक्रम ने 120 से अधिक प्रतिष्ठित मेहमानों को एक यादगार अनुभव प्रदान किया गया। इसमें व्यापारिक नेता, व्यापार निकाय, समुद्री खाद्य आयातक, सरकारी व्यापार एजेंसियां और राजनयिक समुदाय के सदस्य शामिल थे। बेल्जियम, लक्जमबर्ग और यूरोपीय संघ (ईयू) में भारत के राजदूत श्री सौरभ कुमार ने इस अवसर पर सांस्कृतिक तथा व्यापारिक संबंधों को बढ़ावा देने में इस कार्यक्रम के महत्व के बारे में बताया। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के वाणिज्य विभाग के सचिव श्री सुनील बर्थवाल ने भारत के गतिशील व्यापार परिदृश्य और यूरोपीय संघ के साथ विशेष रूप से समुद्री भोजन और वाइन के क्षेत्रों में बढ़ती साझेदारी के बारे में बताया। उन्होंने उपस्थित लोगों को भारत के अनूठे स्वादों का स्वाद लेने के लिए आमंत्रित

किया, जो देश के संपन्न खाद्य और पेय उद्योग के समर्पण, नवाचार और विरासत को दर्शाता है। 2023-2024 में भारत का कुल निर्यात 433.09 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जिसमें कृषि वस्तुओं का योगदान 33.24 अरब डॉलर (कुल निर्यात का 8 प्रतिशत) और समुद्री निर्यात का योगदान 7.36 अरब डॉलर (कृषि निर्यात का 22 प्रतिशत) रहा। पिछले दशक में भारत का समुद्री खाद्य निर्यात दोगुना हो कर 7.3 अरब डॉलर हो गया है। यह 17.81 लाख मीट्रिक टन तक भी पहुँच गया है। वन्नामेई झींगा के निर्यात में चार गुना वृद्धि हुई है, जिसने इसे उच्च गुणवत्ता वाले समुद्री खाद्य उत्पाद के रूप में मजबूती से स्थापित किया है। 500 यूरोपीय संघ-अनुमोदित फ र्मों के साथ, भारत की समुद्री खाद्य प्रसंस्करण क्षमता का विस्तार जारी है। इससे यूरोपीय संघ भारत का दूसरा सबसे बड़ा समुद्री खाद्य बाजार बन गया है, जिसकी वार्षिक खरीद 0.95 अरब डॉलर है। इसके अतिरिक्त भारत यूरोपीय संघ का दूसरा सबसे बड़ा झींगा आपूर्तिकर्ता है, जिसकी बाजार हिस्सेदारी 8 प्रतिशत है और यह यूरोपीय संघ के स्क्वड आयात में 12 प्रतिशत का योगदान देता है। मेहमानों ने पाँच प्रीमियम भारतीय समुद्री खाद्य किस्मों की विशेषता वाले एक सावधानीपूर्वक क्यूरेट किए गए मेनू का आनंद लिया। इसमें वन्नामेई झींगा, ब्लैक टाइगर झींगा, किंगफिश (सुरमई), तिलापिया और स्क्विड शामिल थे। प्रत्येक व्यंजन ने भारत की समृद्ध समुद्री जैव विविधता को उजागर किया, जो अपने असाधारण स्वाद, पोषण मूल्य और गुणवत्ता के लिए जाना जाता है। इन व्यंजनों को भारतीय वाइनयार्ड की वाइन के साथ विशेष रूप से जोड़ा गया था, जिनकी बोल्ड रेड, क्रिस्प व्हाइट और ताजगी देने वाली रोजे ने भारत की वाइन शिल्प कौशल की वैश्विक मान्यता को प्रदर्शित किया। इस कार्यक्रम में वैश्विक स्पिरिट्स और वाइन बाजारों में भारत की बढ़ती साख का भी जश्न मनाया गया। भारतीय वाइन उद्योग में काफी वृद्धि हुई है, जिसमें 24 से अधिक प्रमुख ब्रांड वैश्विक विशेषज्ञता को स्वदेशी परंपराओं के साथ जोड़ते हैं। कैबरनेट सॉविनन, शिराज, मर्लोट और सांगियोवेसे जैसी रेड वाइन के साथ-साथ चेनिन ब्लैंक, सॉविनन ब्लैंक और विओग्नियर जैसी व्हाइट वाइन को हाइलाइट किया गया। वाइन टूरिज्म और बढ़ती घरेलू खपत से प्रेरित स्पार्कलिंग वाइन ने भी सबका ध्यान आकर्षित किया।

महाराष्ट्र में महायुति कि भारी जीत, झारखंड में हेमंत सोरेन की पुनः वापसी

मौसम
अधिकतम तापमान 32.0°C
न्यूनतम तापमान 23.0°C

बाजार
सोना 80,405
चांदी 1,1000
सेंसेक्स 80,220
निफ्टी 24,472

संक्षिप्त खबरें

मोदी -नीतीश राज में बिहार का हो रहा चौमुखी विकास : उपेंद्र कुशवाहा

नवादा। राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रमुख पूर्व केंद्रीय मंत्री और राज्यसभा सदस्य उपेन्द्र कुशवाहा बिहार संवाद यात्रा पर शनिवार को नवादा पहुंचे। यहां कार्यकर्ताओं ने उनका गरमजोशी से स्वागत किया। कार्यकर्ताओं ने चांदी का मुकुट पहनाया। बाद में मौर्या सभागार में कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। उन्होंने आगामी बिहार विधानसभा चुनाव की तैयारियों में अभी से ही जुट जाने का आह्वान कार्यकर्ताओं से किया। उन्होंने एनडीए सरकार की उपलब्धियों को गिनाया। कहा कि पहले संगठन को मजबूत बनाएं। सदस्यता अभियान को तेज कर लक्ष्य को हासिल करें। विकास की चर्चा करते हुए कहा कि सड़क, बिजली, स्वास्थ्य, कृषि सहित सभी क्षेत्रों में तेज गति से काम हो रहा है। आज बिहार राज्य की किसी भी जिले से तीन चार घंटे में पटना पहुंचा जा सकता है। 2005 से पहले बिहार का बुरा हाल था। तब बिजली एक दो घंटे रहती थी, आज एनडीए सरकार में 18 से 22 घंटे लगातार बिजली मिलती है। खेती - किसानी पर निर्भर लोगों की मुश्किलें कम हुई है। डबल इंजन की सरकार के कारण बिहार में विकास संभव हो पा रहा है। 2025 का बिहार विधानसभा चुनाव पूरी मजबूती से एनडीए लड़ेगी और अधिक से अधिक सीटों पर जीतेगी। उन्होंने कहा कि नवादा में केंद्रीय विद्यालय तकनीकी कारणों से नहीं खुल सका है। जल्द ही अड़चनों को दूर कर लिया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता पार्टी के जिलाध्यक्ष राजेंद्र कुशवाहा ने किया।

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली। इस सप्ताह हुये विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाला गठबंधन महाराष्ट्र में भारी जीत की ओर अग्रसर है जबकि झारखंड में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेतृत्व में इंडिया गठबंधन पुनः सत्ता में वापसी करता दिख रहा है। इन दोनों राज्यों में विधानसभा चुनाव की शनिवार को चल रही मतगणना की पहले तीन घंटों के रुझान में महाराष्ट्र में भाजपा नीत महायुति गठबंधन 288 सीटों में से 287 सीटों की मतगणना के प्राप्त रुझानों के अनुसार, 217 सीटों पर आगे है जबकि इंडिया गठबंधन को 50 सीटों पर आगे चल रहा है। महायुति को राज्य के सभी क्षेत्रों में बड़ी सफलता मिलती दिख रही है। भाजपा उम्मीदवार 128 सीटों पर, शिवसेना 53 सीटों पर और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (रांकापा) के उम्मीदवार 36 सीटों पर आगे चल रहे हैं। इंडिया गठबंधन में कांग्रेस और शिवसेना (उद्धव बाला साहेब ठाकरे-यूबीटी) 19-19 सीटों पर तथा राकांपा शरद पवार 12 सीटों पर आगे है। शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने चुनाव नतीजों पर निराशा व्यक्त करते हुये कहा, ह्यह्यचुनाव नतीजों में कुछ गड़बड़ लगता है। महाराष्ट्र में अक्टूबर 2019 के विधानसभा चुनाव में भाजपा और संयुक्त शिवसेना मिलकर चुनाव लड़े थे और उन्हें क्रमशः 105 और 56 सीटों पर जीत मिली थी जबकि रांकापा को 54 और कांग्रेस को 44 सीट प्राप्त हुयी थी लेकिन मुख्यमंत्री पद को लेकर शिवसेना के नेता उद्धव ठाकरे ने कांग्रेस रांकापा का दामन पकड़ लिया था। झारखंड में सभी 81 सीटों की मतगणना के रुझानों में सत्तारुढ़ झामुमो 29 सीटों पर और उसके साथ चुनाव लड़ी कांग्रेस पार्टी तथा राष्ट्रीय जनता दल (राजद) क्रमशः 13 और पांच सीटों पर आगे चल रहे हैं। भाजपा के उम्मीदवारों को 28 सीटों पर बढ़त प्राप्त है। आल झारखंड स्टूडेंट्स यूनियन पार्टी, लोक जनशक्ति पार्टी, झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा, कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी लेनिनवादी) और जनता दल (यू) के उम्मीदवार एक-एक सीट पर आगे हैं। एक स्थान पर निर्दलीय उम्मीदवार बढ़त बनाये हुये है। महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनाव के साथ उत्तर प्रदेश सहित 15 राज्यों में 48 विधानसभा और दो लोकसभा सीटों के उपचुनावों की मतगणना के रुझानों के अनुसार, वायनाड (केरल) लोक सभा सीट पर कांग्रेस उम्मीदवार प्रियंका गांधी वाड्रा और नांदेड (महाराष्ट्र) लोकसभा सीट पर भाजपा के डॉ एम एम हम्बारडे जीत की ओर बढ़ रहे थे। उत्तर प्रदेश में नौ सीटों में से छह पर भाजपा, दो पर समाजवादी पार्टी (सपा) और एक सीट पर राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) के प्रत्याशी को बढ़त मिली हुयी थी। मीरापुर सीट पर रालोद का उम्मीदवार आगे था जबकि करहल, कटेहरी और सीशामऊ सीट पर सपा के उम्मीदवार आगे थे। कुंदरकी, गाजियाबाद, खैर, फूलपुर और मझवां सीट पर भाजपा के उम्मीदवार आगे थे। असम में पांच सीटों के उपचुनाव में दो सीटों पर भाजपा, एक सीट पर कांग्रेस और एक-एक पर असम गण परिषद तथा यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी (लिबरल) को बढ़त थी। बिहार में चार सीटों में से दो पर भाजपा, एक हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्लुर) और एक सीट पर जदयू का उम्मीदवार आगे था। छत्तीसगढ़ की रायपुर दक्षिण सीट पर सत्तारुढ़ भाजपा आगे थी। गुजरात में वाव सीट पर कांग्रेस का उम्मीदवार आगे था।

बिहार विधानसभा उपचुनावः सभी चार सीट पर राजग प्रत्याशी जीते

पटना। बिहार में चार विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव के परिणाम शनिवार अपराह्न घोषित कर दिए गए जिसके तहत सभी सीट पर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के प्रत्याशियों ने जीत हासिल की। निर्वाचन आयोग ने यह जानकारी दी। निर्वाचन आयोग के अनुसार इमामगंज से हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) की दीपा कुमारी, बेलागंज से जनता दल-यूनाइटेड (जद-यू) की मनोरमा देवी, रामगढ़ से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अशोक कुमार सिंह और तरारी सीट पर भाजपा प्रत्याशी विशाल प्रशांत ने जीत हासिल की। इसके अनुसार, वियजी उम्मीदवार दीपा ने 53,435 मत और उनके उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के प्रत्याशी रोशन कुमार ने 47,490 मत हासिल किए। जन सुराज पार्टी के उम्मीदवार जितेंद्र पासवान को 37,103 मत मिले। बेलागंज सीट पर, जद (यू) की उम्मीदवार मनोरमा देवी अंतिम चरण की मतगणना के बाद 73,334 मत पाकर जीत हासिल करने में सफल रहीं। इस सीट पर विपक्षी महागठबंधन में शामिल राजद के उम्मीदवार विश्वनाथ कुमार सिंह को 51,943 मत और तीसरे स्थान पर रहे जन सुराज पार्टी के प्रत्याशी मोहम्मद अमजद को 17,285 मत मिले। रामगढ़ में भाजपा के अशोक कुमार सिंह ने 62,257 मत हासिल कर जीत दर्ज कराई। दूसरे स्थान पर रहे बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के सतीश कुमार यादव ने 60,895 मत और तीसरे स्थान पर रहे जन सुराज पार्टी उम्मीदवार सुशील कुमार सिंह ने 6,513 मत प्राप्त किये। तरारी में अंतिम दौर की मतगणना पूरी होने के बाद भाजपा प्रत्याशी विशाल प्रशांत 78,755 मत हासिल कर प्रथम स्थान पर रहे। विपक्षी महागठबंधन में शामिल भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माले) लिबरेशन के उम्मीदवार राजू यादव 68,143 मत हासिल कर दूसरे स्थान पर और जन सुराज पार्टी की किरण सिंह 5,622 मत हासिल कर तीसरे स्थान पर रहीं। बिहार की इन चार विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए 13 नवंबर को मतदान हुआ था। उपचुनाव के नतीजे सत्तारूढ़ राजग, विपक्षी महागठबंधन और नवगठित जन सुराज पार्टी के लिए महत्वपूर्ण हैं। इन विधानसभा क्षेत्र के मौजूदा विधायकों के लोकसभा के लिए निर्वाचित होने के बाद उपचुनाव जरूरी हो गए हैं।

उत्तर प्रदेश की नौ विधानसभा सीट के उपचुनाव में सात पर भाजपा गठबंधन और दो पर सपा आगे

लखनऊ, एजेंसी

उत्तर प्रदेश की नौ विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव के लिए शनिवार सुबह आठ बजे से कड़ी सुरक्षा के बीच जारी मतगणना के अब तक के रुझान में सात सीट पर सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) और दो पर राज्य की मुख्य विपक्षी पार्टी समाजवादी पार्टी (सपा) आगे है। निर्वाचन आयोग के अनुसार अपराह्न दो बजे तक की मतगणना में मीरापुर में भाजपा की सहयोगी राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) तथा कुंदरकी, गाजियाबाद, खैर, मझवां, कटेहरी और फूलपुर में भाजपा आगे है। सपा के उम्मीदवारों की करहल और सीसामऊ विधानसभा सीट पर बढ़त बरकरार है। इसके अनुसार मीरापुर में रालोद की मिथिलेश पाल अपनी निकटतम प्रतिद्वंद्वी सपा की सुंबुल राणा से 19,785 मत, कुंदरकी में भाजपा के रामवीर सिंह अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी सपा के मोहम्मद रिजवान से 98,537 मत, गाजियाबाद में भाजपा के संजीव शर्मा सपा के सिंहराज जाटव से 59,707 मत से आगे हैं। इसी तरह, खैर (सुरक्षित) में भाजपा के सुरेंद्र दिलेर अपनी प्रतिद्वंद्वी सपा की चारु केन से 35,702 मत, फूलपुर में भाजपा के दीपक पटेल सपा उम्मीदवार मोहम्मद मुज्तबा सिद्दीकी से 8,233 मत और मझवां में भाजपा की सुचिस्मिता मौर्य सपा उम्मीदवार डॉ. ज्योति बिंद से 3,871 मतों से आगे हैं। कटेहरी में भाजपा के धर्मराज निषाद अपनी प्रतिद्वंद्वी सपा की शोभावती वर्मा से 7,201 मतों से आगे हैं। करहल में अखिलेश यादव के भतीजे एवं सपा उम्मीदवार तेज प्रताप यादव, रिश्ते में फूफा लगने वाले अपने प्रतिद्वंद्वी एवं भाजपा प्रत्याशी अनुजेश प्रताप यादव से 20,484 मतों से आगे हैं। सीसामऊ में सपा की नसीम सोलंकी भाजपा के सुरेश अवस्थी से 8,564 मतों से आगे हैं। सीसामऊ में कुल 20 दौर की मतगणना पूरी हो चुकी है और अब परिणाम घोषित किये जाने का इंतजार है। उप्र की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती के नेतृत्व वाली बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के उम्मीदवार काफी पीछे हैं। बसपा ने सभी नौ सीट पर अकेले चुनाव लड़ा, जबकि असदुद्दीन ओवैसी की ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) ने गाजियाबाद, कुंदरकी और मीरापुर में उम्मीदवार उतारे हैं। चंद्रशेखर आजाद के नेतृत्व वाली आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) ने भी सीसामऊ को छोड़कर सभी सीट पर चुनाव लड़ा, जो सभी बेहद पीछे हैं। राज्य की इन नौ विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए 20 नवंबर को मतदान हुआ था। आधिकारिक जानकारी के अनुसार, इन सभी नौ सीट पर शनिवार सुबह आठ बजे से कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मतगणना शुरू हुई। उपचुनाव वाले नौ विधानसभा क्षेत्रों में कुल 90 प्रत्याशी मैदान में हैं, जिनमें 11 महिला प्रत्याशी हैं। सीसामऊ में सबसे कम 20 और कुंदरकी, करहल, फूलपुर और मझवां में सबसे अधिक 32 दौर में मतगणना पूरी होगी। मतगणना स्थल की सुरक्षा के लिए त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई है। मतगणना उत्तर प्रदेश के नौ जिलों मुजफ्फरनगर, मुरादाबाद, गाजियाबाद, अलीगढ़, मैनपुरी, कानपुर नगर, प्रयागराज, आंबेडकर नगर एवं मिजार्पुर में जारी है। निर्वाचन आयोग ने मतगणना के लिए नौ प्रेक्षक तैनात किए हैं। आधिकारिक जानकारी के अनुसार, समस्त मतगणना सीसीटीवी की निगरानी में की जा रही है। मतगणना सुचारू रूप से कराने के लिए पर्याप्त संख्या में केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की तैनाती भी की गयी है।

महायुति ने प्रधानमंत्री के नेतृत्व में विकास को प्राथमिकता दी: गडकरी

नागपुर। केंद्रीय मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता नितिन गडकरी ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में शानदार प्रदर्शन के लिए शनिवार को महायुति को बधाई दी और कहा कि सत्तारूढ़ गठबंधन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकास को प्राथमिकता दी है। निर्वाचन आयोग के दो बजे तक के आंकड़ों के अनुसार, महायुति 288 विधानसभा सीट में से 210 से अधिक सीट पर आगे है, जबकि भाजपा खुद 120 से अधिक सीट पर बढ़त बनाए हुए है। गडकरी ने एक्स पर पोस्ट किया, ह्यह्यविधानसभा चुनाव में भाजपा-महायुति गठबंधन की ऐतिहासिक जीत के लिए महाराष्ट्र के लोगों को हार्दिक बधाई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में, भाजपा-महायुति ने लगातार विकास को प्राथमिकता दी है और महाराष्ट्र की समग्र प्रगति एवं आकांक्षाओं के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, मेरा दृढ़ विश्वास है कि प्रधानमंत्री मोदी जी के दृष्टिकोण से प्रेरित डबल इंजन सरकार राज्य के विकास को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगी।

राजस्थान विधानसभा उपचुनावः सलूंबर सीट भाजपा, चौरासी सीट बीएपी ने जीती

जयपुर, एजेंसी

राजस्थान में उपचुनाव वाली सात विधानसभा सीट में से दो पर शनिवार अपराह्न परिणाम घोषित कर दिए गए। चौरासी विधानसभा सीट भारत आदिवासी पार्टी (बीएपी) और सलूंबर सीट भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने जीती। निर्वाचन आयोग के अनुसार चौरासी विधानसभा सीट पर बीएपी के उम्मीदवार अनिल कुमार कटारा ने 24,370 मतों के अंतर से जीत दर्ज की। कटारा को 89,161 मत, उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी भाजपा उम्मीदवार कारीलाल को 64,791 मत तथा कांग्रेस उम्मीदवार महेश रोत को 15,915 वोट मिले। बीएपी के विधायक राजकुमार रोत के लोकसभा चुनाव जीतने के बाद यह सीट खाली हो गई थी। चौरासी डूंगरपुर जिले की आदिवासी बहुल सीट है। आयोग के अनुसार सलूंबर सीट पर भाजपा की उम्मीदवार शांता अमृतलाल मीणा ने 1,285 मतों के अंतर से जीत दर्ज की। इसके अनुसार शांता मीणा को 84,428 वोट मिले। भारत आदिवासी पार्टी के उम्मीदवार जितेश कुमार को 83,143 और कांग्रेस उम्मीदवार रेशमा मीणा को 26,760 वोट मिले। यह सीट भाजपा विधायक अमृतलाल मीणा के निधन के बाद रिक्त हो गई थी। भाजपा ने यहां मीणा की पत्नी शांता मीणा को उम्मीदवार बनाया।

प्रदूषण सीएक्यूएम रख रहा नजर, उचित उपाय करने राज्यों को सौंपी जिम्मेदारी.....

दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण का कारण ग्लोबल वार्मिंग और बदलता मौसम

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली इन दिनों गंभीर वायु प्रदूषण से जूझ रही है, जिससे शहरवासियों को सांस लेना भी दूभर हो गया है। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग को प्रदूषण की निगरानी करने और कई राज्यों को उचित उपाय करने के लिए मार्गदर्शन देने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वायु प्रदूषण का मुख्य कारण पंजाब और हरियाणा में जलाई जाने वाली पराली को माना जा रहा है, लेकिन इस साल पराली जलाने पर रोक लगाने के बावजूद भी दिल्ली में प्रदूषण का स्तर रिकॉर्ड तोड़ रहा है। प्रदूषण में खतरनाक वृद्धि के लिए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग द्वारा पहचाने गए प्रमुख कारकों में से एक असामान्य मौसम पैटर्न है। आयोग के एक तकनीकी सदस्य ने बताया कि पिछले साल नवंबर में घने कोहरे ने मौसमी गतिविधियों

को काफी हद तक बदल दिया है। घना कोहरा जो पहले इस अवधि में असामान्य था उसने वायु गुणवत्ता को गंभीर रूप से प्रभावित किया है, जिससे दिल्ली और एनसीआर में प्रदूषण का संकट बढ़ गया है।

पिछले दो हफ़्तों में बढ़े प्रदूषण स्तर ने आयोग की चिंता बढ़ा दी है, जिससे मौसम की स्थिति पर फिर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है क्योंकि यह एक प्रमुख कारक है। उन्होंने बताया कि पिछले 20 साल में औसतन नवंबर में आधे दिन तक घना कोहरा दर्ज किया जाता था। हालांकि, इस साल लगातार और तीव्र धुंध ने स्थिति को जटिल बना दिया है, जो लोगों के स्वास्थ्य के लिए खतरा बन गई है।

हाल के वर्षों में वैश्विक तापमान वृद्धि और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियां दुनिया भर के शहरी वातावरण में तेजी से देखने को मिल रही हैं। भारतीय मौसम विभाग से जुड़े एक अनुभवी विशेषज्ञ ने बताया कि अक्टूबर और नवंबर के महीनों में पश्चिमी विक्षोभ के कारण भारत के मैदानी इलाकों में बारिश होती है। इस साल बारिश नहीं हुई है। बारिश ना होने से एक प्राकृतिक तंत्र नष्ट हो गया है, जो आमतौर पर प्रदूषकों को फैलाने और वायु गुणवत्ता में सुधार करने में मदद करता है। बारिश की कमी ने दिल्ली में प्रदूषण संकट को बढ़ा दिया है। उन्होंने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) के सामने प्रदूषण के स्तर की निगरानी और नियंत्रण में आने वाली चुनौतियों पर जोर दिया। आयोग स्थिति पर कड़ी नजर रख रहा है, लेकिन मौसम और वायुमंडलीय कारकों को नियंत्रित करना असंभव है। ये कारक प्रदूषकों के फैलाव और सांद्रता को तय करने में अहम भूमिका निभाते हैं। हवा की गति से लेकर दिशा तक हर तत्व इस बात को प्रभावित करता है कि प्रदूषक दिल्ली में कैसे पहुंचते हैं। दुर्भाग्य से पिछले दो हफ़्तों में ये कारक अनुकूल नहीं रहे हैं, जिससे हवा में स्थिरता बनी हुई है और वायु प्रदूषण बढ़ा है। सीएक्यूएम द्वारा दी जानकारी दिल्ली और शहरी क्षेत्रों में वायु प्रदूषण को संबोधित करने की जटिलता को रेखांकित करती है। चूंकि ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन मौसम के पैटर्न को बदलना जारी है इसलिए नीति निमार्ताओं के लिए वायु गुणवत्ता को प्रबंधित करने के लिए समाधान तैयार करते समय इन कारकों पर विचार करना अनिवार्य है।

लाडकी बहिन योजना के कारण रुझान महायुति के पक्ष में : मुख्यमंत्री शिंदे

मुंबई, एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शनिवार को कहा कि उनकी प्रमुख पहल मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिन योजना के कारण ही विधानसभा चुनाव के रुझान महायुति के पक्ष में हैं। शिंदे ने कहा कि राज्य की जनता ने कल्याणकारी योजनाओं का जवाब अपने मतों से दिया है। महाराष्ट्र विधानसभा की 288 सीट पर हुए चुनाव के नतीजों में अब तक आए रुझानों से यह संकेत मिलता है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) का गठबंधन महायुति राज्य में सत्ता बरकरार रखेगा। शिंदे ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, मैं राज्य की सभी लाडकी बहिनों और भाइयों को धन्यवाद देता हूं जिन्होंने बड़ी संख्या में हमारे लिए मतदान किया। मतदान का रुझान हमारे काम का समर्थन है। उन्होंने कहा, समाज के हर वर्ग ने हमारे विकास के प्रयासों के कारण हमें वोट दिया है। जनता ने हमारे काम को देखा है और अपने मतों के माध्यम से इसका जवाब दिया है। शिंदे ने कहा कि इस परिणाम से उनकी जिम्मेदारी बढ़ गई है। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि महायुति के पास ऐसा कोई निश्चित फॉर्मूला नहीं है कि सबसे अधिक सीट जीतने वाली पार्टी के व्यक्ति को ही मुख्यमंत्री का पद मिले गा। मुख्यमंत्री ने कहा, ह्यफिलहाल कोई निश्चित फॉर्मूला नहीं बना है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा समेत तीनों दलों के वरिष्ठ नेता इस मामले पर चर्चा कर फैसला लेंगे। इससे पहले दिन में भाजपा के विधायक प्रवीण दरेकर ने मांग की कि उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को महाराष्ट्र का अगला मुख्यमंत्री बनाया जाए। उन्होंने कहा कि गठबंधन की जिस पार्टी को सबसे अधिक सीट मिलेंगी उसे ही मुख्यमंत्री का पद मिलेगा।

तो इस कारण दमघोंटू हो रही दून की हवा, आईआईटी के दो साल के रिसर्च के बाद सामने आई वजह

देहरादून, एजेंसी।
शांत और स्वच्छ वातावरण के लिए जाना जाने वाला दून भी अब महानगरों की राह पर है। बढ़ी आबादी के साथ अंधाधुंध निर्माण, वाहन और उद्योगों का विस्तार दून की आबोहवा बिगाड़ रहे हैं। अनियंत्रित विकास के साथ ही दून में हरियाली भी घट रही है। ऐसे में प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ रहा है। विभिन्न स्रोतों से निकलने वाले प्रदूषक कण अब ज्यादा समय तक हवा में तैरते रहते हैं।

खासकर ग्रीष्म और शीत के चरम पर होने के दौरान वायु प्रदूषण का स्तर भी शीर्ष पर पहुंच जाता है। भले ही केंद्र सरकार की ओर से राष्ट्रीय स्वच्छ वायु प्रोग्राम के तहत दून में भी आबोहवा को दूषित होने से बचाने के प्रयास किए तो किए जा रहे हैं, फिलहाल ये नाकाफी साबित हो रहे हैं। दून में सबसे ज्यादा वायु प्रदूषण वाहनों के धुएं और खुले में उड़ रही धूल-मिट्टी से ही होता है। कूड़ा जलाने और कोयला भी वायु प्रदूषण को बढ़ा रहे हैं।

दरअसल, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय स्थित आइआइटी की ओर से दून में दो वर्ष का अध्ययन किया गया। इस दौरान गर्मियों और सर्दियों में शहर में उत्सर्जित प्रदूषक कारकों की रिपोर्ट तैयार की गई। साथ ही उनके प्रभाव और रोकथाम के उपाय भी सुझाए गए।

इस रिपोर्ट के आधार पर वायु प्रदूषकों को चिह्नित किया गया है, ऐसे में उनकी रोकथाम

या प्रभाव कम करने के लिए अब नगर निगम, एमडीडीए, आरटीओ, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड आदि विभागों को अपने-अपने स्तर पर कार्य करने हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि दून में रोजाना लगभग कितना वायु प्रदूषण होता है।

साथ ही यह किन-किन कारकों से हो रहा है। पीएम-2.5 और पीएम-10 की स्थिति भी बताई गई है। दून में यदि वाहनों के धुएं और सड़कों की धूल के साथ ही निर्माण कार्यों की धूल को कम कर दिया जाए तो शहर की आबोहवा काफी हद तक स्वस्थ हो जाएगी। लेकिन, विभागों और आमजन की लापरवाही के कारण बढ़ रहे वायु प्रदूषण ने दून की आबोहवा को दमघोंटू की राह पर बढ़ा दिया है।

वहीं, पीएम-10 में निर्माण स्थलों, लैंडफिल और कृषि, जंगल की आग और कूड़ा जलाने, औद्योगिक स्रोतों, खुले क्षेत्र व सड़कों से हवा में उड़ने वाली धूल, परागकण आदि शामिल होते हैं। 10 माइक्रोन या उससे कम व्यास वाले (पीएम10) प्रदूषण कण पदार्थ फेफड़ों में सांस के जरिये जा सकते हैं और स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकते हैं। हालांकि, पीएम-2.5 अधिक बारीक होने के कारण अधिक मात्रा में फेफड़ों तक पहुंच सकते हैं और घातक साबित हो सकते हैं। सल्फर डाइआक्साइड, नाइट्रोजन आक्साइड और कुछ कार्बनिक यौगिक, द्वितीयक अकार्बनिक आइरोसोल और काबर्न मोनो आक्साइड भी वायु प्रदूषण के प्रमुख कारक हैं। दून अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डा. अनुराग अग्रवाल के अनुसार, वायु प्रदूषण के संपर्क में आने से स्वास्थ्य पर कई प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकते हैं। पीएम-2.5 के अधिक समय तक संपर्क में रहने से हृदय व फेफड़ों से संबंधित बीमारियां हो सकती हैं। ब्रोंकाइटिस, अस्थमा के दौरे, श्वसन संबंधी समस्याएं होने का खतरा रहता है। ये प्रतिकूल स्वास्थ्य प्रभाव मुख्य रूप से शिशुओं, बच्चों और पहले से हृदय या फेफड़ों की बीमारियों से जूझ रहे वयस्कों के लिए घातक होते हैं। पीएम-10 के अधिक संपर्क में रहने से भी मुख्य रूप से अस्थमा और क्रोनिक आब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी) समेत अन्य श्वसन संबंधी समस्याएं बढ़ सकती हैं। दून में कूड़ा जलाने की शिकायतें भी विभिन्न क्षेत्रों में आती रहती हैं। खासकर सर्दियों में कूड़ा जलाने के मामले बढ़ जाते हैं। कूड़ा लगाने से दून में रोजाना पीएम-10 लगभग 200 किलो, पीएम-2.5 135 किलो और 1026 किलो कार्बन मोनो आक्साइड उत्सर्जित होकर वायु प्रदूषण बढ़ाता है। कुल वायु प्रदूषण में कूड़ा जलाने से करीब आठ से 10 प्रतिशत प्रदूषण हो रहा है।

वाहन- इलेक्ट्रिक/हाइब्रिड वाहनों की संख्या बढ़ाने और कुल वाहनों में 50 प्रतिशत करने का प्रयास किया जाए। नए आवासीय और वाणिज्यिक भवनों में चार्जिंग सुविधाएं अनिवार्य की जाएं। डीजल पार्टिकुलेट फिल्टर का रेट्रो फिटमेंट किया जाए। भारी वाहनों में बीएस-डुढ्ढ अनिवार्य किया जाए। सभी डीजल आधारित शहरी सार्वजनिक परिवहन को चरणबद्ध तरीके से समाप्त किया जाए।

शहर में बढ़ते वायु प्रदूषण पर किए गए अध्ययन की प्रारंभिक रिपोर्ट प्राप्त हुई है। जिसमें प्रदूषण की स्थिति के साथ ही उसे कम करने के लिए एक्शन प्लान का भी प्रस्ताव दिया गया है। इसके लिए विभिन्न विभागों को अपने-अपने स्तर पर कार्य करने होंगे। नगर निगम की ओर से राष्ट्रीय स्वच्छ वायु प्रोग्राम के तहत पहले ही विभिन्न योजनाओं पर कार्य किया जा रहा है। आगे भी कुछ नई पहल की जाएंगी। - गौरव भसीन, उप नगर आयुक्त

निर्माण स्थल से उठने वाली धूल वायु प्रदूषण का एक प्रमुख कारण है। यह धूल आबोहवा को भी खराब कर रही है। ऐसे में जिला प्रशासन धूल नियंत्रण उपायों को सख्ती से लागू कराने की तैयारी कर रहा है। दून में भी जल्द दिल्ली की तर्ज पर एंटी डस्ट कैंपेन की शुरुआत की जा सकती है। जिसके तहत निर्माण कार्य करने वाले सरकारी, गैर सरकारी और निजी संस्थाओं पर पर्यावरण को दूषित करने पर कार्रवाई की जाएगी। उठने वाली धूल से वायु प्रदूषण पर एक सवाल के जवाब में कहा कि निर्माण कार्य में प्रयुक्त होने वाले डस्ट, सीमेंट व धूल के कणों को रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

चकराता के पास मोठी में दो मंजिला आवासीय छानी में लगी भीषण आग, 14 पशु जिंदा जले

देहरादून, एजेंसी। आवासीय दो मंजिला छानी में देर रात्रि आग लगने से 14 जिंदा पशुओं जलकर मर गए। साथ ही छानी में रखें अनाज और खाने पिने खाने की वस्तुए भी राख हो गई। देहरादून चकराता के पास मोठी में दो मंजिला आवासीय छानी में भीषण आग लग गई, जिसमें 14 पशु जिंदा जल गए। तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचायत मोठी के मशौक मजरे में स्थित ग्रामीण मांन्नु और पप्पू के आवासीय दो मंजिला छानी में देर रात्रि को आग लग जाने से 14 जिंदा पशुओं की जलकर मौत हो गई। साथ ही छानी में रखें अनाज और खाने पिने खाने की वस्तुए भी राख हो गई। आग लगने के कारणों का पता करने के लिए क्षेत्रीय पटवारी मौके के लिए रवाना।

यातायात नियमों के उल्लंघन पर 27 वाहनों के चालान, छह सीज

देहरादून, एजेंसी। उप संभागीय परिवहन विभाग की टीम ने पछ्वादून में यातायात नियमों के उल्लंघन पर 27 वाहनों के चालान किए। जरूरी कागजात नहीं पाए जाने पर छह वाहनों को सीज कर दिया गया। परिवहन विभाग की टीम ने पछ्वादून के विकासनगर, हरबर्टपुर और सेलाकुई में वाहनों की जांच के लिए अभियान चलाया। उप संभागीय परिवहन अधिकारी प्रवर्तन रावत सिंह कटारिया ने बताया कि सीट बेल्ट, हेलमेट, ड्राइविंग लाइसेंस नहीं होने पर 27 वाहनों के चालान किए गए। जबकि, वाहन संबंधी जरूरी कागजात नहीं दिखाने पर छह वाहनों को सीज किया गया है। इस दौरान वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक भी किया गया।

हैंडबॉल में रुद्रपुर, फुटबॉल में काशीपुर विजेता

रुद्रपुर, एजेंसी। जिला स्तरीय खेल महाकुंभ तहत मनोज सरकार स्पोर्ट्स स्टेडियम में अंडर-14,17 और 17 बालक वर्ग की प्रतियोगिताएं खेली गईं। इसमें विकासखंडों से आए खिलाड़ियों ने ताइक्वांडो, कबड्डी, बॉस्केटबाल, फुटबाल और हैंडबाल में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इसमें कबड्डी में खटीमा, फुटबॉल में काशीपुर और हैंडबॉल में रुद्रपुर विजेता बनी। सभी विजेता, उप विजेता खिलाड़ियों और टीमों को मेडल और खेल महाकुंभ का प्रमाणपत्र देकर पुरस्कृत किया गया। बृहस्पतिवार को खेल महाकुंभ के चौथे दिन खेल की शुरुआत जिला युवा कल्याण अधिकारी बीएस रावत ने की। इस दौरान अंडर-14 और अंडर-17 की प्रतिस्पर्धाएं शुरू हुईं। जिले के गदरपुर, काशीपुर, बाजपुर, जसपुर, सितारगंज, रुद्रपुर और खटीमा के खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा दिखाई। देर शाम समापन अवसर पर पहुंचे मुख्य अतिथि महासचिव ओलंपिक उत्तराखंड डीके सिंह और सीईओ केएस रावत ने विजेताओं और टीमों को मेडल और प्रमाणदेकर सम्मानित किया। इस अवसर पर संजीव बुधौरी, लक्ष्मण सिंह टाकुली, राजेंद्र सिंह भाकुनी, दिनेश कुमार सिंह, मनीष सनवाल, दीप पंत, सुधा जोशी, अशोक, रविंद्र बिष्ट आदि उपस्थित रहे।

उपस्थित दर्ज नहीं कराने पर 114 अध्यापकों का रुकेगा वेतन

रुद्रपुर, एजेंसी। माध्यमिक स्कूलों के अध्यापक ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज कराने में लापरवाही बरत रहे हैं। शिक्षा विभाग ने भी ऐसे अध्यापकों के खिलाफ कार्यवाही शुरू कर दी है। 20 नवंबर को पोर्टल पर रियल टाइम अटेंडेंस नहीं लगाने वाले 114 अध्यापकों का एक दिन का वेतन रोकने के निर्देश दिए हैं। जिले के सभी इंटर कॉलेजों के प्रधानाचार्य सहित अध्यापकों को यू डायस पोर्टल पर रियल टाइम अटेंडेंस भरना अनिवार्य है। प्रतिदिन विद्यालय आकर अध्यापकों को ऑनलाइन हाजिरी लगानी है। 20 नवंबर को जिले के 114 अध्यापक ऐसे रहे जिन्होंने अपना अटेंडेंस नहीं लगाया। इसमें बाजपुर के 29, गदरपुर के 15, जसपुर के 04, काशीपुर के 14, खटीमा के 15, रुद्रपुर 08 और सितारगंज के 29 शिक्षक ऐसे रहे जिन्होंने हाजिरी नहीं लगाई। हालांकि प्रदेश में ऑनलाइन हाजिरी लगाने में जिले का नाम अग्रणी जिलों में हैं पर अभी भी 10 फीसदी ऐसे भी हैं जो हाजिरी नहीं लगा रहे। विभाग का मानना है कि अगर वे विद्यालय आ रहे हैं और शिक्षण गतिविधि में शामिल हैं तो ऑनलाइन हाजिरी लगाने में क्यों परहेज कर रहे हैं।

झबरेड़ा में 24 साल से वादों में दौड़ रही रोडवेज बसें

रूड़की, एजेंसी। झबरेड़ा कस्बे में 24 साल से सरकारी बसें सिर्फ वादों और कागजी कार्रवाई में दौड़ रही हैं जबकि धरातल पर जुगाड़ वाहन ही नजर आ रहे हैं। कस्बे समेत आसपास के 40 गांवों की आबादी आज भी डग्गामार वाहनों और प्राइवेट बसों में सफर करने को मजबूर है। बावजूद इसके जनप्रतिनिधि और अधिकारी इस तरफ ध्यान नहीं दे रहे हैं। रुड़की से लगभग 21 किलोमीटर की दूरी पर झबरेड़ा कस्बा है। यह सहारनपुर और हरिद्वार जिले का मुख्य केंद्र भी है लेकिन आज भी कस्बे और आसपास के करीब 40 गांवों को परिवहन निगम की सेवा नहीं मिल पाई है। कस्बे में गुड़ का बड़ा कारोबार होता है। देश ही नहीं बल्कि विदेश में भी गुड़ की सप्लाई की जाती है लेकिन आज भी यहां के गुड़ और अन्य व्यापारी प्राइवेट बसों व जुगाड़ वाहन के सहारे ही हैं।

एनसीआईएसएम ने जारी की रेटिंग, देश के 552 कॉलेजों में पतंजलि टॉप-20 में हुआ शामिल

हरिद्वार, एजेंसी। आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि आयुष शिक्षा के क्षेत्र में पतंजलि बड़ा कार्य कर रहा है। हाल ही में नेशनल कमीशन फॉर इंडियन सिस्टम ऑफ मेडिसिन (एनसीआईएसएम) ने पूरे देश के आयुर्वेद कॉलेजों की रेटिंग के आंकड़े जारी कर इसको प्रमाणित भी कर दिया है। पतंजलि योगपीठ योग और आयुर्वेद की पुनर्स्थापना के लिए विश्वविख्यात है। इसी कड़ी में एनसीआईएसएम की ओर से जारी रेटिंग सूची में भी इस संस्थान ने मुकाम हासिल किया। देशभर के 552 कॉलेजों में जहां इस संस्थान ने टॉप 20 में जगह बनाया, वहीं राज्य में ए ग्रेड प्राप्त करने वाला एकमात्र संस्थान घोषित किया गया। बृहस्पतिवार को जारी बयान में संस्थान के महामंत्री आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि आयुष शिक्षा के क्षेत्र में पतंजलि बड़ा कार्य कर रहा है। हाल ही में नेशनल कमीशन फॉर इंडियन सिस्टम ऑफ मेडिसिन (एनसीआईएसएम) ने पूरे देश के आयुर्वेद कॉलेजों की रेटिंग के आंकड़े जारी कर इसको प्रमाणित भी कर दिया है। पतंजलि योगपीठ के महामंत्री आचार्य बालकृष्ण ने देश में आयुर्वेद कॉलेजों के स्तर तथा आयुर्वेद के उत्थान के लिए पतंजलि के कार्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि देश में जितने भी आयुर्वेद के शिक्षण संस्थान हैं उनमें पतंजलि आयुर्वेद महाविद्यालय का टॉप-20 में होना हमारे लिए गौरव की बात है। उन्होंने आयुर्वेद को लेकर पतंजलि के प्रयासों की सराहना की। कहा कि आयुर्वेद के उत्थान के लिए दृढ़ संकल्प व इच्छाशक्ति की आवश्यकता है। आयुर्वेद को तथ्यों व प्रमाणों के आधार पर प्रस्तुत कर हम आयुर्वेद को पुनः गौरवान्वित कर सकते हैं।

परिवार संग देहरादून एयरपोर्ट पहुंचे अखिलेश यादव

ऋषिकेश, एजेंसी। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव अपनी पत्नी डिम्पल यादव और बच्चों के साथ बृहस्पतिवार को देहरादून एयरपोर्ट पहुंचे। इस दौरान सपा के दर्जनों कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। इसके बाद अखिलेश यादव और सपा के राष्ट्रीय सचिव मो. उस्मान देहरादून में एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए रवाना हो गए।

11 नवंबर को सबसे खराब रही हवा की सेहत

ऋषिकेश, एजेंसी। शहर क्षेत्र में हवा की सेहत कभी संतोषजनक तो कभी बिगड़ रही है। इस बात की पुष्टि केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों से हुई है। बीते कुछ दिन पहले हवा की सेहत चिंताजनक अवस्था में पहुंच गई थी। इसका कारण विशेषज्ञ पड़ोसी राज्यों में प्रदूषण को मान रहे हैं। हालांकि बृहस्पतिवार को शहर का वायु गुणवत्ता सूचकांक संतोषजनक मापा गया।

इस माह आठ नवंबर से 16 नवंबर तक ऋषिकेश में हवा की सेहत काफी खराब रही। लेकिन अब धीरे-धीरे शहर में हवा की सेहत में सुधार हो रहा है। इस माह सबसे अधिक खराब स्थिति 11 नवंबर को रही। इस दिन शहर का वायु गुणवत्ता सूचकांक 206 रहा। इस सूचकांक को पर्यावरणीय दृष्टि से काफी खराब माना जाता है। इस सूचकांक की हवा श्वास व हृदय स्वास्थ्य संबंधी शिकायत वाले लोगों के लिए काफी हानिकारक होती है।

डीएपी के लिए भटक रहे किसान

ऋषिकेश, एजेंसी।
किसान सेवा सहकारी समितियों में डीएपी खाद का संकट गहरा गया है। जिससे गेहूं की बुआई करने वाले किसान परेशान होकर भटक रहे हैं। किसान सेवा सहकारी समिति भानियावाला में तो पिछले एक महीने से डीएपी खाद नहीं है। इसके बदले किसानों को एनपीके खाद पकड़ाई जा रही है।

रानीपोखरी, भोगपुर और थानो में भी डीएपी खाद खत्म हो चुकी है। रानीपोखरी में दस दिन पहले खाद खत्म हो गई थी। जबकि थानो में बीते बुधवार को ही डीएपी खत्म हुई है। भोगपुर में भी खाद की किल्लत बनी हुई है। ऐसे में गेहूं की बुआई के लिए किसान परेशान हैं। कुछ किसानों ने डीएपी न मिलने के कारण एनपीके खाद डालकर ही गेहूं की बुआई कर दी है।

भानियावाला किसान समिति से जौलीग्रांट, भानियावाला, कालूवाला, कान्हरवाला, अठूरवाला और माजरीग्रांट के सैकड़ों किसान खाद खरीदते हैं। इसलिए इस समिति पर सबसे अधिक खाद का दबाव रहता है। वहीं रानीपोखरी, भोगपुर और थानो से मैदानी और पहाड़ी क्षेत्रों के किसान जुड़े हुए हैं।

डीएपी ने मिलने से किसानों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। किसान आदेश कृषाली ने कहा कि गेहूं की बुआई के समय डीएपी डालने से गेहूं की पैदावार काफी अच्छी होती है। डीएपी के बगैर गेहूं की बुआई करने से उत्पादन पर इसका असर पड़ सकता है। किसान सेवा सहकारी समिति भानियावाला के सचिव रिजवान अली ने बताया कि भानियावाला समिति में डीएपी काफी दिनों से नहीं है। लेकिन किसान डीएपी के स्थान पर एनपीके खरीद सकते हैं। डीएपी में सिर्फ नाइट्रोजन और फॉस्फोरस होता है। जबकि एनपीके में नाइट्रोजन, फॉस्फोरस के साथ पोटाश भी होता है। डीएपी उपलब्ध होते ही किसानों को डीएपी दिया जाएगा।

भानियावाला किसान सेवा सहकारी समिति में किसानों को यूरिया का बोरा लेने पर एक नैनो यूरिया की शीशी भी जबरन दी जा रही है। किसान आदेश कृषाली ने कहा कि हर बार यूरिया खरीदने पर एक नैनो यूरिया की शीशी देकर जबरन उसका मूल्य वसूला जा रहा है। समिति के सचिव रिजवान अली रिजवान अली ने कहा कि ऊपर से ही बीस प्रतिशत नैनो यूरिया दिए जाने का प्रावधान है। किसानों को चार बैग के साथ एक नैनी यूरिया की शीशी दी जाती है, जो पहला बैग लेने पर ही दे दी जाती है। बाकी तीन बैग के साथ नहीं दी जाती है।

सार्वजनिक स्थान पर शराब पीने से रोकने पर युवकों ने पूर्व सैनिक से की मारपीट, गंभीर घायल, 3 आरोपी गिरफ्तार

पौड़ी, एजेंसी।
उत्तराखंड में पौड़ी जिले के कल्जीखाल ब्लॉक के चिंडालु गांव के रहने वाले एक पूर्व सैनिक को 7 शराबी युवकों ने नशे में धुत होकर जमकर मारपीट की। वहीं, इस जानलेवा हमले में घायल हुए पूर्व सैनिक की हालत बेहद नाजुक बनी हुई है। इस घटना की सूचना पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज करते हुए तीन आरोपियों को हिरासत में लिया है। जबकि अन्य की तलाश जारी है।

प्राप्त सूचना के मुताबिक यह घटना पौड़ी जिले के कल्जीखाल ब्लॉक के चिंडालु गांव की है। जहां सार्वजनिक स्थान पर 7 बाहरी लोग शराब पार्टी कर रहे थे। इसी बीच एक पूर्व सैनिक के द्वारा उन्हें टोका गया तो नशे में धुत शराबियों ने उस पर जानलेवा हमला कर लहूलुहान कर डाला। बताया गया कि घायल को सिर और चेहरे पर गंभीर चोट आई हैं।

जिसका उपचार देहरादून के निजी अस्पताल में चल रहा है। वहीं घायल के परिजनों ने संबंधित मामले में राजस्व विभाग को लिखित में तहरीर दी। जिसमें मुकदमा दर्ज करते हुए राजस्व विभाग ने तीन अभियुक्तों को हिरासत में लिया। जबकि अन्य अभियुक्तों को तलाश जारी है।

वहीं ग्रामीण रोशनी बिष्ट ने बताया कि पहले भी कई बार बाहरी लोगों द्वारा उनके गांव के पास शराब का सेवन किया जाता है। ऐसे में लगातार क्षेत्र का माहौल भी खराब हो रहा है। पहले भी ऐसे लोगों को यहां से भगाया गया था, लेकिन जिस तरह उनके देवर (पूर्व सैनिक) के साथ मारपीट हुई है। इस तरह की घटना बहुत ही निंदनीय है। उन्होंने राजस्व विभाग से मांग की है कि ऐसे लोगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए ताकि आने वाले समय में उनके क्षेत्र के सार्वजनिक जगहों पर कोई भी शराब का सेवन कर माहौल को खराब न करे।

कारोबार में पार्टनरशिप के नाम पर 20 लाख की धोखाधड़ी

हरिद्वार, एजेंसी। रानीपुर कोतवाली क्षेत्र में कारोबार में पार्टनरशिप करने के नाम पर 20 लाख की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

पुलिस के अनुसार, अनुज कुमार सैनी पुत्र रमेशचंद सैनी निवासी सुमननगर, वीआईपी कॉलोनी रानीपुर ने शिकायत दी। बताया कि उसने विकास चौधरी निवासी हाथरस उत्तर प्रदेश हाल निकट शिव मंदिर सुमननगर को 15 लाख रुपये पार्टनरशिप में कार्य करने के लिए दिए थे। उसकी 20 प्रतिशत की पार्टनरशिप थी। विकास चौधरी ने उसे एक चेक एग्रीमेंट दिया था।

शहर के पुराने तारों को हटाकर बिछाई जाएंगी नई विद्युत लाइनें

ऋषिकेश, एजेंसी। ऊर्जा निगम ने शहर में पुरानी तारों को बदलने के लिए तैयारी शुरू कर दी है। केंद्र सरकार की आरडीएसएस योजना के तहत ऋषिकेश शहर क्षेत्र में करीब 133 किमी पुरानी तारों को बदलकर नई विद्युत लाइन बिछाई जाएगी। इस योजना को केंद्र सरकार से हरी झंडी भी मिल गई है। इस योजना के धरातल पर उतरने के बाद लोगों को निर्बाध बिजली आपूर्ति की सुविधा मिल सकेगी।

इस योजना को केंद्र सरकार की रिवैम्प्ड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम (आरडीएसएस) के तहत 30 करोड़ रुपये की स्वीकृति मिली है। इसके लिए ऊर्जा निगम की ओर से 133 किमी पुरानी लाइनों को बदला जाएगा। इसमें 33 केवी की हाईटेंशन लाइन कवर्ड कंडक्टर होगी। जिसमें अंडरग्राउंड लाइनें बिछाई भी जाएंगी।

इंसुलेटर केबिल और विद्युत लाइनों की क्षमता में वृद्धि भी की जाएगी। इसके लिए टेंडर कॉल करने के साथ ही कार्यों के लिए एजेंसी को हायर किया जा चुका है। इन पुरानी लाइनों को बदलने से लोगों को बेहतर विद्युत आपूर्ति की सुविधा मिलेगी। साथ ही दुर्घटनाओं का खतरा भी काफी हद तक खत्म हो जाएगा।

हल्की हवा में ही लाइनों में फॉल्ट की समस्या से छुटकारा मिल सकेगा। वहीं पुरानी लाइनों में फॉल्ट होने से अक्सर लोगों के घरों बिजली गुल हो जाती है।

रेलवे कर्मचारी के घर का ताला तोड़कर सामान चोरी

रूड़की, एजेंसी। चोरों ने रेलवे कर्मचारी के बंद मकान का ताला तोड़कर हजारों का सामान चोरी कर लिया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर चोरी का केस दर्ज कर लिया है। साथ ही आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाल रही है। वहीं, शक के आधार पर पुलिस संदिग्धों से भी पूछताछ कर रही है।ढ्ढ

गंगनहर कोतवाली क्षेत्र स्थित पुष्पांजलि विहार निवासी कल्याण सिंह ने तहरीर देकर बताया कि वह रेलवे कर्मचारी हैं। उनकी ड्यूटी रुड़की रेलवे स्टेशन पर चल रही है। बुधवार को वह ताला लगाकर ड्यूटी चले गए। शाम के समय वह घर पर आए तो ताला खुला हुआ था। उन्होंने घर के अंदर जाकर देखा तो सामान इधर-इधर बिखरा पड़ा था।

उन्होंने अंदर जाकर देखा तो एक गैस सिलिंडर, एलसीडी समेत अन्य सामान गायब था। उन्होंने चोरी की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी ली। साथ ही पुलिस से चोरी के खुलासे की मांग की।

पौड़ी में विभाग द्वारा काश्तकारों के साथ गोष्ठी का आयोजन, 70 मछली पालको सहित कृषकों ने किया प्रतिभाग

पौड़ी, एजेंसी।
उत्तराखंड में पौड़ी के खोलचौरी में आज विश्व मत्स्य दिवस के अवसर पर मत्स्य पालन विभाग द्वारा काश्तकारों के साथ गोष्ठी का आयोजन किया गया। वहीं, इस मौके पर मत्स्य अधिकारी अभिषेक मिश्रा ने काश्तकारों को संबोधित करते हुए मत्स्य पालन की नई तकनीक के बारे में जानकारी दी गई। बता दें कि इस दौरान आयोजित कार्यक्रम में 70 मछली पालको सहित कृषकों ने प्रतिभाग किया।

मत्स्य अधिकारी अभिषेक मिश्रा ने कहा कि मत्स्य पालन की मदद से जिले के कृषक बहुत अच्छा उत्पादन कर रहे है। इसके चलते काश्तकारों

की आय में वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि विभाग का मुख्य उद्देश्य यह है कि सभी कृषक मत्स्य पालन की मदद से अपनी आजीविका को बढ़ाए। इसमें विभाग उनकी हर संभव मदद कर रहा है। अधिकारी ने कहा कि कृषकों को नवीन तकनीकी का ज्ञान दिया जा रहा है। साथ ही उनका उत्साहवर्धन भी किया जाता है। जिससे वह बेहतर कार्य कर सके और उत्तराखंड राज्य के मत्स्य पालन का स्तर बढ़ सके। वहीं,मत्स्य पालक महेंद्र सिंह ने कहा कि आयोजित गोष्ठी में उन्हें अपने कार्य को लेकर काफी नई तकनीक सीखने को मिली है। इसके अतिरिक्त कार्यक्रम में उन्हें मछलियों को भरण पोषण और उनकी बीमारियों से निपटने आदि के बारे में भी जानकारी दी गई है। महेंद्र सिंह ने कहा कि इन नई-नई योजनाओं की मदद से ही मत्स्य पालक प्रति वर्ष अच्छा कमा रहे है।

गोपाल राय ने देर रात नरेला/सिंघु बॉर्डर पर जाकर ग्रेप 4 के कार्यान्वयन का निरीक्षण किया

- कई जगह से ग्रेप 4 के नियमों के उल्लंघन की शिकायत मिल रही थी, इसलिए आज हम यहां देखने आए हैं कि रात में क्या स्थिति है- गोपाल राय

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

आम आदमी पार्टी की सरकार दिल्ली को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, शुक्रवार को देर रात पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने नरेला/सिंघु बॉर्डर पर जाकर ग्रेप 4 के कार्यान्वयन का निरीक्षण किया। इस दौरावन उन्होंने कहा कि कई जगह से ग्रेप 4 के नियमों के उल्लंघन की शिकायत मिल रही थी। इसलिए आज हम यहां देखने आए हैं कि रात में क्या स्थिति है। प्रदूषण के नियंत्रण के लिए दिल्ली सरकार अपने स्तर पर सारे प्रयास कर रही है।

पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि दिल्ली में प्रदूषण कम करने के लिए आम आदमी पार्टी की सरकार लगातार काम कर रही है। अभी दिल्ली के अंदर ग्रेप 4 लागू है। दिल्ली में बीएस 3 और बीएस 4 की गाड़ियों और ट्रकों की एंट्री पर बैन है। कई जगह से ग्रेप 4 के नियमों के उल्लंघन की शिकायत मिल रही थी। इसलिए आज हम यहां देखने आए हैं कि रात में क्या स्थिति है। जो लोग नहीं मानते हैं उन लोगों का चालान भी किया जा रहा है। मैं सभी लोगों से यही अपील करना चाहता हूं कि चाहे वो ड्राइवर हो या ट्रक ओनर्स हों दिल्ली के अंदर प्रदूषण की रोकथाम के लिए इन गाड़ियों की एंट्री बैन है इसलिए इस तरह की गाड़ियां न भेजें। ईस्टर्नल पैरिफेरल एक्सप्रेसवे से गाड़ियों का डायवर्ट कर लें, ताकि दिल्ली में प्रदूषण के स्तर में कमीं लाई जा सके।

गोपाल राय ने कहा कि अधिकारियों से भी मेरा निवेदन है कि सभी बॉर्डर्स पर जब तक ग्रेप-4 लागू है किसी तरह की लापरवाही न करें क्योंकि हम अपनी दिल्ली के प्रदूषण को कम करने के लिए काम कर रहे हैं। लेकिन यह बात भी सच है कि आज प्रदूषण पूरे उत्तर भारत में है। इसका विस्तार उत्तराखंड के मैदानी इलाके में, उत्तर प्रदेश में, मध्य प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान तक है। इसलिए सभी सरकारों से भी मेरा निवेदन है कि अपने-अपने राज्यों में नियमों का सही तरह से पालन कराएं।ताकि लोगों को प्रदूषण से जल्द से जल्द राहत मिल सके। गोपाल राय ने कहा कि प्रदूषण के नियंत्रण के लिए दिल्ली सरकार अपने स्तर पर सारे प्रयास कर रही है। जिस तरह पूरी दुनिया में जलवायु परिवर्तन हो रहा है, हमने इस बार दिल्ली में देखा कि 14 अक्टूबर तक दिल्ली का एक्यूआई 200 से नीचे था। उसके बाद से मौसम में बदलाव हुआ। हवा ठहर गई। बारिश बंद हो गई।

संक्षिप्त खबरें

आईपी यूनिवर्सिटी के बी॰ फार्मा प्रोग्राम की अंतिम काउन्सलिंग 26 नवंबर को

नई दिल्ली । आईपी यूनिवर्सिटी के बी॰ फार्मा प्रोग्राम (कोड 133) की ऑफलाइन काउन्सलिंग यूनिवर्सिटी के द्वारका कैम्पस में 26 नवंबर को आयोजित की जाएगी। उसी दिन दस्तावेज सत्यापन के उपरांत सीटों का आवंटन भी कर दिया जाएगा। इसकी काउन्सलिंग में इस प्रोग्राम के लिए आयोजित सीईटी और सीयूईटी के सफल उम्मीदवार भाग ले सकते हैं।उसी दिन इस प्रोग्राम में दाखिले के लिए ऑनलाइन पंजीकरण भी किया जा सकता है। पंजीकरण के लिए यूनिवर्सिटी के कुलसचिव के पक्ष में निर्गत 5, 000 रुपए का बैंक ड्राफ़्ट साथ लाना है। काउन्सलिंग के दिन ही आवेदक को यूनिवर्सिटी के कुलसचिव के नाम से निर्गत 96, 000 रुपए का बैंक ड्राफ़्ट, सीईटी या सीयूईटी का एडमिट कार्ड और रैंक कार्ड और चार पासपोर्ट आकार के फोटो भी साथ लेकर आना है। इस प्रोग्राम मे कितनी सीटें उपलब्ध हैं इसका पता काउन्सलिंग के दिन ही चलेगा।यह प्रोग्राम यूनिवर्सिटी से संबद्ध डीआईआरडी और द्वारका कैम्पस में सेंटर औफ एक्सलेन्स इन फार्मसूटिकल साइयन्स में उपलब्ध है।

मांगेराम गर्ग के जन्म जयंती पर सेवा कार्य से श्रद्धांजलि

नई दिल्ली । भारतीय जनता पार्टी दिल्ली प्रदेश के पूर्व अध्यक्ष मांगेराम गर्ग को उनके जयंती पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर हवन, भंडारा व दीपचंद बंधु अस्पताल अशोक विहार में फल वितरण किया गया।इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी दिल्ली प्रदेश के महामंत्री व सांसद योगेंद्र चंदोलिया ने कहा कि मांगेराम गर्ग श्रेष्ठतम सेवा व्रर्ती थे, वे बाल काल में समालखा रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को पानी पिलाना हो या फिर युवावस्था में विनोवा भावे के सानिध्य में स्वालंबन आंदोलन में अग्रणी भूमिका के रूप में कार्य करते हुए घरों से शौच साफ करना, प्रौढ़ावस्था में समाज व राष्ट्र के सर्वांगीण विकास हेतु सैकड़ों संस्थाओं का सृजन, समाज हित में सदैव समर्पित रहने का भाव जीवंत उदाहरण है।उनका जीवन एकाग्रता और निष्ठा से परिपूर्ण समाज और राष्ट्र के कल्याण, उन्नति और विकास के लिए समर्पित रहा। बाऊजी श्रेष्ठ संगठक थे। उनके नेतृत्व में दिल्ली की सातों लोकसभा सीटों पर पहली बार हमने विजय का परचम फहराया उन्होंने अपने सुक्ष्म प्रबंधन कला से दिल्ली में बुथ समिति के कार्यकताओं को प्रत्येक घर के प्रत्येक व्यक्ति के दुख सुख का सहभागी होने का प्रेरणा दिया। सतीश गर्ग कोषाध्यक्ष भाजपा दिल्ली प्रदेश ने बाऊजी को प्रेरणादायक बताया। कार्यक्रम में जिला केशव पुरम भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र गोयल, डॉ महेंद्र नागपाल, योगेश वर्मा, अजय खटाना, देवराज, अजय शर्मा, सुरेश भारद्वाज, उमाकांत, प्रवेश टोनी, गीता गुलाटी समेत अनेक गणमान्य लोग उपस्थित हुए।

चोरी के 16 मोबाइल फोन, बाइक बरामद

नई दिल्ली। दक्षिणी जिला की स्पेशल स्टाफ पुलिस ने गुरुवार को दो शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इनकी पहचान कुणाल और योगेश उर्फ बोना के रूप में हुई है। इनके कब्जे से चोरी और झपटमारी की 16 मोबाइल फोन और चोरी की एक बाइक बरामद हुई है। पुलिस ने इनकी गिरफ्तारी से 13 आपराधिक मामलों को सुलझाने का दावा किया है। इन दोनों आरोपियों को हमदर्द नगर बस स्टैंड के पास से गिरफ्तार किया गया।

1984 सिख विरोधी दंगा: जगदीश टाइटलर के खिलाफ अब 2 दिसंबर को दर्ज होंगे गवाहों के बयान

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट में आज 1984 सिख विरोधी दंगों से जुड़े पुलबंगश गुरुद्वारा हिंसा के आरोपी जगदीश टाइटलर के खिलाफ दर्ज मामले में गवाह मनमोहन कौर नहीं पहुंच सकीं. कोर्ट ने मनमोहन कौर और दो पूर्व पुलिसकर्मियों को अपने बयान दर्ज कराने के लिए समन जारी किया है. स्पेशल जज जीतेंद्र सिंह ने गवाहों के बयान 2 दिसंबर को दर्ज करने का आदेश दिया. आज जगदीश टाइटलर कोर्ट में वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए पेश हुए. सीबीआई ने बताया कि गवाह मनमोहन कौर को बयान दर्ज करने के लिए समन तामील नहीं हो सका. सीबीआई ने मनमोहन कौर के अलावा दो पूर्व पुलिसकर्मियों धर्म चंद्रशेखर और रवि शर्मा को समन जारी करने की मांग की. उसके बाद कोर्ट ने तीनों गवाहों को 2 दिसंबर को कोर्ट में पेश होने का आदेश दिया.

बता दें कि 12 नवंबर को इस मामले की शिकायतकर्ता लखविंदर कौर का क्रास-एग्जामिनेशन किया गया था. जगदीश टाइटलर की ओर से अनिल कुमार शर्मा ने इस मामले की शिकायतकर्ता लखविंदर कौर का क्रास-एग्जामिनेशन किया. 3 अक्टूबर को इस मामले में शिकायतकर्ता लखविंदर कौर ने अपना बयान दर्ज कराया था. लखविंदर कौर ने कहा था कि ग्रंथी सुरेंदर सिंह ने उन्हें बताया कि उनके पति बादल सिंह को गुरुद्वारा पुलबंगश के पास भीड़ ने हत्या कर दी. जगदीश टाइटलर उस भीड़ को उकसा रहे थे और कह रहे थे कि सिखों को मार दो, उजाड़ दो, गुरुद्वारा को आग लगा दो.

कोर्ट ने ट्रायल की कार्यवाही पर रोक लगाने से किया था इनकार : टाइटलर ने राऊज एवेन्यू की ओर से आरोप तय करने के आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी है जो अभी लंबित है. हाईकोर्ट ने 11 नवंबर को राऊज एवेन्यू कोर्ट में ट्रायल की कार्यवाही पर रोक लगाने से इनकार करते हुए कहा था कि उनके खिलाफ हत्या का मुकदमा चलेगा. जगदीश टाइटलर ने 13 सितंबर को राऊज एवेन्यू कोर्ट में अपने खिलाफ लगाए गए आरोपों से इनकार कर दिया था.टाइटलर ने कोर्ट से कहा था कि वे ट्रायल का सामना करेंगे.

1984 से 2022-23 तक इस मामले में कोई गवाह नहीं होने की दलील : कोर्ट ने 30 अगस्त को टाइटलर के खिलाफ आरोप तय करने का आदेश दिया था. कोर्ट ने टाइटलर के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 147, 149, 153अ, 188, 109, 295, , 380, 302 के तहत आरोप तय करने का आदेश दिया था. सुनवाई के दौरान जगदीश टाइटलर की ओर से पेश वकील मनु शर्मा ने कहा था कि सीबीआई ने इस मामले में दो क्लोजर रिपोर्ट दाखिल की थी. उन्होंने कहा कि 2009 में सह-आरोपी सुरेश कुमार पानेवाला के खिलाफ चार्जशीट दाखिल किया गया था जिसे ट्रायल कोर्ट ने बरी कर दिया. मनु शर्मा ने कहा कि 1984 से 2022-23 तक इस मामले में कोई गवाह नहीं था. इतने लंबे समय बाद बनाए गए गवाहों पर भरोसा कैसे किया जा सकता है.

4 अगस्त 2023 को जगदीश टाइटलर को मिली थी अग्रिम जमानत : 4 अगस्त 2023 को राऊज एवेन्यू कोर्ट के सेशंस कोर्ट ने जगदीश टाइटलर को अग्रिम जमानत दी थी. कोर्ट ने 26 जुलाई 2023 को जगदीश टाइटलर के खिलाफ दाखिल चार्जशीट पर संज्ञान लिया था. सीबीआई ने इस मामले में टाइटलर के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 147, 109 और 302 के तहत लगाया है. सीबीआई के मुताबिक टाइटलर ने भीड़ को उकसाया था. जिसके बाद भीड़ ने पुलबंगश के गुरुद्वारे में आग लगा दिया था.

हत्या के प्रयास के मामले में वांछित गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली के खजूरी खास थाना क्षेत्र में हत्या के प्रयास के मामले में वांछित आरोपित खजूरी खास निवासी अरमान उर्फ शोएब उर्फ बोगा (25) को दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार किया है। वह अपनी गिरफ्तारी से बचने के लिए अगस्त 2024 से छिप रहा था। जांच में पता चला है कि आरोपित पहले से डकैती, झपटमारी, चोरी आदि के 09 मामलों में शामिल रहा है। क्राइम ब्रांच के डीसीपी संजय सेन के अनुसार क्राइम ब्रांच वांछित आरोपितों की धरपकड़ के लिए लगातार अभियान चला रही है। इस बीच पुलिस को सूचना मिली कि 12 अगस्त को खजूरी खास इलाके में हत्या के प्रयास के मामले में शामिल अरमान उर्फ शोएब पानीपत आने वाला है। सूचना को पुख्ता कर पुलिस टीम ने इलाके में जाल बिछाकर आरोपित को दबोचा। जांच में पता चला कि 12 अगस्त को आरोपित अरमान ने अपने साथियों के साथ मिलकर अपने चचेरे भाई की हत्या का बदला लेने के लिए नईम उर्फ कल्लू की बेरहमी से पीट-पीट कर हत्या कर दी थी। उसके साथियों को स्थानीय पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था लेकिन उक्त मामले का मास्टरमाइंड अरमान तब से फरार था।

इनामी बदमाश को क्राइम ब्रांच ने दबोचा

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने गोविंदपुरी में हुई हत्या मामले में शामिल एक इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया है। आरोपी मामला दर्ज होने के बाद करीब डेढ़ साल से फरार चल रहा था। इसके कब्जे से पुलिस ने एक पिस्तौल और दो कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस के हत्थे चढ़ा बदमाश विनय कुमार उर्फ बिन्नू उर्फ वरुण दिल्ली के तुगलकाबाद का रहने वाला है। पैसे के लेन-देन को लेकर वर्ष 2023 में विनय ने अनस नाम के शख्स को गोली मार दी थी।

विकासपुरी क्रिकेट कोचिंग सेंटर ने दिल्ली स्कूल स्टेट (अंडर 17) ,गेम्स में प्रथम स्थान प्राप्त किया

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

विकासपुरी क्रिकेट कोचिंग सेंटर में चल रहे दिल्ली स्कूल स्टेट गेम्स (अंडर 17) में जोन 18 ने जोन 17 को हराकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। टूनार्मेंट में सकारात्मक बात यह रही की जॉन 18 से खेलने वाले अधिकतर प्रतियोगी जी ब्लॉक विकासपुरी सरकारी स्कूल/क्रीड़ा केंद्र से थे।

इसके साथ ही जोऩ 18 ने अंडर 14 प्रतियोगिता में भी प्रथम स्थान प्राप्त किया। पिछले वर्ष दिल्ली (अंडर-17) क्रिकेट टीम ऑल इंडिया स्कूल नेशनल गेम्स में प्रथम स्थान पर रही थी।

पर्यावरण मंत्री ने देर रात सिंघु बॉर्डर पर जाकर ग्रेप 4 के कार्यान्वयन का निरीक्षण किया

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने शुक्रवार देर रात नरेला और सिंघु बॉर्डर पर जाकर ग्रेप 4 के कार्यान्वयन का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि कई जगह से ग्रेप 4 के नियमों के उल्लंघन की शिकायत मिल रही थी। इसलिए आज हम यहां देखने आए हैं कि रात में क्या स्थिति है। प्रदूषण के नियंत्रण के लिए दिल्ली सरकार अपने स्तर पर सारे प्रयास कर रही है। निरीक्षण के दौरान गोपाल राय ने कहा कि दिल्ली में प्रदूषण कम करने के लिए आम आदमी पार्टी की सरकार लगातार काम कर रही है। अभी दिल्ली के अंदर ग्रेप 4 लागू है। दिल्ली में बीएस 3 और बीएस 4 की गाड़ियों और ट्रकों की एंट्री पर बैन है। कई जगह से ग्रेप 4 के नियमों के उल्लंघन की शिकायत मिल रही थी। इसलिए आज हम यहां देखने आए हैं कि रात में क्या स्थिति है। जो लोग नहीं मानते हैं उन लोगों का चालान भी किया जा रहा है। मैं सभी लोगों से यही अपील करना चाहता हूं कि चाहे वो ड्राइवर हो या ट्रक मालिक हों, दिल्ली के अंदर प्रदूषण की रोकथाम के लिए इन गाड़ियों की एंट्री बैन है, इसलिए इस तरह की गाड़ियां न भेजें। ईस्टर्नल पैरिफेरल एक्सप्रेसवे से गाड़ियों को डायवर्ट कर लें, ताकि दिल्ली में प्रदूषण के स्तर में कमी लाई जा सके।

ईंधन के प्रकार की पहचान के लिए वाहन पर लगाना होगा स्टीकर

नई दिल्ली। दिल्ली की सड़कों पर दौड़ने वाले वाहनों को अब अपने वाहन पर ईंधन के प्रकार की पहचान के लिए स्टीकर लगाना होगा। इसके लिए परिवहन विभाग की ओर से नोटिस जारी किया गया है। अधिकारियों ने बताया दिल्ली में वाहन मालिकों को अब क्रोमियम-आधारित होलोग्राम स्टिकर लगाना अनिवार्य होगा। स्टिकर जांच के दौरान वाहन के ईंधन के प्रकार को पहचानने में मदद करेगा। यह नियम एक अप्रैल, 2019 से खरीदे गए नए वाहनों और 31 मार्च, 2019 से पहले पंजीकृत पुराने वाहनों दोनों पर लागू होगा। वाहन की विंडस्क्रीन पर स्टीकर चिपकाना होगा। पुराने वाहनों के मालिकों को स्टिकर लगाने के लिए अपने संबंधित वाहन डीलरों से संपर्क करना होगा। इसके अलावा सोसाइटी आफ इंडियन आटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (एसआइएएम) की वेबसाइट या परिवहन विभाग के पोर्टल के माध्यम से ईंधन-आधारित रंग-कोडित स्टीकर के साथ-साथ हाई-सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट (एचएसआरपी) को अपने घर पर लगवाने के लिए आनलाइन बुकिंग की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। जिन वाहनों में स्टीकर नहीं होगा उन पर कार्रवाई की जाएगी। स्टीकर में पंजीकरण संख्या, एक लेजर-ब्रांडेड पिन और वाहनों के इंजन व चेसिस नंबर जैसे विवरण होंगे।

मांगेराम गर्ग के जन्म जयंती पर दीपचंद बंधु अस्पताल में बाटे फल

नई दिल्ली भारतीय जनता पार्टी दिल्ली प्रदेश के पूर्व अध्यक्ष मांगेराम गर्ग को उनके जयंती पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई।

इस अवसर पर हवन, भंडारा व दीपचंद बंधु अस्पताल अशोक विहार में फल वितरण किया गया। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी दिल्ली प्रदेश के महामंत्री व सांसद योगेंद्र चंदोलिया ने कहा कि मांगेराम गर्ग श्रेष्ठतम सेवा व्रर्ती थे, वे बाल काल में समालखा रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को पानी पिलाना हो या फिर युवावस्था में विनोवा भावे के सानिध्य में स्वालंबन आंदोलन में अग्रणी भूमिका के रूप में कार्य करते हुए घरों से शौच साफ करना, प्रौढ़ावस्था में समाज व राष्ट्र के सर्वांगीण विकास हेतु सैकड़ों संस्थाओं का सृजन, समाज हित में सदैव समर्पित रहने का भाव जीवंत उदाहरण है।

उनका जीवन एकाग्रता और निष्ठा से परिपूर्ण समाज और राष्ट्र के कल्याण, उन्नति और विकास के लिए समर्पित रहा। बाऊजी श्रेष्ठ संगठक थे। उनके नेतृत्व में दिल्ली की सातों लोकसभा सीटों पर पहली बार हमने विजय का परचम फहराया। उन्होंने अपने सुक्ष्म प्रबंधन कला से दिल्ली में बुथ समिति के कार्यकताओं को प्रत्येक घर के प्रत्येक व्यक्ति के दुख सुख का सहभागी होने की प्रेरणा दी।

सतीश गर्ग कोषाध्यक्ष भाजपा दिल्ली प्रदेश ने बाऊजी को प्रेरणादायक बताया। कार्यक्रम में जिला केशव पुरम भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र गोयल, डॉ महेंद्र नागपाल, योगेश वर्मा, अजय खटाना, देवराज, अजय शर्मा, सुरेश भारद्वाज, उमाकांत, प्रवेश टोनी, गीता गुलाटी समेत अनेक गणमान्य लोग उपस्थित हुए।

प्रेमी से शादी करने के लिए अपनी ही बच्ची को उतारा मौत के घाट

नई दिल्ली। उत्तर पश्चिमी जिले के अशोक विहार इलाके में एक दिल दहलाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक मां ने अपनी पांच साल की बेटी की गला घोंटकर हत्या कर दी। गुरुवार शाम बच्ची को गंभीर हालत में दीपचंद बंधु अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने बच्ची को मृत घोषित कर दिया। अस्पताल ने मामले की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलने पर पुलिस अस्पताल पहुंची। जांच में बच्ची के गले पर निशान मिले। बच्ची की मां और कुछ रिश्तेदारों को पुलिस ने हिरासत में लिया।

पुलिस ने जब बच्ची की मां से सख्ती से पूछताछ की तो वह टूट गई। महिला ने स्वीकार किया कि उसने अपनी बेटी की गला घोंटकर हत्या की। उसने बताया कि उसके पहले पति ने उसे छोड़ दिया था और कुछ दिन पहले ही वह दिल्ली आई थी। उसके दिल्ली आने का कारण एक व्यक्ति से शादी करना था, जिसके साथ उसकी पहचान इंस्टाग्राम के माध्यम से हुई थी। पूछताछ के दौरान यह भी सामने आया कि जिस व्यक्ति से महिला शादी करना चाहती थी, उसके परिवार ने बच्ची को अपनाना नहीं चाहा और शादी से इनकार कर दिया। जांच में पता चला कि दिल्ली आने से पहले आरोपित मां अपने एक रिश्तेदार के साथ हिमाचल प्रदेश में रहती थी। इस दौरान रिश्तेदार ने बच्ची का यौन शोषण किया। पुलिस ने हत्या और पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आरोपित मां को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस बच्ची के साथ यौन शोषण करने वाले रिश्तेदार की गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही है।

दाखिला मानकों में नेबरहुड को 20-70 तक अंक

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली के निजी स्कूलों में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए नर्सरी, केजी, व पहली कक्षा में दाखिले की रेस 28 नवंबर से शुरू होनी है। स्कूलों ने दाखिले के लिए अपने-अपने मानकों को तैयार कर जारी करना शुरू कर दिया है। अधिकतर स्कूलों ने अपने मानकों में नेबरहुड को सबसे अधिक प्राथमिकता दी है। सौ अंकों के दाखिला फॉमूर्ले में नेबरहुड मानक को को 20-70 अंक दिए हैं। जबकि एकल कन्या, एल्युमिनी, सिबलिंग मानकों को भी शामिल किया है।

वहीं स्कूल शिक्षा निदेशालय की ओर से लिंक नहीं खुलने के कारण अपने मानक अपलोड नहीं कर पा रहे हैं। मयूर विहार स्थित विद्या बाल भवन स्कूल ने अपने सौ अंकों के फॉमूर्ले में नेबरहुड, सिबलिंग, एल्युमिनी(वार्ड), को मानकों में शामिल किया है। नेबरहुड के लिए स्कूल ने तीन श्रेणी 0-1 किलोमीटर, एक से आठ किलोमीटर, व आठ किलोमीटर से अधिक की श्रेणी बनाई है। पहली श्रेणी के लिए 70 अंक, दूसरी के लिए 60 अंक व तीसरी के लिए 50 अंक रखे हैं।

जबकि सिबलिंग (बच्चे के भाई-बहन) के लिए 20, एल्युमिनी (पूर्व छात्र) के लिए 10 अंक रखे हैं। इस तरह से यदि किसी बच्चे की स्कूल से घर की दूरी 0-1 किलोमीटर की है तो उसे सीधे-सीधे 70 अंक मिल जाएंगे। इस तरह से उसे दाखिले में लाभ मिल सकता है। स्कूल ने मानक अपलोड करने पर कहा कि शनिवार सुबह तक शिक्षा निदेशालय के लिंक पर मानकों को अपलोड करने का प्रयास किया लेकिन अभी शायद लिंक खोला नहीं गया है।

किमी से कम और अधिक की श्रेणी बनाई

द्वारका स्थित मार्डन कॉन्वेंट स्कूल के नेबरहुड के लिए दो श्रेणी 0-8 किलोमीटर, व आठ किलोमीटर से अधिक की श्रेणी बनाई है। जिसके लिए 60 व 50 अंक तय किए हैं। सिबलिंग, एल्युमिनी व स्टाफ के लिए 30 अंक, गर्ल चाइल्ड व पहले बच्चे के लिए 10 अंक तय किए गए हैं। इसी तरह से अलकनंदा स्थित डॉन बॉस्को स्कूल में स्टॉफ चाइल्ड की दो किलोमीटर की दूरी के लिए 40, नेबरहुड मानक के तहत पांच किलोमीटर तक के लिए 20, पांच से सात किलोमीटर के लिए 7, सात से ज्यादा की दूरी के लिए पांच अंक तय किए हैं। सिबलिंग के लिए 15, एल्युमिनी के लिए 25 अंक तय किए हैं।

डीयू में अगले माह खुलेंगे रोजगार के द्वार

नई दिल्ली । दिल्ली विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2024-25 के तहत छात्रों के लिए अगले माह रोजगार पाने के दरवाजे खुलने जा रहे हैं। डीयू का सेंट्रल प्लेसमेंट सेल डीन स्टूडेंट वेलफेयर के तत्वावधान में दो दिवसीय जॉब मेला आयोजित करेगा। चार व पांच दिसंबर को आयोजित होने वाले इस मेले में छात्रों को प्लेसमेंट व इंटर्नशिप प्राप्त करने का मौका मिलेगा। इसके लिए छात्र व नौकरी की पेशकश करने की इच्छुक कंपनियां 26 नवंबर तक पंजीकरण करा सकती हैं। इस दौरान छात्रों को कम से कम साढ़े तीन लाख सैलरी पैकेज की पेशकश होगी। यह इस सत्र का पहला जॉब मेला है। इसमें 20 से अधिक कंपनियों के पहुंचने की संभावना है। सेंट्रल प्लेसमेंट सेल (सीपीसी) से जुड़े अधिकारी के अनुसार इस जॉब मेले में छात्रों को कंपनियों के समक्ष उपस्थित होने का मौका मिलेगा। 26 नवंबर तक कंपनियों को पंजीकरण कराना है। इसमें ना केवल छात्रों को नौकरी की पेशकश होगी बल्कि व इंटर्नशिप भी प्राप्त कर सकेंगे। डीयू का प्रयास है कि इस जॉब मेले के माध्यम से ज्यादा से ज्यादा छात्रों को नौकरी और इंटर्नशिप प्राप्त करने के अवसर मिलें।

दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी द्वारा गुरु हरकृष्ण पब्लिक स्कूलों के बारे में अफवाह फैलाने को लेकर पुलिस में आपराधिक शिकायत दर्ज

सरना भाइयों ने साजिश के तहत गुमराह करने वाला प्रचार किया: हरमीत सिंह कालका

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने गुरु हरकृष्ण पब्लिक स्कूलों के बारे में अफवाहें फैलाने वालों के खिलाफ गहन जांच कर कार्रवाई करने के मामले की शिकायत दिल्ली पुलिस में दर्ज करवाई है और कहा है कि कमेटी के पूर्व प्रधान सरना भरा कौम की संस्थाओं को बदनाम करने की साजिश रच रहे हैं। आज यहां एक प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए कमेटी के प्रधान सरदार हरमीत सिंह कालका और जनरल सेक्रेटरी सरदार जगदीप सिंह काहलों ने बताया कि दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी द्वारा गुरु हरकृष्ण पब्लिक स्कूलों को बहुत ही सुव्यवस्थित तरीके से चलाया जा रहा है और 7वें वेतन आयोग की रिपोर्ट भी स्टाफ के लिए लागू कर दी गई है। उन्होंने बताया कि हाल ही में कमेटी को एक ईमेल प्राप्त हुई थी जिसमें दिल्ली पब्लिक स्कूल इंटरनेशनल सोसाइटी (डी पी आई एस) से गुरु हरकृष्ण पब्लिक स्कूलों का प्रबंध संभालने की बात की गई थी। उन्होंने कहा कि हमने कभी भी इस सोसाइटी या किसी अन्य सोसाइटी को गुरु हरकृष्ण पब्लिक स्कूल सौंपने का प्रस्ताव नहीं दिया। उन्होंने बताया कि जब हमने गहन जांच की तो सामने आया कि एडवोकेट कुलजीत सिंह सचदेवा, जगमिंदर सिंह बेदी और जसवंत कौर, जिनके साथ पहले से ही कमेटी का कोर्ट में केस चल रहा है, द्वारा इस संबंध में खबरें प्रकाशित करवाई गई हैं। उन्होंने बताया कि गहन जांच में यह पता चला कि उक्त वकील जो डी पी आई एस के कानूनी सलाहकार हैं, पहले से ही गुरु हरकृष्ण पब्लिक स्कूल के उन स्टाफ सदस्यों के वकील हैं जिनके खिलाफ केस चल रहे हैं।

उन्होंने कहा कि हमने अब दिल्ली पब्लिक स्कूल की प्रबंधन को भी ईमेल भेजकर पूछा है कि क्या यह प्रस्ताव आपने भेजा है और यदि भेजा है तो किसके कहने पर भेजा है। उन्होंने कहा कि हमने इस मामले में पुलिस को शिकायत दी है और मामले की गहन जांच कर एफ आई आर दर्ज करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि असलियत यह है कि इन वकीलों को सरना भरा हर महीने केस लड़ने के लिए पैसे देते हैं और सरना भरा ही कमेटी और गुरु हरकृष्ण पब्लिक स्कूलों की बदनामी के लिए प्रयत्न शील है। उन्होंने कहा कि जब भी नवंबर से जनवरी तक स्कूलों में दाखिले का समय होता है तो सरना भरा और उनके नए साथी मंजीत सिंह जी.के. दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी और गुरु हरकृष्ण पब्लिक स्कूलों तथा कौम की अन्य संस्थाओं के खिलाफ झूठा प्रचार करते हुए नजर आते हैं। उन्होंने कहा कि असलियत यह है कि दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी गुरु हरकृष्ण पब्लिक स्कूलों को बहुत अच्छे तरीके से चला रही है और ये स्कूल एक बार फिर से कौम की तरक्की का प्रतीक साबित होने वाले हैं, जो बात हमारे राजनीतिक विरोधियों को बर्दाश्त नहीं हो रही है, जिनके खिलाफ गोलक चोरी और कौम की संस्थाओं को बेचने के आरोप लगे हुए हैं। उन्होंने कहा कि हम इस झूठे प्रचार अभियान की तह तक जाएंगे और दोषियों को सजा दिलवाकर ही दम लेंगे।

दिल्ली में कांस्टेबल का हत्यारा पकड़ा गया, पुलिस ने मुठभेड़ के बाद बदमाश को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

गोविंदपुरी थाने में तैनात कांस्टेबल किरण पाल की देर रात पेट्रोलिंग के दौरान चाकू मारकर हुई हत्या के मामले में क्राइम ब्रांच की टीम ने एक बदमाश को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया है. दोनों तरफ से कई राउंड गोली चली, बदमाश के पैर में गोली लगी, उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है. उसकी पहचान दीपक के रूप में हुई है. मौके पर क्राइम ब्रांच के डीसीपी संजय सेन भी पहुंच गए.

आरोपियों को दबोचने के लिए टीम का गठनः डीसीपी संजय सेन ने बताया कि वारदात की जानकारी मिलने के बाद क्राइम ब्रांच नॉर्दर्न रेंज की टीम भी इन बदमाशों के बारे में पता लग रही थी. एसीपी उमेश बर्थवाल की देखरेख में इंस्पेक्टर रामपाल, सब इंस्पेक्टर अमित, हेमंत, प्रमोद, मुकेश, सहायक सब इंस्पेक्टर नरेंद्र, संजय, अमित गुलिया, अमित सिंधु, हेड कांस्टेबल धर्मेंद्र, सिद्धार्थ और पंकज की टीम ने गोविंदपुरी डीडीए फ्लैट इलाके में ट्रैप लगाया. जहां पर इस शातिर बदमाश दीपक के बारे में जानकारी मिली थी.

मुठभेड़ में आरोपी हुआ घायलः दीपक ने अपने आप को पुलिस टीम से घिरता हुआ देख भागने के लिए गोली चलाना शुरू कर दी. पुलिस ने सरेंडर करने के लिए कहा, हवा में फायर किया. लेकिन जब बदमाश पुलिस टीम पर गोली चलाना बंद नहीं किया तो जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने गोली चलाकर उसे घायल कर दिया, और उसे वहीं पर दबोच लिया. अब पुलिस टीम आगे इस मामले में बाकी दो और फरार बदमाशों का पता लग रही है. जिससे कि जल्द से जल्द उन्हें पकड़ा जा सके. अभी तक की पूछताछ में यही पता चला है कि तीन बदमाशों ने कांस्टेबल किरण पाल को पेट्रोलिंग के दौरान पूछताछ करने पर उसके ऊपर हमला कर दिया था. जिसमें चाकू लगने की वजह से उसकी मौत हो गई थी.

कांस्टेबल की हत्या पर कांग्रेस नेता की प्रतिक्रिया शनिवार को बीट पेट्रोलिंग के दौरान कुछ बदमाशों द्वारा गोविंदपुरी थाने में तैनात 28 वर्षीय कांस्टेबल किरण पाल की चाकू मार कर हत्या कर दी गई. कांस्टेबल की हत्या के बाद दिल्ली में एक बार फिर सुरक्षा व्यवस्थाओ पर सवाल उठ रहे हैं, जहां एक तरफ कल शुक्रवार को गृहमंत्री अमित शाह ने सुरक्षा व्यवस्थाओं को लेकर बैठक की थी, उसके अगले ही दिन दिल्ली पुलिस में तैनात कांस्टेबल की हत्या कर दी गई. गोविंदपुरी इलाके में कांस्टेबल किरण पाल की बदमाशों के द्वारा चाकू मार कर हत्या कर दी गई. इस मामले पर दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि दिल्ली की सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरीके से चरमराई हुई है, चाहे आम लोगों की सुरक्षा हो या फिर महिलाओं पर बढ़ते उत्पीड़न के मामले हो. अभी दिल्ली पुलिस के कांस्टेबल को मार दिया गया है, दिल्ली में जो अभी चल रहा है राम भरोसे चल रहा है.

गुरू हरिक्रिशन स्कूलों के प्रबंधन में बदलाव की आशंकाओं के पीछे गुजरात कनेक्शन आया सामने

पंथक स्कूलों को गुजराती सोसायटी को देने के खेल के पीछे दिल्ली कमेटी प्रबंधकों की छिपी मंशा: जीके

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

गुरू हरिक्रिशन पब्लिक स्कूलों की प्रशासनिक और संरचनात्मक सुविधाएं दिल्ली पब्लिक स्कूल इंटरनेशनल सोसाइटी को देने के बारे में कल प्रकाशित हुई खबरों पर आज अकाली नेताओं ने मीडिया को संबोधित किया।शिरोमणी अकाली दल की राष्ट्रीय कोर कमेटी के सदस्य और दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के पूर्व अध्यक्ष मनजीत सिंह जीके ने इस मामले में दिल्ली कमेटी प्रबंधन की कथित दुर्भावना और लापरवाही का जिक्र किया। जीके ने दावा किया कि गुरू हरिक्रिशन पब्लिक स्कूलों को दिल्ली पब्लिक स्कूल इंटरनेशनल सोसाइटी के साथ जोड़ने के स्कूल स्टाफ और उनके वकीलों द्वारा जारी किए गए स्वागती ब्यान अखबारों में गुप्त उद्देश्य के तहत प्रकाशित करवाएं गए थे। लेकिन जब संगत ने इस गठबंधन के खिलाफ नाराजगी की तो आज दिल्ली कमेटी के अध्यक्ष हरमीत सिंह कालका स्कूल स्टाफ को कारण बताओ नोटिस देने और वकीलों के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराने की बात कर रहे हैं। जीके ने जानकारी देते हुए बताया कि दिल्ली पब्लिक स्कूल इंटरनेशनल सोसायटी का मालिक गुजरात के अंकलेश्वर का रहने वाला विजय कुमार उत्तम भाई पवार हैं। तो कालका हमें यह बताएं कि गुरू हरिक्रिशन पब्लिक स्कूल और उनके खास स्टाफ सदस्यों और कालका के दफ्तर के गुजरात कनेक्शन का सच क्या है? क्योंकि कालका ने पंथक स्कूलों को संभालने के गुजराती सोसायटी के प्रस्ताव का स्वागत करने वाले उक्त स्टाफ को पिछले समय तरक्की देकर निवाजा था। अब गुजराती सोसायटी द्वारा आपके दफ्तर को भेजी गई कथित पेशकश की ईमेल आपके खास स्टाफ तक कैसे पहुंच गई ? जीके ने खुलासा किया कि यह गुजराती सोसायटी मूल दिल्ली पब्लिक स्कूल सोसायटी नहीं है, लेकिन इन दोनों सोसायटी के बीच ट्रेडमार्क और लोगो की लेकर कानूनी लड़ाई चल रही है। जीके ने 12 गुरू हरिक्रिशन पब्लिक स्कूलों की वित्तीय सेहत के बारे ह्लसेठी और मेहरा चार्टर्ड अकाउंटेंटह्व द्वारा दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश पर तैयार की गई फॉरेंसिक ऑडिट रिपोर्ट का विवरण जारी करते हुए इस रिपोर्ट को आधारहीन बताया। जीके ने कहा कि दिल्ली हाईकोर्ट ने सभी 12 स्कूलों, सोसायटी और डीएसजीएमसी के पिछले तीन वर्षों के खातों की फोरेंसिक ऑडिट का आदेश दिया था। लेकिन इस कथित फोरेंसिक ऑडिट में सभी खातों का ऑडिट करने के बजाय 12 स्कूलों और सोसायटी के पिछले ऑडिट का ही है ऑडिट किया गया है। हालांकि इस कथित फोरेंसिक ऑडिट से स्कूलों की खराब वित्तीय स्थिति का पता तो चलता है, लेकिन उन खराब स्थितियों के कारणों और उपायों के बारे में जानकारी नहीं मिलती है। साथ ही दिल्ली कमेटी के खातों का फॉरेंसिक ऑडिट भी नहीं किया गया है। यह फोरेंसिक ऑडिट रिपोर्ट दिल्ली कमेटी द्वारा दिए गए पैसे को अनुदान के साथ-साथ ऋण के रूप में भी दिखा रही है। जबकि अनुदान वापसी योग्य नहीं होता है। यदि ये स्कूलों को दिया जाने वाला अनुदान था तो ये ऋण कैसे हो सकता है? यदि यह ऋण है तो अनुदान कैसे हो सकता है? जीके ने इस कथित फॉरेंसिक ऑडिट रिपोर्ट का जिक्र करते हुए कहा कि कई स्कूलों की फीस वसूली और स्टाफ की सैलरी पर 100 से 373 फीसदी तक ज्यादा अनुपात सामने आया है। इस 1 रुपये की आय पर 3.75 रुपये के स्टाफ वेतन खर्च वाले स्कूलों में कालकाजी स्कूल का होना यह साबित करता है कि प्रधान साब ने अपने क्षेत्र से वोट पाने के लिए कालकाजी स्कूल को घाटे का कारखाना बना दिया है। इस मौके पर दिल्ली कमेटी के सदस्य करतार सिंह विक्की चावला, जतिंदर सिंह सोनू और अकाली दल के पूर्व राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. परमिंदर पाल सिंह ने भी कुछ तकनीकी बातें मीडिया से सांझा की। इस मौके पर दिल्ली कमेटी सदस्य परमजीत सिंह राणा, महिंदर सिंह, पूर्व कमेटी सदस्य हरजिंदर सिंह, अकाली नेता विक्रम सिंह, बाबू सिंह दुखिया, बख्शीश सिंह, हरविंदर सिंह और गुरजीत सिंह आदि मौजूद रहें।

कांस्टेबल का मर्डर करने वाले बदमाश के साथ मुठभेड़

क्राइम ब्रांच की टीम ने गोविंदपुरी इलाके में एक को दबोचा

संवाददाता

गोविंदपुरी थाने में तैनात कांस्टेबल किरणपाल की देर रात पेट्रोलिंग के दौरान चाकू मारकर हुई हत्या के मामले में क्राइम ब्रांच की टीम ने एक बदमाश को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया है। दोनों तरफ से कई राउंड गोली चली, बदमाश के पैर में गोली लगी, उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसकी पहचान दीपक के रूप में हुई है। मौके पर क्राइम ब्रांच के डीसीपी संजय सेन भी पहुंच गए। उन्होंने बताया कि वारदात की जानकारी मिलने के बाद क्राइम ब्रांच नॉर्दर्न रेंज की टीम भी इन बदमाशों के बारे में पता लग रही थी। एसीपी उमेश बर्थवाल की देखरेख में इंस्पेक्टर रामपाल, सब इंस्पेक्टर अमित, हेमंत, प्रमोद, मुकेश, सहायक सब इंस्पेक्टर नरेंद्र, संजय, अमित गुलिया, अमित सिंधु, हेड कांस्टेबल धर्मेंद्र, सिद्धार्थ और पंकज की टीम ने गोविंदपुरी डीडीए फ्लैट्स इलाके में ट्रैप लगाया। जहां इस शातिर बदमाश दीपक के बारे में इनफार्मेशन मिली थी। दीपक ने अपने आप को पुलिस टीम से घिरता हुआ देख भागने के लिए, गोली चलाने शुरू कर दी। पुलिस ने सरेंडर करने के लिए, कहा पर हवा में फायर किया। लेकिन जब बदमाश पुलिस टीम पर गोली चलाना बंद नहीं किया तो जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने गोली चलाकर उसे घायल किया और उसे वहीं पर दबोच लिया। अब पुलिस टीम आगे इस मामले में बाकी दो और फरार बदमाशों का पता लग रही है। जिससे कि जल्द से जल्द उन्हें पकड़ा जा सके। अभी तक की पूछताछ में यही पता चला है कि तीन बदमाशों ने कांस्टेबल किरणपाल को पेट्रोलिंग के दौरान पूछताछ करने पर उसके ऊपर हमला कर दिया था। जिसमें चाकू लगने की वजह से उसकी मौत हो गई थी।

बिहटा के विष्णुपुरा गांव में कल सड़क दुघर्टना में चार बच्चों का दर्दनाक मौत

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

बिहटा के विष्णुपुरा गांव में कल सड़क दुघर्टना में चार बच्चों का दर्दनाक मौत के उपरांत आज पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सांसद रामकृपाल यादव एवं भाजपा नेता निखिल आनंद एवं भाजपा नेता भाई सनोज यादव गांव पर मृतक के परिजनों से घर पर जाकर एवं मिलकर पीड़ित परिवार को सांत्वना दिया और वहीं से घायल बच्चों को एरकँङ्क्ष्रस्न्रइ’ में देखने पहुंचे और वहां के डायरेक्टर को बेहतर इलाज हेतु करने को कहा।

पूर्व केंद्रीय मंत्री रामकृपाल यादव ने अधिकारियों से फोन पर बात कर सड़क जाम एवं तेज गति में बड़ी गाड़ी सड़क पर चलती है ऐसे गाड़ीयों पर गति सिमा तय किया जाए और कुछ घणी आबादी वाले गांवों के नजदीक में ब्रेकर लगने से सड़क दुघर्टना में कमी आएगी और समय-समय पर चौक चौराहों पर पुलिस प्रशासन की तैनाती करे पुलिस प्रशासन। पूर्व सांसद रामकृपाल यादव ने कहा कि यह घटना हृदय को झंझोड़ कर दिया है मैं स्थानीय ग्रामीणों एवं पीड़ित परिवार के बातों की जो मांगा रखें है बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एवं उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी एवं विजय सिन्हा के समकक्ष मिलकर रखेंगे मुआवजा राशि शीघ्र ही मृतक के परिजनों को समय पर मिल सके।

इस मौके पर प्रदेश प्रवक्ता निखिल आनंद, प्रदेश भाजपा नेता एवं मिडिया प्रभारी भाई सनोज यादव, मंडल अध्यक्ष मनोज सिंह, उमेश यादव, सुधांशु सिंह सहित सैकड़ों कार्यकर्ता एवं स्थानीय लोग उपस्थित थे।

रानी बाग गोल्ड चेन लूट में महीने भर से चल रहा था फरार

संवाददाता

बाहरी जिला के स्पेशल स्टाफ की पुलिस टीम ने गोल्ड चेन लूट के मामले में एक महीने से फरार चल रहे आरोपी को आखिरकार दबोच लिया है। इसकी पहचान जयदीप के रूप में हुई है। यह प्रेम नगर रोहिणी का रहने वाला है। डीसीपी सचिन शर्मा ने बताया कि 5 अक्टूबर को रानी बाग थाना इलाके में दो बदमाशों के द्वारा गोल्ड चेन लूटने की वारदात हुई थी। मोटरसाइकिल पर सवार बदमाशों ने वारदात को अंजाम दिया था।

उस मामले में लोकल पुलिस के द्वारा एक आरोपी आजाद खान उर्फ टकला को गिरफ्तार किया गया था। जबकि जयदीप उस समय से फरार चल रहा था। एसीपी ऑपरेशन नरेंद्र खत्री की देखरेख में इंस्पेक्टर रामकिशन की टीम इस आरोपी के बारे में लगातार टेक्निकल सर्विलांस और लोकल इंटेलीजेंस की मदद से पता लगाने में जुटी हुई थी। इसके बारे में आखिरकार सूचना मिलने पर गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे पहुंचा दिया।

स्पेशल स्टाफ ने ताबड़तोड़ मोबाइल छीनने वाले को दबोचा

16 मोबाइल बरामद और 13 मामलों का किया खुलासा

संवाददाता

साउथ डिस्ट्रिक्ट के स्पेशल स्टाफ की पुलिस टीम ने मोबाइल स्नैचिंग/चोरी की कई वारदात को अंजाम दे चुके दो शातिर आरोपी को गिरफ्तार किया है। इनके पास से 16 मोबाइल और एक मोटरसाइकिल बरामद किया गया है। इनकी गिरफ्तारी से अलग-अलग थानों के 13 मामलों का खुलासा किया गया है। जो हौज खास, महरौली, संगम विहार, तिगड़ी, नेब सराय, महरौली, अंबेडकर नगर इत्यादि थाना इलाकों में दर्ज थे। डीसीपी अंकित चौहान ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान कुणाल और योगेश के रूप में हुई है। यह दोनों संगम विहार इलाके के रहने वाले हैं। कुणाल पहले से सात और योगेश छह मामलों में शामिल रहा है। इंस्पेक्टर गिरीश चंद्र की देखरेख में सब इंस्पेक्टर दयानंद, हेड कांस्टेबल यशपाल, रोशन, अखिलेश, अनूप, पंकज, मनीष, अक्षय और कांस्टेबल संदीप पूनिया की टीम ने सीसीटीवी फुटेज की मदद से पता लगाया था। फिर इनको ट्रैप लगाकर हमदर्द नगर बस स्टैंड के पास से गिरफ्तार किया। तलाशी में 16 मोबाइल बरामद किए गए, जो साउथ डिस्ट्रिक्ट के अलग-अलग इलाकों से छीने गए थे और चुराए गए थे। मोटरसाइकिल तिगड़ी थाना इलाके से चोरी की निकली।

कैलिफोर्निया स्टेट असेंबली द्वारा सम्मानित करने पर- डॉ. संदीप मारवाह को बधाई दी

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नोएडा फिल्म सिटी के संस्थापक, मारवाह स्टूडियो के अध्यक्ष और एएफटी यूनिवर्सिटी के चांसलर डॉ. संदीप मारवाह को परियोजना (ह्लबी द लाइटह्व) में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए कैलिफोर्निया स्टेट असेंबली, यूएसए द्वारा सम्मानित किया गया है। कैलिफोर्निया राज्य विधानमंडल 46वें असेंबली डिस्ट्रिक्ट के असेंबली सदस्य जेसी गेब्रियल द्वारा हस्ताक्षरित प्रतिष्ठित सम्मान प्रमाण पत्र, दिया गया यह प्रमाण पत्र परियोजना की दूत और सह-आरंभकर्ता रूही (रोहिणी हक) द्वारा व्यक्तिगत रूप से भारत को दिया गया। यह प्रतिष्ठित सम्मान डॉ. मारवाह की होपब्लिट पहल के लिए ह्लअनगिनत समर्पित सेवा के को समर्पित है जो वैश्विक महिला सशक्तिकरण नेटवर्क के तहत एक वैश्विक परियोजना है, जिसे वंचित ग्रामीण क्षेत्रों में स्थायी ऊर्जा समाधान लाने के लिए डिजाइन किया गया है। इस परियोजना हाशिए पर पड़े समुदायों के लिए प्रगति, समानता और सशक्तिकरण का भी प्रतीक है। विधानसभा सदस्य जेसी गेब्रियल ने अपने बधाई संदेश में कहा, ह्लमैं शिक्षा के माध्यम से युवाओं को सशक्त बनाने के लिए आपका धन्यवाद करता हूँ। यह सम्मान वैश्विक क्षेत्र में डॉ. मारवाह की व्यापक सलाह और नेतृत्व को मान्यता देता है, विशेष रूप से बी द लाइट परियोजना के लिए एक राजदूत और सलाहकार के रूप में उनकी भूमिका में, होपब्लिट परियोजना के पीछे दूरदर्शी रूही (रोहिनी हक) ने डॉ. मारवाह की भागीदारी के लिए अपनी गहरी कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा, एक राजदूत और सलाहकार के रूप में, ह्लडॉ. संदीप मारवाह की सलाह और होपब्लिट में योगदान वास्तव में प्रेरणादायक है जो प्रगति और समानता का प्रतीक है। उनके ऊर्जामय योगदान व उनके नेतृत्व के लिए आभारी हैं !ह्व इस अवसर पर डॉ. संदीप मारवाह ने इस सम्मान के लिए रूही हक और विधानसभा सदस्य जेसी गेब्रियल को हार्दिक धन्यवाद दिया, उन्होंने कहा कि प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना एक बहुत बड़ा सम्मान है। मेरा मानना है कि शिक्षा और संधारणीय ऊर्जा समाधानों के माध्यम से हम समुदायों को सशक्त बना सकते हैं और अगली पीढ़ी के लिए बेहतर भविष्य बना सकते हैं। मैं कैलिफोर्निया स्टेट असेंबली से इस मान्यता के लिए बहुत आभारी हूँ।ह्व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध मीडिया व्यक्तित्व डॉ. मारवाह शिक्षा, सशक्तिकरण और सांस्कृतिक आदान-प्रदान की वकालत करते हुए कई वैश्विक पहलों में सबसे आगे रहे हैं। कैलिफोर्निया स्टेट असेंबली द्वारा उनकी मान्यता समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए उनकी अटूट प्रतिबद्धता का एक और प्रमाण है।

ठक-ठक गिरोह का बदमाश गिरफ्तार

नई दिल्ली। अंबेडकर नगर थाना पुलिस ने ठक-ठक गिरोह के सक्रिय सदस्य को गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान मदनगीर निवासी तृप्ति उर्फ सोनू (26) के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपित के पास से चार लाख रुपये बरामद किए है। पूछताछ के दौरान आरोपित ने खुलासा किया कि उसने अपने सहयोगी के साथ मिलकर थाना आदर्श नगर जयपुर राजस्थान से बैग में रखे 10 लाख रुपये चुराए थे। इस संबंध में थाना आदर्श नगर जयपुर में केस दर्ज किया गया था।

दक्षिण जिले के डीसीपी अंकित चौहान के अनुसार दक्षिण जिले के क्षेत्र में हुई चोरी के एक मामले की पुलिस जांच कर रही थी। जांच के दौरान पुलिस को आरोपित के बारे में पता चला। पुलिस ने आरोपित की तलाश शुरू की। इस बीच पुलिस को पता चला कि आरोपित जयपुर में छुपा हुआ है। पुलिस ने एक टीम को जयपुर भेजा। पुलिस टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर आरोपित को दबोचा। पुलिस ने आरोपित की निशानदेही पर चार लाख रुपये बरामद किए। जांच में पता चला कि आरोपित ठक-ठक गिरोह का सक्रिय सदस्य है। फिलहाल पुलिस आरोपित के अन्य साथियों की तलाश कर रही है।

आईपी यूनिवर्सिटी के बी फार्मा प्रोग्राम की अंतिम काउंसलिंग 26 नवंबर को

आईपी यूनिवर्सिटी के बी. फार्मा प्रोग्राम (कोड 133) की ऑफलाइन काउंसलिग यूनिवर्सिटी के द्वारका कैंपस में 26 नवंबर को आयोजित की जाएगी. उसी दिन दस्तावेज सत्यापन के उपरांत सीटों का आवंटन भी कर दिया जाएगा. इसकी काउंसलिंग में इस प्रोग्राम के लिए आयोजित सीईटी और सीयूईटी के सफल उम्मीदवार भाग ले सकते हैं. उसी दिन इस प्रोग्राम में दाखिले के लिए ऑनलाइन पंजीकरण भी किया जा सकता है. पंजीकरण के लिए यूनिवर्सिटी के कुलसचिव के पक्ष में निर्गत 5, 000 रुपए का बैंक ड्राफ़्ट साथ लाना है. काउन्सलिंग के दिन ही आवेदक को यूनिवर्सिटी के कुलसचिव के नाम से निर्गत 96, 000 रुपए का बैंक ड्राफ़्ट, सीईटी या सीयूईटी का एडमिट कार्ड और रैंक कार्ड और चार पासपोर्ट आकार के फोटो भी साथ लेकर आना है. इस प्रोग्राम मे कितनी सीटें उपलब्ध हैं इसका पता काउन्सलिंग के दिन ही चलेगा. यह प्रोग्राम यूनिवर्सिटी से संबद्ध डीआईआरडी और द्वारका कैम्पस में सेंटर ऑफ एक्सलेन्स इन फार्मसूटिकल साइंस में उपलब्ध है.

एमपीओ प्रोग्राम में 25 तक दाखिले के लिए आवेदन का मौका : आईपी यूनिवर्सिटी के मास्टर ऑफ प्रोस्थेटिक्स एंड ऑर्थोटिक्स (एमपीओ) (सीईटी कोड 109) प्रोग्राम में दाखिले के लिए 25 नवंबर तक आवेदन किया जा सकता है. इस प्रोग्राम में दाखिले के 28 नवंबर को यूनिवर्सिटी द्वारा प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जाएगा. उसी दिन इस प्रवेश परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया जाएगा और 29 नवंबर को प्रवेश परीक्षा के मेरिट के आधार पर दाखिले के लिए ऑफलाइन काउन्सलिंग शुरू हो जाएगी.बीपीओ प्रोग्राम में 50 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण होना आवश्यक : इस प्रोग्राम में दाखिले के लिए आवेदक का बीपीओ प्रोग्राम में 50 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण होना आवश्यक है. एमपीओ में 8 सीटें उपलब्ध हैं. यह प्रोग्राम अफि लीएटेड कॉलेज ह्यआईएसआईसी इन्स्टिटूट औफ रीहबिलिटेशन साइयन्सेजह्य वसंत कुंज में उपलब्ध है.

राजस्थान का पपला, दिल्ली में ग्रुप के साथ करता वारदात

स्कूटी और बाइक को टारगेट करके सीरीज में करता चोरी

संवाददाता

पंजाबी बाग थाना के मादीपुर पुलिस चौकी की टीम ने ऑटो लिफ्टिंग की वारदात को अंजाम देने वाले एक शातिर ऑटो लिफ्टर को गिरफ्तार किया है। जिसकी पहचान साबिर उर्फ पपला के रूप में हुई है। यह राजस्थान के भरतपुर का रहने वाला है। इसकी गिरफ्तारी से सराय रोहिल्ला और पंजाबी बाग थाना के 12 मामलों का खुलासा करने का दावा पुलिस ने किया है। इसके पास से पुलिस टीम ने चोरी की स्कूटी और कई मोटरसाइकिल बरामद किया गया है। डीसीपी विचित्र वीर के अनुसार ग्रुप में इलाके में घूम कर ऑटो लिफ्टिंग की वारदात करने वाले के बारे में एक इनफॉरमेशन पुलिस टीम को मिली थी। उस जानकारी को डेवलप करने के बाद पुलिस टीम को कई सीसीटीवी फुटेज की मदद से और इनफार्मेशन मिली। जिसके बाद एसीपी पंजाबी बाग विजय सिंह की देखरेख में इंस्पेक्टर योगेंद्र कुमार, चौकी इंचार्ज संदीप बिश्नोई, हेड कांस्टेबल संदीप, नीरज, ज्ञानचंद और देशराज की पुलिस टीम ने इस ग्रुप के मास्टरमाइंड के बारे में पता लगाना शुरू किया था। अरिहंत नगर इलाके में इसको पुलिस टीम ट्रैक करने में कामयाब हो गई। वह जिस स्कूटी से जा रहा था, वह पंजाबी बाग वेस्ट इलाके से चोरी की निकली। इससे जब पूछताछ हुई तो चोरी की दो मोटरसाइकिल और एक स्कूटी बरामद की गई। पूछताछ में बताया की वह अपने ग्रुप के साथियों के साथ मिलकर टू व्हीलर चोरी की वारदात को अंजाम देता है। पुलिस अब इसके और साथियों के बारे में पता लग रही है।

सिपाही की हत्या के मामले में मुठभेड़ के बाद एक गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने गोविंदपुरी इलाके में सिपाही की चाकू घोंपकर हत्या करने के मामले में मुठभेड़ के बाद एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ में पैर में गोली लगने से आरोपित घायल हो गया। उसे पुलिस ने नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया है। आरोपित की पहचान दीपक मैक्स के रूप में हुई है। पुलिस सूत्रों के अनुसार हमलावर सिपाही की हत्या के मामले में शामिल था। पुलिस सूत्रों के अनुसार क्राइम ब्रांच की टीम को सूचना मिली थी कि गोविंदपुरी में सिपाही के हत्या के मामले में आरोपित डीडीए फ्लैट्स के गोविंदपुरी के पास है। सूचना को पुख्ता कर पुलिस की दो टीमें मौके पर पहुंचीं। पुलिस ने आरोपित को पकड़ने की कोशिश की। जिसपर आरोपित ने पुलिस टीम पर फायरिंग की दी। पुलिस ने जवाबी फायरिंग की, जिसमें एक गोली आरोपित के पैर में लग गई। पुलिस सूत्रों के अनुसार इस बीच दो आरोपित मौके से फरार हो गए। फिलहाल पुलिस दोनों आरोपितों की तलाश कर रही है। उल्लेखनीय है कि बीती देर रात गोविंदपुरी इलाके में दिल्ली पुलिस के किरणपाल (28) नामक एक सिपाही की चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई थी। सिपाही गोविंदपुरी थाने में तैनात था और घटना के दौरान पेट्रोलिंग कर रहा था। उसी दौरान उस पर चाकू से हमला हुआ था।

गश्त कर रहे पुलिसकर्मी की चाकू घोंपकर हत्या

नई दिल्ली। दिल्ली के गोविंदपुरी इलाके में दिल्ली पुलिस के एक सिपाही की चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई। सिपाही गोविंदपुरी थाने में तैनात थे और घटना के दौरान पेट्रोलिंग कर रहा था, तभी चाकू से हमला हुआ। मृतक सिपाही की पहचान 28 साल के किरण पाल के रूप में हुई है। पुलिस ने शव शो कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नजदीकी अस्पताल के शवगृह में सुरक्षित रखवा दिया है।

पुलिस के मुताबिक किरणपाल का शव शनिवार तड़के गोविंदपुरी की गली नंबर -13 में मिला। उनके पेट व छाती पर चाकू मारे जाने के निशान थे। सिपाही वर्दी में थे और सरकारी मोटरसाइकिल भी पास में पड़ी मिली है। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नजदीकी अस्पताल में सुरक्षित रखवा दिया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सुबह नींद खुली तो पता चला कि यहां पर सिपाही की हत्या की गई है। फिलहाल पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाल कर आरोपित की पहचान करने में जुटी हुई है।

तेलंगाना से लेकर आया ट्रेन से फाइन क्वालिटी का गांजा

तुगलकाबाद रेलवे स्टेशन के बाहर स्पेशल स्टाफ ने दबोचा

वेस्ट बंगाल हुगली का रहने वाला, करता था कंपनी में काम

संवाददाता

साउथ ईस्ट जिला के स्पेशल स्टाफ की पुलिस टीम ने तेलंगाना से गांजा तस्करी कर दिल्ली लाकर बेचने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। जो वेस्ट बंगाल का रहने वाला है और वहां एक कंपनी में काम करता था। जिसकी पहचान प्रवीण प्रसाद के रूप में हुई है, यह हुगली का रहने वाला है। इसके पास से पुलिस टीम ने 20 किलो से ज्यादा फाइन क्वालिटी का गांजा भी बरामद किया है। डीसीपी रवि कुमार के निर्देश पर एसीपी ऑपरेशन दिलीप सिंह की देखरेख में इंस्पेक्टर प्रमोद आनंद, सब इंस्पेक्टर राजेंद्र सिंह, प्रवीण कुमार की टीम ने इस इंटरस्टेट गांजा तस्कर को गिरफ्तार किया है। जब पुलिस को पता चला था कि वेस्ट बंगाल का रहने वाला गांजा तस्कर तेलंगाना से ट्रेन के जरिए तुगलकाबाद रेलवे स्टेशन आएगा। यहां से निकलकर आगे गंजा की सप्लाई करने के लिए जाएगा। उस सूचना पर पुलिस टीम ने रेलवे फुट ओवर ब्रिज के पास ट्रैप लगाकर इस आरोपी को पकड़ा। हालांकि पुलिस को अचानक सामने देख यह सरपट दौड़ लगाकर भागने लगा। जिसके कारण पुलिस को फिल्मी स्टाइल में पीछा करके इसे पकड़ने में थोड़ी मशक्कत करनी पड़ी थी। लेकिन यह पुलिस की पकड़ से भाग नहीं सका। जो प्लास्टिक के बैग लेकर यह तेलंगाना से आया था, जब उसकी जांच की गई तो उसमें से गांजा की खेप बरामद की गई। आगे की कार्रवाई पुलिस टीम के द्वारा की जा रही है।

असम के कलाकारों ने पारंपरिक नृत्य से बांधा समां, मोहा दर्शकों का मन

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली के प्रगति मैदान में चल रहे 43वें भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला 2024 में शुक्रवार को असम दिवस मनाया गया. इस अवसर पर आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में बिहू और सत्रिया नृत्य जैसी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं. कार्यक्रम की शुरूआत असम के जातीय गान के साथ हुई.

सांस्कृतिक मण्डली के निर्देशक नीलकंता रहंग ने बताया कि उद्घाटन सत्र के बाद खचाखच भरे दर्शकों ने असम के प्रतिभाशाली युवाओं द्वारा प्रस्तुत पारंपरिक नृत्य प्रदर्शनों की एक श्रृंखला का आनंद लिया, जिसमें सत्रिया नृत्य, तिवा लोक नृत्य, कार्बी लोक नृत्य और बिहू नृत्य की प्रस्तुति दी. इसमें उनके साथ 30 कलाकारों की टीम ने हिस्सा लिया. सभी कलाकार असम के रहने वाले हैं. प्रस्तुति देने वालों में सबसे छोटी कलाकार की उम्र 15 वर्ष है और 45 वर्ष के कलाकार शामिल हुए. सभी को पहली बार भारत मंडपम में आयोजित ट्रेड फेयर में आने का मौका मिला है.

इसके अलावा सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रसिद्ध असमिया गायक ह्यमाधव रंजन गोगोईह्ल द्वारा एक आकर्षक गायन प्रदर्शन भी शामिल था, जिसमें राज्य की कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया गया. इस कार्यक्रम में असम के उद्योग और सांस्कृतिक मामलों के मंत्री बिमल बोरा विशेष रूप से शामिल हुए. साथ ही सांसद दिलीप सैकिया, असम औद्योगिक विकास निगम (एआईडीसी) के उपाध्यक्ष नवदीप कलिता, उद्योग, वाणिज्य और सार्वजनिक उद्यम विभाग की सचिव इंदिरा कलिता, एआईडीसी के प्रबंध निदेशक मानवेंद्र प्रताप सिंह, दिल्ली स्थित असम हाउस के विशेष कार्य अधिकारी बैशाली नायक आदि विशेष रूप से उपस्थित रहे. समारोह का समापन राष्ट्रगान के गायन के साथ हुआ. बता दें कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले 2024 में असम पवेलियन एक प्रमुख आकर्षण बन गया है. इस पवेलियन में 36 स्टॉल हैं, जिनमें हथकरघा, वस्त्र, जलकुंभी, चाय और पीतल धातु जैसे उत्पाद प्रदर्शित किए गए हैं. असम पर्यटन और असम औद्योगिक विकास निगम जैसे विभिन्न राज्य सरकार के विभाग और संगठन इसमें भाग ले रहे हैं. असम के उद्योग, वाणिज्य और सार्वजनिक उद्यम विभाग के अतिरिक्त सचिव पी उदय प्रवीण ने पवेलियन का उद्घाटन किया था. मेले में इस वर्ष की थीम ह्यविकसित भारत 2047ह्ल है, जो ह्यविकसित असम 2047ह्ल के असम के दृष्टिकोण के साथ मेल खाती है, जो औद्योगिक विकास और प्रगति पर केंद्रित है.

इसके अलावा असम पवेलियन में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र को प्रदर्शित किया गया है, जिसमें बांस और बेंत, हथकरघा, हस्तशिल्प, टेराकोटा, लकड़ी के शिल्प, पीतल धातु, खाद्य प्रसंस्करण उत्पाद और चाय के स्टॉल शामिल हैं. साथ ही एक जिला एक उत्पाद पहल और उभरते स्टार्टअप भी प्रदर्शित किए गए हैं. असम पवेलियन एक विशेष आकर्षण एमजेआई परफ्यूम्स का स्टॉल है, जिसे असम सरकार द्वारा असम अगरवुड प्रमोशन पॉलिसी 2020 के तहत समर्थन प्राप्त है. पवेलियन में असम की विनिर्माण, प्रौद्योगिकी, पर्यटन और बुनियादी ढांचे में प्रगति को भी प्रदर्शित किया गया है, जिसमें उन्नत सेमीकंडक्टर सुविधाओं और नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं की भविष्य की योजनाएं शामिल हैं.

केजरीवाल की याचिका पर ईडी को नोटिस जारी, 26 नवंबर को होगी अगली सुनवाई

नई दिल्ली। दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली आबकारी घोटाला मामले के संदर्भ में मनी लांड्रिंग के आरोपियों में शामिल पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को एक महत्वपूर्ण राहत प्रदान की है. अदालत ने केजरीवाल द्वारा दायर उस याचिका पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को नोटिस जारी किया है, जिसमें उन्होंने अपने खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए आवश्यक दस्तावेजों की मांग की है. इस मामले की अगली सुनवाई 26 नवंबर को होगी. कोर्ट में पेश की गई याचिका में केजरीवाल ने स्पष्ट किया है कि ट्रायल कोर्ट ने ईडी द्वारा पेश चार्जशीट पर आपराधिक प्रक्रिया का पालन किए बिना संज्ञान लिया, जो कि कानूनी दृष्टिकोण से सही नहीं है. उनके अनुसार, मुकदमा शुरू करने के लिए आवश्यक अनुमति बिना ली गई थी, जिससे न्यायिक प्रक्रिया पर सवाल उठता है.

वहीं, इस मामले में केजरीवाल की एक अदालती स्थिति यह भी है कि सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दिल्ली हाईकोर्ट में कहा था कि उनकी अनुमति ली गई थी, जिसके आधार पर केजरीवाल ने दस्तावेजों की मांग की.

10 जुलाई 2023 को, राऊज एवेन्यू कोर्ट ने ईडी के चार्जशीट पर संज्ञान लेते हुए केजरीवाल को पेश होने का आदेश दिया था. 17 मई को ईडी ने अपनी सातवीं पूरक चार्जशीट दाखिल की थी, जिसमें आम आदमी पार्टी और उसके नेताओं को आरोपी बनाया गया था. इस दौरान, केजरीवाल के अलावा संजय सिंह, मनीष सिसोदिया, और के कविता को भी सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिल चुकी है.

केस की पृष्ठभूमिः ईडी द्वारा 21 मार्च को पूछताछ के दौरान केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद यह मामला जांच के दायरे में आया. 10 मई को सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें अंतरिम जमानत दी थी. इसके बाद, उन्हें 2 जून को सरेंडर करना पड़ा. इस मामले से पहले, 26 जून को सीबीआई ने उन्हें गिरफ्तार किया था. अदलत में मौजूदा विवाद का केंद्र यह है कि क्या ईडी ने ठीक से न्यायिक प्रक्रिया का पालन किया या नहीं. यह मामला न केवल केजरीवाल के राजनीतिक भविष्य के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि यह राजनीति और कानून के बीच की जटिलताओं को भी उजागर करता है.

संक्षिप्त खबरें

अलग अलग मामले में दो गिरफ्तार

जमुई [झाझा] दो अलग मामले में दो अभियुक्त को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी में एक अभियुक्त शराब मामले में तथा दूसरा अभियुक्त मारपीट मामले में नामजद है। शराब मामले में गिरफ्तार युवक चरघरा के रहने वाला अमित कुमार के रूप में हुई है जो अलकजरा गांव के बैंक के पास से शराब के नशे में गिरफ्तार हुआ जबकि वंशाटांड़ गांव से गिरफ्तार अभियुक्त सत्तार मियां मारपीट में नामजद है। दोनो गिरफ्तार अभियुक्त का सरकारी अस्पताल में मेडिकल जांच के बाद न्यायिक हिरासत में जमुई भेज दिया गया।

शराब बेचने से मना करने पर युवक के साथ हुई मारपीट

जमुई [झाझा] थानाक्षेत्र के चरघरा मुहल्ले में निजी जमीन पर शराब बेचने का विरोध करने पर एक युवक के साथ कुछ लोगों ने मारपीट कर घायल कर दिया। घायल युवक की पहचान चरघरा के रहने वाले गुड्डू पासवान के रूप में हुई है। घायल युवक का रेफरल अस्पताल में इलाज हुआ। घायल युवक ने बताया कि शुक्रवार की रात्रि में एक शादी से वापस अपने घर जा रहा था कि मेरे जमीन पर महेश पासवान शराब बेच रहा था जिसका विरोध किया तो उसने मेरे साथ मारपीट कर मेरा मोबाइल तोड़ दिया जिसके बाद मैं अपने घर आ गया तो महेश, ओम पासवान एवं दो महिला घर पर आकर फिर से मारपीट करते हुए लोहे के रॉड से सिर पर वार कर मुझे गम्भीर रूप से घायल कर दिया। घायल युवक के द्वारा मारपीट की घटना को लेकर आवेदन देकर कार्रवाई करने की मांग पुलिस से किया।

मध्य विधालय डुमरी में चार दिवारी निर्माण को लेकर उठी मामला आज हुआ समाप्त

प्रात: किरण, संवाददाता

सोनो जमुई : सोनो चकाई मुख्य मार्ग के डुमरी गाँव स्थित मध्य विधालय डुमरी में चार दिवारी निर्माण को लेकर महिनो पुर्व से चल रहा विवाद पर ग्रामीणों के द्वारा की गई काफी हंगामा के बाद यह मामला आज समाप्त हो गया । लखन कियारी पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि दिगंबर पांडेय की अथक प्रयास के बाद ही यह कार्य संभव हो सका । शनिवार को एक दर्जन से अधिक ग्रामीणों के साथ मध्य विधालय डुमरी पहुंचे मुखिया प्रतिनिधि दिगंबर पांडेय ने बताया कि सोनो प्रखंड के 19 पंचायतों के विभिन्न गांवों में स्थित सभी विधालयों का चार दिवारी निर्माण का कार्य संपन्न होने वाला है , लेकिन मध्य विधालय डुमरी के प्रधानाध्यापक निरंजन सिंह की अडियल रवैये के कारण इस विधालय में चार दिवारी का घैराव नहीं रहने के कारण सभी छात्र खुले विधालय में शिक्षा ग्रहण करने पर मजबूर हैं । उन्होंने आगे बताया कि चार दिवारी निर्माण के लिए जब कोई संवेदक आती है और कागजी प्रकृया पुरी करने के लिए प्रधानाध्यापक को हस्ताक्षर करने के लिए कहा जाता है तो मोटी रकम बतौर घुस पहले देने की मांग की जाती हे । जिस कारण चार दिवारी के अलावा शोचालय , शुद्ध पेयजल एवं बच्चों की सुविधा के लिए अन्य विकास कार्य नहीं हो पाती है । 300 से अधिक बच्चों का पठण पाठण हो रहे इस विधालय मे फैल रही गंदगी और गंदी शोचालय तथा पेयजल की समस्या पर स्थानीय मुखिया श्रीमती सोनी देवी के द्वारा कई बार विधालय जाकर निरक्षण करते हुए विधालय प्रधान से बातचीत की गई लेकिन विधालय प्रधान अपने पुराने जिद पर अड़े रहे ओर विधालय मे पुर्व की भांति गंदगी और विकास कार्य लटका रहा । अंततः दर्जनों ग्रामीणों के साथ मुखिया प्रतिनिधि दिगंबर पांडेय शुक्रवार को विधालय पहुंचे ओर काफी हो हंगामा के बाद एवं प्रधानाध्यापक निरंजन सिंह को काफी समझाने बुझाने के बाद उन्होंने चार दिवारी निर्माण के लिए अपनी स्विकृति देते हुए आवेदन पर अपनी हस्ताक्षर ओर मुहर लगा दी । इस प्रकार मुखिया प्रतिनिधि दिगंबर पांडेय की अथक प्रयास से चार दिवारी निर्माण का महिनों पुर्व से चल रही खिंचातानी आज समाप्त हो गया । इस मौके पर मुखिया प्रतिनिधि दिगंबर पांडेय, सरपंच मिथलेश पांडेय , विधालय अध्यक्ष अर्जुन दास समाज सेवी अजीत पांडेय एवं डुगन सिंह सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे ।

जिला नोडल पदाधिकारी ने लक्ष्मीपुर प्रखंड अंतर्गत होने वाले पैक्स चुनाव की समीक्षा की, दिये आवश्यक दिशा-निर्देश

प्रात: किरण, संवाददाता

जमुई लक्ष्मीपुर प्रखंड अंतर्गत 10 पैक्सों में होने वाले चुनाव पूर्व जिला नोडल अधिकारी सह जिला योजना पदाधिकारी सह जिला सूचना एवं जनसंपर्क पदाधिकारी भानु प्रकाश ने शनिवार 23 नवम्बर को प्रखंड मुख्यालय में प्रखंड विकास पदाधिकारी सह प्रखंड निर्वाचन पदाधिकारी प्रेम प्रकाश एवं बीसीओ के साथ बैठक कर पैक्स चुनाव हेतु तैयारी की समीक्षा की और दिये आवश्यक दिशा-निर्देश। प्रखंड विकास पदाधिकारी सह प्रखंड निर्वाचन पदाधिकारी प्रेम प्रकाश ने नोडल पदाधिकारी भानु प्रकाश को बताया कि लक्ष्मीपुर प्रखंड अंतर्गत 10 पैक्सों में होने वाले चुनाव के लिए 29 बूथ बनाए गए हैं। चुनाव शांतिपूर्ण तरीके कराने हेतु विभिन्न कोषांग का गठन कर लिया गया है। वहीं निरीक्षण करने के दौरान नोडल पदाधिकारी ने मध्य विद्यालय गोड्डी पहुंचे और प्रखंड विकास पदाधिकारी सह प्रखंड निर्वाचन पदाधिकारी प्रेम प्रकाश से विचार विमर्श किया और वस्तु स्थिति का जायजा लिया। वहीं प्रखंड मुख्यालय में बने वज्रगृह और मतगणना स्थल का भी मुआइना किया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बिहार के उप-चुनाव आम चुनाव का रुझान : विकास

प्रात: किरण, संवाददाता

जमुई देश के दो राज्यों के आम चुनाव के साथ साथ बिहार के लोकसभा में रिक्त हुए विधानसभा के उप चुनाव में एनडीए की सौ प्रतिशत जीत होने पर भाजपा के वरिष्ठ नेता विकास सिंह ने चारो विधानसभा की जनता को तहे दिल से बधाई दिया और आगे कहा कि अगले साल आने वाली बिहार के आम चुनाव का झलकियां दिखाकर जंगलराज के प्रणेता वाली ठगबंधन को आईना दिखा दिया की डबल इंजन की सरकार द्वारा तीव्र गति से विकसित राज्य की ओर जा रही है ! ऐसे में पुनः लालटेन युग में अब बिहार कभी नहीं महान जनता जाने देगी ! श्री सिंह ने आगे कहा कि देश 2047 तक बिहार की शानदार सहभागिता के साथ देश विकसित राष्ट्र बनेगी ! सनद रहे कि आज के मतगणना में तरारी, बेलागंज, इमामगंज एवं रामगढ़ से एनडीए कि प्रत्याशी की जीत हुई और इंडी ठगबंधन पूरी तरह पराजित हुआ।

पैक्स चुनाव में नामांकन वापस करने के अंतिम दिन तक अध्यक्ष पद से 05 और प्रबंध समिति सदस्य पद से 04 अभ्यर्थी ने अपना-अपना नामांकन पत्र वापस लिया

प्रात: किरण, संवाददाता

जमुई जिले के लक्ष्मीपुर प्रखंड अंतर्गत 10 पैक्सों में 01 दिसम्बर को चौथे चरण में चुनाव होना है। प्रखंड विकास पदाधिकारी सह प्रखंड निर्वाचन पदाधिकारी प्रेम प्रकाश ने बताया कि शनिवार 23 नवम्बर को नामांकन वापस लेने के अंतिम दिन तक अध्यक्ष पद से 05 और प्रबंध समिति सदस्य पद से 04 उम्मीदवारों ने अपना-अपना नामांकन पत्र वापस लिया। तत्पश्चात सभी अभ्यर्थियों को प्रतीक चिन्ह आवंटित कर दिया गया है। पिड़रौन पैक्स से अध्यक्ष पद से सरिता देवी, मनोज कुमार यादव, रौशन कुमार सिंह, हरला पैक्स से अध्यक्ष पद से अजय कुमार और ककनचौर पैक्स से विनोद यादव ने अपना-अपना नामांकन पत्र वापस लिया। वहीं प्रबंध समिति सदस्य पद से मड़ैया पैक्स 02 और पिड़रौन पैक्स से 02 उम्मीदवारों ने अपना-अपना नामांकन पत्र वापस लिया। तत्पश्चात सभी अभ्यर्थियों को प्रतीक चिन्ह आवंटित कर दिया गया है।

अलीगंज प्रखंड में दिव्यागों के यूडीआईडी कार्ड के लिए लगा एक दिवसीय शिविर, विकलांगों की उमड़ी भीड़, 205 आवेदन प्राप्त

प्रात: किरण, संवाददाता

जमुई/ई० अलीगंज,दिव्यांगजनों को यूडीआईडी कार्ड उपलब्ध कराने हेतु जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण कोषांग जमुई के निदेशानुसार शनिवार को अलीगंज प्रखंड मुख्यालय के अम्बेडकर भवन में विशिष्ट पहचान यूडीआईडी बनाने हेतु एकदिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया गया, । इस शिविर में प्रखंड के विभिन्न गावों से दिव्यांगजनों की भीड़ उमड़ पड़ी।, प्रखंड परिसर में फॉर्म जमा हेतु कई काउंटर लगाए गए, दिव्यांग शिविर में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. साजिद हुसैन, डॉक्टर थनीश कुमार नेत्र विशेषज्ञ सदर अस्पताल जमुई, डॉङ्क नोमानी, डॉ राहुल कुमार, डॉ सुशील कुमार सदर अस्पताल जमुई, के द्वारा सभी आवेदको की बारी बारी से जाँच कर दिव्यांगता प्रमाण पत्र के लिए जिला भेजा गया, वहीं प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. साजिद हुसैन,ने जानकारी देते हुए बताया की शिविर में दिव्यांगजनों के कुल 205 आवेदन प्राप्त हुए,सभी लाभार्थी को डॉक्टरों ने जाँच किया गया, उन्होंने कहा सभी दिव्यांग का दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनाने के साथ-साथ यूडीआइडी के लिए भी आवेदन लिए जा रहे हैं. इस यूडीआइडी में एक यूनिक नंबर होगा, जिसमें दिव्यांग से संबंधित सभी जानकारी होगी. 40 प्रतिशत या इससे अधिक दिव्यांगता रहने पर यूडीआइडी बनवाने के लिए आवेदन कर सकते हैं. शिविर में डॉङ्क थनीश कुमार नेत्र रोग विशेषज्ञ ने कहा कि इस यूडीआइडी कार्ड से राष्ट्रव्यापी विशिष्ट पहचान होगी तथा कहीं भी सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ ले सकते हैं.दिव्यांगजनों को सरकारी योजनाओं का ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाने में सक्षम बनाने के लिए डाटाबेस तैयार किया जा रहा है. मौके पर प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. साजिद हुसैन, डॉक्टर थनीश कुमार, नेत्र विशेषज्ञ सदर अस्पताल जमुई, डॉङ्क नोमानी, डॉ राहुल कुमार, डॉ सुशील कुमार सदर अस्पताल जमुई, मनोज कुमार सिंह लेपरा प्रोजेक्ट कोर्डिनेटर, मोहम्मद हिदायत सहित सैकड़ो दिव्यांगजन उपस्थित थे।

ईश्वर की इच्छा के बगैर एक पत्ता तक नहीं हिल सकता : शिवदयाल राउत

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकताओं ने किया भव्य स्वागत

प्रात: किरण, संवाददाता

जमुई [झाझा] ईश्वर की आस्था में बड़ी शक्ति होती है। ईश्वर की इच्छा के बगैर एक पत्ता तक नहीं हिल सकता।उक्त बातें महादेव की भक्ति में मग्न मधुबनी जिले के मधवापुर प्रखंड के तरैया गांव निवासी दंडी बम शिवदयाल राउत ने कहा, जो देवस्थली हरिद्वार जैसी पुण्य धरा से दिनांक 03 नवंबर 2023 को जल भरकर दंडवत देते हुए शनिवार को झाझा पहुंचे तथा स्थानीय कपुरी चौक सोहजाना में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकताओं ने भव्य स्वागत किया तथा आशीर्वाद भी प्राप्त किया। दंडी यात्री शिवदयाल राउत इसी प्रकार दंडवत देते हुए द्वादश ज्योतिर्लिंग में से एक बाबा बैद्यनाथ धाम जल चढ़ाने के उपरांत बासुकिनाथ भी जाएंगे। एसएफडी दक्षिण बिहार प्रांत सह संयोजक सूरज बरनवाल ने कहा कि हमारा देश शुरू से ही ऋषि-मुनियों की तपस्थली रही है. सनातन धर्म में प्रचार प्रसार के लिए धर्म की रक्षा के लिए देश के अनेकों तपस्वियों ने कठोर तपस्या की है । आज के समय में जब विदेशी सभ्यता हमारे संस्कृति पर हावी होती जा रही है, तो ऐसे में एक संत ने एक कठोर प्रण लिया है । दंडी बाबा शिवदयाल राउत ने इतना तीक्ष्ण अनुष्ठान लेकर आज की पीढ़ी को बहुत बड़ी सीख दी है। मौके पर उपस्थित अभाविप दक्षिण बिहार के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य रूपेश कुमार भारती व नगर मंत्री हरिनंदन प्रजापति ने कहा कि सनातन संस्कृति में दंडवत का विशेष प्रभाव है। दंडवत प्रणाम का अर्थ है डंडे के समान पेट के बल सीधे लेटकर प्रणाम करना। इसे साष्टांग प्रणाम भी कहते हैं। अर्थात इस प्रकार के प्रणाम करने में व्यक्ति अपने पूज्य का आदर करने के लिए डंडे के समान पेट के बल लेट जाता है और अपने आठ अंगों को पृथ्वी के संपर्क में लाकर ह्यप्रणामह्ण यह कहकर प्रणाम करने की क्रिया को समाप्त कर खड़ा हो जाता है। इस क्रिया को दंडी बाबा द्वारा विगत तरह महीने से भी अधिक दिनों से प्रतिदिन तीन किलोमीटर किया जाना सनातन एवं बाबा बैद्यनाथ के प्रति समर्पण को दशार्ता है। मौके पर नगर कार्यकारिणी सदस्य रिंटू कुमार माथुर, अंश माथुर, सचिन कुमार, बंटी कुमार, राजेश कुमार यादव, सरयू रजक, मणि रजक,राजेंद्र साह, बुलेंदर गुप्ता आदि उपस्थित थे।

धरती पुत्र मुलायम की जयंती पर सपाईयों ने लिया संघर्ष का संकल्प, 30 नवंबर को करेंगे थाने का घेराव

प्रात: किरण संवाददाता

मुंगेर। जिला समाजवादी पार्टी के तत्वाधान में शुक्रवार को पार्टी के संस्थापक समाजवाद के नायक धरतीपुत्र मुलायम सिंह यादव की 85 वीं जयंती धरतीपुत्र दिवस के रूप में जिला मुख्यालय स्थित शहीद स्मारक भवन में मनायी गया जहां सपा जिला अध्यक्ष पप्पू यादव के नेतृत्व में सपाइयों ने नेताजी की तस्वीर पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि निवेदित किया एवं आम जनता के हक और हुकुम के लिए संघर्ष का संकल्प लिया ।

मौके पर सपा अध्यक्ष पप्पू यादव ने कहा कि समाजवाद के अग्रदूत धरतीपुत्र मुलायम आम अवाम के इकलौते नायक थे जिसने देश की एकता अखंडता धर्मनिरपेक्षता के लिए कभी कोई समझौता नहीं किया। वही श्री यादव ने आगे कहा कि वर्तमान समय में जिले की स्थिति भयावह है नितीश कुमार का शासन प्रशासन जनता के लिए अभिशाप बन गया है सांसद विधायक की सह पर कोई भी प्रशासनिक अधिकारी पीड़ित जनता का पक्ष सुनने के लिए तैयार नहीं है ऐसी परिस्थितियों में हम सपाई जिले की बदतर व्यवस्था के विरुद्ध सड़क पर उतरेंगे, यही हमारे नेता को हम सपाईयों की सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

वहीं पार्टी के प्रधान महासचिव मनोज कुमार मधुकर ने मुलायम सिंह यादव को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि जिले का हर विभाग भ्रष्टाचार में डूबा है समाहरणालय अंचल कार्यालय व थाने में आम जनता का शोषण हो रहा है आला अधिकारी सब जानते हुए भी चुप्पी साधे बैठे हैं ऐसी स्थिति में आंदोलन ही आम आदमी के लिए एक मात्र रास्ता है।

कार्यक्रम में मौजूद समाजवादी लोहिया वाहिनी के प्रदेश महासचिव रविकांत झा ने कहा कि नीतीश कुमार के कार्यकाल में भ्रष्टाचार चरम पर है जिले की स्थिति भयावह है कोई सुनने वाला नहीं है लेकिन हम सपाई खामोश नहीं बैठेंगे । इस मौके पर दर्जनों युवक ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर समाजवादी आंदोलन को मजबूत करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के अंत में कासिम बाजार थाना के कार्यप्रणाली से त्रस्त जनता के सवाल को लेकर दिनांक 30 नवंबर को थाने का घेराव कर गिरफ्तारी देने का निर्णय लिया गया। मौके पर पार्टी के कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

पैक्स चुनाव का नामांकन की हुई संवीक्षा सभी उम्मीदवारों का पूर्ण पाया गया कागजात

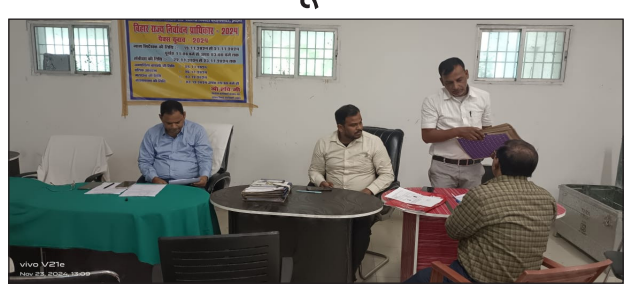

प्रात: किरण, संवाददाता

जमुई [झाझा] 3 दिसम्बर को झाझा प्रखंड क्षेत्र के 11 पंचायतो में होने वाले पैक्स चुनाव को लेकर इस संदर्भ में निर्वाचन पदाधिकारी सह बीडीओ रविजी ने बताया कि पैक्स चुनाव को अध्यक्ष पद पर 31 और सदस्य पद पर 154 उम्मीदवार के भरे गए नामांकन पत्र की संवीक्षा कि गई जिसमें सभी उम्मीदवारों के काजगात में किसी भी प्रकार की कोई त्रुटि नही पाया गया है। प्रखंड कार्यालय झाझा में बीते 19 -21नवंबर तक चले नामांकन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद 22-23 नवंबर को संवीक्षा कार्य की निर्धारित के अंतगर्त शनिवार को संवीक्षा का कार्य पूरा कर लिया गया।

वही सदस्य पद के लिए अलग श्रेणी से कुल 154 उम्मीदवार ने नामांकन पत्र भरा। अब 26 नवंबर को नाम वापसी लेने, प्रतीक आवंटन का दिन रखा गया है। निर्धारित तिथि को कोई उम्मीदवार नाम वापस नही लेता है तो जितने भी उम्मीदवार है उनसभी को उसी दिन चुनाव के लिए प्रतीक आवंटित किया जाएगा। बताते चले कि 11 पंचायतों के लिए होने वाले पैक्स चुनाव को लेकर अध्यक्ष पद पर कुल 31 उम्मीदवार ने नामांकन पत्र भरा जिसमे 23 पुरुष और 8 महिला उम्मीदवार शामिल हैं।

अगहनी धान के फसल कटनी प्रयोग का डीएम ने किया निरीक्षण

प्रात: किरण संवाददाता

मुंगेर । जिला पदाधिकारी अवनीश कुमार सिंह ने जमालपुर प्रखंड के रामनगर ग्राम पंचायत के भागीचक गांव (थाना संख्या 208) में अगहनी धान के फसल कटनी प्रयोग का निरीक्षण किया। 10 मीटर गुणा 5 मीटर के प्रयोगात्मक खंड में काटी गई फसल धान का पिटनी और ओसौनी के बाद 34 किलो 750 ग्राम वजन तौला गया, जिस पर जिला पदाधिकारी ने प्रसन्नता व्यक्त की है। निरीक्षण के दौरान जिला सांख्यिकी पदाधिकारी श्री आनंद प्रकाश, जिला कृषि पदाधिकारी श्री बृज किशोर, सहायक सांख्यिकी पदाधिकारी श्री राजेश कुमार, सहायक निदेशक सह अनुमंडल कृषि पदाधिकारी श्री हिमांशु शेखर, प्रखंड विकास पदाधिकारी श्री प्रभात रंजन, अंचल अधिकारी श्री विवेक आनंद, कृषि समन्वयक श्री अविनाश कुमार, किसान सलाहकार श्री नीरज कुमार निराला, मुखिया प्रतिनिधि श्री घोष यादव, पैक्स प्रतिनिधि श्री शिव शंकर दयाल सहित स्थानीय मीडिया कर्मी भी उपस्थित थे।अर्थ एवं सांख्यिकी निदेशालय, योजना एवं विकास विभाग, बिहार द्वारा बिहार राज्य फसल सहायता योजना अंतर्गत कृषि वर्ष 2024-25 के अधिसूचित एवं बीमित फसलों का फसल कटनी प्रयोग संपादित करवाया जा रहा है। जिला सांख्यिकी कार्यालय, मुंगेर द्वारा रामनगर पंचायत में अगहनी धान के कटनी प्रयोग के तहत प्राथमिक कार्यकर्ता श्री रामप्रवेश कुमार, प्रखंड सांख्यिकी पदाधिकारी, जमालपुर को यह प्रयोग आवंटित किया गया था, जिन्होंने इस फसल कटनी प्रयोग का संपादन जिला पदाधिकारी की देख-देख में किया। जिला पदाधिकारी ने फसल कटनी प्रयोग की पूरी प्रक्रिया का बारीकी से निरीक्षण किया और प्रत्येक चरण के बारे में प्रयोगकर्ता एवं जिला सांख्यिकी पदाधिकारी से जानकारी प्राप्त की। उन्होंने धान में नमी की मात्रा एवं इसके सुखवन प्रयोग के संपादन के संबंध में भी जानकारी ली।इस अवसर पर जिला पदाधिकारी ने फसल कटनी प्रयोग के महत्व को बारे में बताया कि इससे एक ओर जहां फसलों की औसत उत्पादकता ज्ञात होती है, वहीं दूसरी ओर इसके आधार पर अधिसूचित एवं बीमित फसलों हेतु फसल क्षतिपूर्ति का निर्धारण सहकारिता विभाग, बिहार द्वारा किया जाता है। केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा इसके आंकड़ों का प्रयोग कृषि संबंधित नीतियों को तय करने में भी किया जाता है। फसल कटनी प्रयोग से प्राप्त उपज दर से राज्य आय में कृषि के अंश का भी पता चलता है। विदित हो कि भदई मक्का, गन्ना और अगहनी धान के साथ रब्बी गेहूं और मकई का भी पंचायत स्तरीय फसल कटनी आयोजित किया जाता है, जिसके तहत प्रत्येक पंचायत में 5 फसल कटनी प्रयोग संपादित किया जाता है। इस अवसर पर जिला सांख्यिकी पदाधिकारी ने बताया कि फसल कटनी प्रयोग उपज दर के अनुमान लगाने की एक वैज्ञानिक पद्धति है तथा कटनी प्रयोग का विधिवत किया जाना शुद्ध शुद्ध उत्पादकता के अनुमान लगाने के लिए अत्यंत आवश्यक है। इसके लिए फसल कटनी प्रयोगों की विभिन्न प्रक्रियाओं का निरीक्षण जिला स्तरीय, अनुमंडल स्तरीय एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों द्वारा किया जाता है। जिला पदाधिकारी ने इसी क्रम में जमालपुर प्रखंड के रामनगर ग्राम पंचायत में फसल कटनी प्रयोग का निरीक्षण किया। फसल कटनी प्रयोग के लिए खसरा/कीता संख्या 6 पर स्थित रामनगर पंचायत स्थित भागीचक ग्राम के किसान श्री दीपक कुमार के खेत का चयन किया गया था। फसल कटनी प्रयोग के दौरान रैंडम तालिका के आधार पर खेत में 10 मीटर लंबाई एवं 5 मीटर चौड़ाई के आयताकार खंड को चिन्हित कर उक्त खंड की सीमा पर या उसके अंदर पड़ने वाले अगहनी धान की फसल की कटनी कराई गई। जिलाधिकारी ने स्वयं अपने हाथों में हंसुआ पकड़कर फसल काटना प्रारंभ किया और तत्पश्चात मजदूरों द्वारा चिन्हित क्षेत्र के अंदर स्थित फसल की कटनी की गई। कटनी प्रयोग का जीपीएस फोटो एवं डाटा सीसीई ऐप पर अपलोड किया गया। विदित हो कि प्रत्येक फसल कटनी प्रयोग का फोटो एवं डाटा क्रॉप कटिंग एक्सपेरिमेंट ऐप पर अपलोड किया जाना अनिवार्य है, जिसमें खेत का जीपीएस लोकेशन भी दर्ज होता है। इस अवसर पर जिला कृषि पदाधिकारी द्वारा उचित प्रभेद के बीजों के चयन एवं खाद के प्रयोग के संबंध में भी किसानों को जानकारी दी गई। उन्होंने विभिन्न प्रभेद के बीजों को लगाने का सही समय भी किसानों को बताया।

चार लोगों के साथ पड़ोसी ने की मारपीट

प्रात: किरण संवाददाता

जमुई [झाझा] घर के पास पड़ोसी के द्वारा गंदा पानी बहाने से मना करने पर पड़ोसी ने एक घर के बुजुर्ग दम्पति सहित कुल चार सदस्यों के मारपीट करते हुए घायल कर दिया। मामला नगरक्षेत्र के बाबुबांक मुहहले का है। सभी घायलों को इलाज हेतु रेफरल अस्पताल लोगों की मदद से लाकर भर्ती करवाया गया। घायल की पहचान मो. इस्माइल उसकी पत्नी नुरेशा, बहु सकीना और नतनी रुकसाना के रूप में हुई है। सभी घायलों का अस्पताल में इलाज किया गया। घायल रुकसाना ने बताया कि मेरे पड़ोस में रहने वाले मो.मतीन के घर से बार बार गंदा पानी मेरे घर पर बहा देता है जिससे हमलोगों को परेशानी होती है। शनिवार की सुबह भी उसके घर से गंदा पानी बहाने के बाद जब उनके घरवालों को मना करते हुए इसका विरोध किया तो मतीन, उसका बेटा साहिल एवं घर के अन्य 6-7 लोगों के द्वारा हमलोगों के साथ विवाद करना शुरू कर दिया और उसके बाद उनलोगों ने लोहे के रॉड, लोहे का खंती से मारपीट कर वार कर दिया और फिर नाना नानी को उठाकर पटक दिया जिससे हमसभी लोग घायल हो गया।

उप विकास आयुक्त ने सभी प्रखंडों में कार्यरत मनरेगा ऑफिस में कार्यरत डाटा एंट्री ऑपरेटर का किया स्थानांतरण

प्रात: किरण संवाददाता

जमुई /लक्ष्मीपुर जिला ग्रामीण विकास अभिकरण के कायार्देश द्वारा जारी पत्रांक 1596/ 21 नवम्बर 24 के आलोक में उप विकास आयुक्त सुमित कुमार ने जिले के सभी प्रखंडों में मनरेगा ऑफिस में कार्यरत डाटा एंट्री ऑपरेटर का एक साथ स्थानांतरण कर दिया गया है। लक्ष्मीपुर मनरेगा ऑफिस में कार्यरत डाटा एंट्री ऑपरेटर धर्मदास धर्मी का स्थानांतरण जमुई मनरेगा ऑफिस, अमरेन्द्र कुमार सिन्हा का झाझा मनरेगा ऑफिस और विनय कुमार यादव का चकाई मनरेगा ऑफिस में स्थानांतरण कर दिया गया है। धर्मदास धर्मी जब से बहाल हुआ था तब से लक्ष्मीपुर मनरेगा ऑफिस में कार्यरत था। धर्मदास धर्मी आये दिन लक्ष्मीपुर मनरेगा ऑफिस में सुर्खियों में था।होम प्रखंड मुख्यालय में कार्यरत रहने के कारण लोगों के नजरों में किरकीरी था।

बड़ी लगमा में बिजली के करंट लगने से एक की मौत

प्रात: किरण संवाददाता

मुंगेर सदर। हेमजापुर थाना अंतर्गत बड़ी लगमा गांव में शुक्रवार की रात को डिजिटल तराजू में आए बिजली का करंट से भूसा तोल रहे व्यापारी की मौत करंट लगने से हो गया ।मृतक की पहचान हेमाजापुर थाना अंतर्गत बड़ी लगमा गांव निवासी भूसा व्यापारी बिंदेश्वरी साहू का 36 वर्षीय पुत्र सौरभ साह के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार मृतक सौरभ साह भूसा भूसा बेचने का व्यापार करता था। प्रतिदिन की भांति शुक्रवार की रात को बह भूसा बेचने के लिए भूसा का बोरा डिजिटल तराजू में रखकर तोल रहा था ।भूसा टोल के क्रम में डिजिटल तराजू में बिजली की करंट आ गई और वह बिजली की करंट में के चपेट में आ गया जिस कारण बिजली के करंट लगने से वह दुर्घटना का शिकार हो गया। इसकी जानकारी मिलते ही परिजनों ने उसे बेहतर इलाज के लिए मुंगेर सदर अस्पताल लाया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया । हेमजापुर पंचायत के पूर्व मुखिया प्रतिनिधि इंजीनियर अनुज यादव ने बताया कि 25 तारीख को उनके भतीजा का शादी होने वाला था ।इसी बीच वह दुर्घटना का शिकार होने से उसकी मौत हो गई ।मौत होने से घर में खुशी का माहौल गम में बदल गया । बताया जाता है कि मृतक अपने परिवार का सबसे छोटा व्यक्ति था। वर्तमान में उसे 10 साल की एक बेटी तथा दो छोटे-छोटे अवोध बेटा है। मृतक पत्नी का रो रो कर बुरा हाल है ।गांव का माहौल भी गमगीन हो गया है।

महाराष्ट्र में सिर चढ़कर बोला नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता का जादू

महाराष्ट्र विधानसभा के चुनाव परिणामों ने एक बार फिर देश में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की करिश्माई लोकप्रियता पर न केवल मुहर लगा दी है बल्कि यह भी यह साबित कर दिया है कि नरेंद्र मोदी की इस करिश्माई लोकप्रियता को चुनौती देने की ताकत देश के किसी राजनीतिक दल में नहीं है। महाराष्ट्र में सत्तारूढ महायुति ने विधानसभा में बहुमत हासिल कर प्रमुख विपक्षी दलों कांग्रेस, उद्धव ठाकरे की शिवसेना और शरद पवार की एन सी पी की सारी उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। दरअसल इन तीनों पार्टियों ने यह मान लिया था कि जिस तरह पिछले लोकसभा चुनावों में महाराष्ट्र के मतदाताओं ने उन्हें अपना व्यापक दिया था उसकी पुनरावृत्ति राज्य विधानसभा के चुनावों में होना बिल्कुल तय है लेकिन मतगणना के रुझानों में शुरू से ही महायुति ने अपनी बढ़त बनाने का जो सिलसिला प्रारंभ किया वह पूरी मतगणना के दौरान कभी भी बाधित नहीं हुआ और अंततः महायुति के पक्ष में जो जनादेश आया उसमें महाविकास अगाड़ी के घटक दलों को सदन के अंदर विपक्ष में बैठकर आत्ममंथन करने का संदेश छुपा हुआ था। महाविकास अगाड़ी के प्रमुख घटक दल शिवसेना (उद्धव ठाकरे) को महायुति की प्रचंड जीत ने हक्का बक्का कर दिया है। उसके प्रवक्ता संजय राऊत ने यहां तक कह दिया कि इन चुनाव परिणामों में कुछ तो गडबड है। यह महाराष्ट्र की जनता का फैसला हो ही नहीं सकता। गौरतलब है कि महाराष्ट्र में मूल शिव सेना के कुछ विधायकों ने एक नाथ शिंदे के नेतृत्व में पार्टी से बगावत कर भाजपा के समर्थन से सरकार बनाई थी इसके अलावा शरद पवार की एनसीपी के कुछ विधायकों ने भी अजित पवार के नेतृत्व में पार्टी से विद्रोह कर महायुति सरकार में शामिल होने का फैसला किया था। इन चुनावों में शिव सेना (उद्धव ठाकरे) और एनसीपी (शरद पवार) यह उम्मीद लगाए बैठे थे कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की करिश्माई लोकप्रियता भी एकनाथ शिंदे और अजित पवार को महाराष्ट्र के मतदाताओं का कोपभाजन बनने से नहीं रोक पाएगी परंतु चुनाव परिणामों ने उन्हें एकदम सदमे की स्थिति में पहुंचा दिया है। चुनाव परिणामों में गड़बड़ी की आशंका व्यक्त करने वाले महाविकास अगाड़ी के घटक दलों को इस सवाल का जवाब अपने अंदर ही खोजना होगा कि लोकसभा चुनावों में महाराष्ट्र के मतदाताओं ने उन्हें जो समर्थन प्रदान किया था उस पर कायम रहने के लिए वे राज्य के मतदाताओं को राजी क्यों नहीं कर पाए। महाराष्ट्र विधानसभा के इन चुनावों में भाजपा ने अभूतपूर्व विजय प्राप्त कर इतिहास रच दिया है और स्वाभाविक रूप से अब वह महायुति सरकार के मुख्यमंत्री की कुर्सी पर उसका अधिकार होगा। एकनाथ शिंदे की शिवसेना और अजित पवार की एनसीपी की तुलना में दुगनी से भी अधिक सीटों पर जीत हासिल करने वाली भाजपा को मुख्यमंत्री की कुर्सी सौंपने के लिए एक नाथ शिंदे को राजी करने में भाजपा को कोई दिक्कत पेश होने का तो कोई सवाल ही नहीं उठता। अगर भाजपा चाहेगी तो सत्ता में बने रहने के लिए एकनाथ शिंदे को यह त्याग अब खुशी खुशी करना होगा। राज्य में सत्ता परिवर्तन के लिए पूर्व मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडनवीस भी ऐसा ही उदाहरण पेश कर चुके हैं। अब यह उत्सुकता का विषय है कि महायुति की नयी सरकार का नेतृत्व करने का गौरव देवेन्द्र फडनवीस अर्जित करते हैं अथवा पार्टी उन्हें कोई और महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपती है लेकिन इसमें दो राय नहीं हो सकती कि महाराष्ट्र विधानसभा के इन चुनावों में भाजपा की प्रचंड जीत में देवेन्द्र फडनवीस ने अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। महाराष्ट्र भाजपा के अंदर से यह मांग उठने भी लगी है। इन चुनाव परिणामों ने महाराष्ट्र की राजनीति में देवेन्द्र फडनवीस के कद को बहुत ऊंचा कर दिया है और पार्टी की प्रदेश राजनीति में उन्हें पार्टी के अंदर चुनौती देने का साहस कोई नहीं कर सकता। एकनाथ शिंदे और अजित पवार ने भी चुनाव जीत कर अपनी अहमियत दिखा दी है लेकिन महाराष्ट्र के विधानसभा चुनावों में भाजपा की सुनामी ने केवल विपक्ष ही नहीं, सत्तारूढ़ गठबंधन के अन्य दलों को भी आश्चर्यचकित कर दिया है।

अमरीकी कठघरे में अडाणी

न्यूयॉर्क फेडरल कोर्ट ने भारत के शीर्षस्थ उद्योगपति गौतम अडाणी और 7 अन्य आरोपितों के खिलाफ गिरफ्तारी के वारंट जारी किए हैं। अमरीकी निवेशकों, एजेंसियों और बैंकों को गुमराह करने, बेईमानी करने, धोखा देने और भारत में करीब 2200 करोड़ रुपए की घूसखोरी को छिपाने सरीखे गंभीर आरोप अडाणी समूह पर हैं। हालांकि समूह ने आरोपों को गलत और बेबुनियाद करार दिया है, लेकिन यही पर्याप्त नहीं है। अमरीकी कानून और न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज के नियमानुसार ये बेहद गंभीर अपराध हैं। अडाणी समूह की कुछ कंपनियां न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज में भी सूचीबद्ध हैं। चूंकि सौर ऊर्जा के भारत सरकार के अनुबंध के लिए अडाणी समूह ने अमरीकी बाजार और बैंकों से करीब 25,000 करोड़ रुपए जुटाए थे। उसी में से 26.5 करोड़ डॉलर (करीब 2200 करोड़ रुपए) आंध्रप्रदेश, ओडिशा, तमिलनाडु, छत्तीसगढ़ और जम्मू-कश्मीर के अधिकारियों को कथित रूप से घूस दी गई, ताकि इन राज्य सरकारों से सौर ऊर्जा के अनुबंध हासिल किए जा सकें। रिश्वत और ठेकेदारी के इस खेल में अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड के साथ मॉरीशस की भी एक कंपनी थी, जिन्हें ह्यसोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडियाह्न (सेकी) का 12 गीगावॉट अर्थात 12,000 मेगावॉट सौर ऊर्जा का ठेका मिला था। चूंकि ऊर्जा महंगी थी, लिहाजा राज्य सरकारें उसे खरीद नहीं पा रही थीं। सौदेबाजी के लिए घूस दी गई, यह आरोप है। समूह के अध्यक्ष गौतम अडाणी ने 2021 में आंध्रप्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री जगनमोहन रेड्डी से मुलाकात की थी और राज्य सरकार 7000 मेगावॉट बिजली खरीदने को राजी हुई थी। ओडिशा ने भी 500 मेगावॉट बिजली खरीदी थी। जिन सरकारों के साथ अडाणी समूह ने करार किए थे, वहां तब विपक्ष की सरकारें थीं। सिर्फ जम्मू-कश्मीर में राष्ट्रपति शासन था, लेकिन तब भी उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ही थे। बहरहाल अब अडाणी को अमरीकी अदालत के कठघरे में पहुंच कर अथवा अपने वकीलों के जरिए अपना पक्ष रखना होगा। अदालत से जमानत या मामला खत्म करने की गुहार लगानी होगी। यह ऐसी कोर्ट है, जिसमें निर्वाचित अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप को भी हाजिर होना पड़ा था। यदि अडाणी को फेडरल कोर्ट में राहत नहीं मिलती है, तो आरोपित वहां की सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दे सकते हैं। अलबत्ता कोर्ट के मुताबिक, अभी अडाणी और अन्य आरोपित ह्यदोषीह्न नहीं हैं। अब मामला अमरीकी अदालत में है, लेकिन यह खबर सामने आते ही भारतीय शेयर बाजार और राजनीति में ह्यभूचालह्न आ गया। एक ही दिन में निवेशकों के 5.35 लाख करोड़ रुपए डूब गए और अडाणी समूह को भी करीब 2.20 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। अमीरों की वैश्विक सूची में गौतम अडाणी 25वें स्थान तक लुढक गए। यह जनवरी, 2023 में हिंडनबर्ग रपट के बाद हुए घाटे से तिगुना नुकसान है। अडाणी समूह के लिए यह सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय झटका है कि केन्या ने 700 मिलियन डॉलर (करीब 6000 करोड़ रुपए) के ऊर्जा करार रद्द कर दिए। वहां के राष्ट्रपति विलियम रुतो ने नैरोबी एयरपोर्ट की लीज डील भी खारिज कर दी। अडाणी समूह को ऐसे और भी झटके लग सकते हैं। भारत में सियासत में उबाल यहां तक आया है कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गौतम अडाणी को तुरंत गिरफ्तार करने की मांग की है। यही नहीं, विपक्ष ने संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) गठित करने का भी आग्रह किया है। अब 25 नवंबर से संसद का शीतकालीन सत्र आरंभ हो रहा है, लिहाजा स्वाभाविक है कि विपक्ष इस मुद्दे पर शोर मचाएगा। सदन में हंगामा भी मच सकता है। बुनियादी तौर पर देखा जाए, तो अडाणी पर भारत में ही घूसखोरी के आरोप हैं, लिहाजा न्याय के लिए सरकार को हरेक कदम उठाने चाहिए। सवाल यह है कि राहुल गांधी ने इस मामले में भी अडाणी के साथ प्रधानमंत्री मोदी का भी नाम जोड़ दिया है। वह मोदी-अडाणी जोड़ी की राजनीति अक्सर करते रहे हैं। उन्होंने यहां तक भी दावा किया है कि प्रधानमंत्री अडाणी को गिरफ्तार नहीं करने देंगे, क्योंकि अंततः वह भी जेल जाएंगे। राहुल गांधी की यह राजनीति अनैतिक है। वह खुद जमानत पर हैं। वह देश की प्रतिष्ठा और छवि को भी कलंकित कर रहे हैं। यदि उनके पास मोदी-अडाणी मिलीभगत के कोई ठोस प्रमाण हैं, तो वह अदालत में जा सकते हैं।

आंध्रप्रदेश गैंगरेप : एक और निर्भया कांड, विश्व गुरु शर्मसार?

वर्ष 2024के प्रथम माह जनवरी से ही महिलाओं पर अत्याचारों की शुरूआत हो चुंकी है जनवरी से लेकर अगस्त माह तक में देश में हजारों घटनाएं घटित हो चुकी हैं। प्रतिदिन ऐसे मामले हो रहे है और निरंतर इन मामलों में बेतहासा वृद्वि हो रही है। छेड़छाड के अलावा तेजाब व दुष्कर्म की घटनाएं भी बदस्तूर जारी है वर्ष 2019 में एक खौफनाक व दरिदगी की हदें पार करने वाला घटनाक्रम पंजाब के मोगा में हुआ था जब बदमाशों ने चलती बस में लडकी से छेड़छाड़ की और विरोध करने पर बस से फैंक दिया जिस कारण उस लड़की की मौत हो गई थी।

नरेन्द्र भारती
लेखक

आंध्रप्रदेश के विशाखापट्टनम में एक कानून की छात्रा से कथित गैंगरेप का मामला बहुत ही शर्मनाक घटना है चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है 'एक और निर्भया कांड हो गया विश्व गुरु की एक बार फिर फजीहत हुई है दरिंदो को सरेआम फांसी पर लटकाना होगा तभी यह सामूहिक दुष्कर्म रुक सकते हैं ' अभी कलकत्ता दुष्कर्म व हत्याकांड की स्याही भी नहीं सुखी थी की यह कांड हो गया एक और दाग लग गया 'देश में बेटियां हर जगह असुरक्षित महसूस कर रही हैं। 2024 के ग्यारह महीनों में देश में बहुत ही दुष्कर्म की वारदातें हुई हैं यह बदस्तूर जारी हैं 'बेटियों की सुरक्षा के दावे कहां है। यह एक यक्ष प्रशन है यह सुलगते प्रशन है कि बेटियां कब सुरक्षित होगी। हर जगह दरिंदे दरिन्दगी कर रहे हैं अगस्त में कलकत्ता मेडिकल कालेज की एक ट्रेनी डाक्टर के साथ गैंगरेप व हत्या का मामला बहुत ही सगीन अपराध था ऐसे दरिंदो को फांसी की सजा देनी चाहिए यह बहुत ही जघन्य अपराध है 'गत वर्ष वाराणसी में घटित हुआ था जहाँ बीएचयू परिसर कुछ गुंडों द्वारा एक लड़की के साथ अश्लील हरकते करना व और वीडियो बनाना की घटना सामने आई थी ' साल के 365 दिन महिलाओं पर अत्याचार होते रहते हैं। आज कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक महिलाओं पर अनगिनत अत्याचार हो रहे है मगर सरकारों की कुम्भकरणी नींद नहीं टूट रही है। आज कोई भी विश्वास के योग्य नहीं रहा है किस पर विशवास करें अपने ही हैवान बन रहे हैं। आज बाबुल की गलियां ही नरक बन गई हैं। अपने रक्षक ही भक्षक बन गए हैं बहु-बेटियां घर में ही असुरक्षित हैं समय पर ऐसे घिनौने कर्म होंतें है कि कायनात कांप उठती है कि आदमी इतने नीच काम क्यों कर रहा है। महिलाएं कही भी महफूज नहीं है। महिलाओं पर बढते अत्याचार रुकने का नाम नहीं ले रहे है। देश में प्रतिदिन घटित हो रही वारदातों से महिलाओं की सुरक्षा पर प्रश्नचिन्ह लगता जा रहा है कि महिलाएं कहीं भी सुरक्षित नहीं है। इन वारदातों से हर भारतीय उद्वेलित है। सुरक्षा के दावों की पोल खुल गई है। महिलाओं की सुरक्षा के लिए पुख्ता इतंजाम करने होगें तभी इन पर रोक लग सकती है। जघन्य व दिल दहला देने वाली दुष्कर्म की घटनाओं से जनमानस खौफजदा है। आखिर कब तक बेटियां दरिदगी का शिकार होती रहेगी। ऐसी बारदातें बहुत ही चिंतनीय हैं। बेखौफ दरिदें अराजकता फैला रहे है दरिदों की दरिदगी की वारदातें कब रुकेगी, अपराध की तारीख बदल जाती है, मगर तस्वीर नहीं बदलती। बेशक प्रतिवर्ष 8 मार्च को विश्व महिला दिवस मनाया गया। मगर ऐसे आयोजन केवल मात्र औपचारिकता भर रह गए है क्योंकि हर वर्ष एक संकल्प लिया जाता है कि महिलाओं कों अत्याचारों से मुक्ति दिलाई जाएगी अत्याचारों का खात्मा किया जाएगा सुरक्षा के लिए बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं मगर धरातल की सच्चाईयां बेहद ही खौफनाक तस्वीरें प्रस्तूत कर रही है। आधी दुनिया पर बढतें अत्याचार देंश के लिए अशुभ संकेत है। आज महिलाएं हर क्षेत्र में सफलता की बुलंदियां छुह रही हैं चांद तक अपनी काबलियत का परचम लहरा रही है। महिलाओं की सुरक्षा के लिए सैंकड़ों कड़े कानून बनाए गए है मगर यह कानून सरकारी फाईलों की धूल चाट रहे है अगर सही तरीके से लागू किए होते तो इन मामलों में इजाफा नहीं होता। आज महिलाएं कहीं भी सुरक्षित नहीं है चाहे घर हो दफतर हो, बस, सड़क, गली या चैराहा हो महिलाएं हर जगह असुरक्षित ही महसूस कर रही है। है। 2019, 2020, 2021, 2022, 2023, 2024में भी दरिंदो ने दरिन्दगी जारी रखी 'वर्ष 2024 में भी हालात सुधर नहीं रहे है। आंकड़ों के अनुसार 12 सितंबर 2018 को हरियाणा के रेवाड़ी में एक 19 साल की मेधावी छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म कर दिया था। 27 जून 2018 को मध्यप्रदेश के मंदसौर में एक सात साल की नाबालिग स्कली बच्ची से सामूहिक दुष्कर्म की जघन्य घटना से हर भारतीय उद्वेलित हुआ था। यह बच्ची तीसरी में पढ़ती थी। मासूम से हुई दरिदगी व हैवानियत की यह घटना बहुत ही दिल दहलाने वाली थी। दरिदों ने जिस बर्बरता व हैवानियित से घटना को अंजाम दिया था उससे रौगटे खडे हो जाते है। दरिदों ने दरिदंगी की हदे पार कर दी थी। 16 दिसंबर 2012 सामूहिक दुष्कर्म करने वाले दुष्कर्म की वारदात से हर भारतीय उद्वेलित हुआ था। यह रौंगटे खड़े कर देने वाली घटना बहुत ही दुखद थी। हर रोज अस्मत लूटी जा रही है। दरिदों द्वारा हर राज्य में दरिदगी का सामाज्य बना रहे है। दरिदों की अराजकता बढ़ती ही जा रही है। जंगलराज स्थितियां बन रही है। कानून को धता बताकर दरिदें दरिदगी का तांडव कर रहे है। दरिदों को सरेआम मौत के घाट उतारना हागा ताकि आने वाले समय में दरिदे कई बार सोचेगें की उनकी करतूतो का क्या अंजाम होगा। अब समय आ गया है कि दरिदों को फांसी की सजा से ही इन मामलों पर विराम लग सकता है। वर्ष 2024 के जनवरी माह से देश के हर राज्य में इन मामलों में बेतहासा वृद्धि होती जा रही है। साल के 11 माह में यह दुष्कर्म रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं। सरकार को इन मामलों पर त्वरित कारवाई करनी होगी। हर रोज दरिदें दरिदगी का तमाशा कर रहे है। देश में दुष्कर्म के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे है। इससे पहले कठुआ में भी एक बच्ची के साथ दरिदगी का मामला प्रकाश में आया था। प्रतिदिन इन अपराधों में इजॉफा होता जा रहा है। देश में दरिदगी की वारदातें कब रुकेगीं। गत वर्ष हिमाचल में भी गुडिया कांड हुआ था। इससे पहले देश की राजधानी दिल्ली में दिल दहला देने वाला कृत्य हुआ था जब द्वारका नार्थ इलाके में देर रात टैक्सी से घर लौट रही एक महिला से उबर जैसे रेप का मामला घटित हो गया था। यह बहुत ही घिनौना कृत्य है कि ऐसे प्रकरण थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। देश में लड़कियां कितनी महफूज है इन घटनाओं से अंदाजा लगाया जा सकता है। 26 मार्च 2017 को उतर प्रदेश के लखीमपुरीमें दो नाबालिग बहनों के साथ दुष्कर्म के बाद हत्या कर दी गई। ऐसी वारदातें खौफनाक है। रेप व हत्या की ऐसी घटनाएं दिल दहला देने वाली हैं। 26 मार्च को ही नई दिल्ली में एक युवक ने एक बच्ची को टॉफी दिलाने के बहाने दुष्कर्म किया। देश में हर रोज अबोध बच्चियों से लेकर अधेड़ उम्र की महिलाओं से दुष्कर्म कर रहे है। फांसी की सजा से ही इन मामलो पर विराम लग सकता है। बीते वर्ष 2023 में भी अत्याचारों का सिलसिला बेखौफ चलता रहा दरिदों ने अपनी दरिदगी का नंगा नाच जारी रखा। हजारों महिलाएं व नाबालिग बच्चीयां दुष्कर्मो का शिकार हुई।

आलोचना पर दमनात्मक रवैया ठीक नहीं

इससे जाहिर है कि सत्तारूढ़ दलों के नेताओं को सिर्फ मनमाफिक एजेंडे वाले कार्यक्रम ही सुहाते हैं। इसमें कोई भी राजनीतिक दल पीछे नहीं है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर जब कभी विपक्षी दलों के खिलाफ हिंसा करवाने के आरोप लगे, तब इसे भाजपा और मीडिया की साजिश करार दिया गया। यही हाल दूसरे राज्यों की क्षेत्रीय दलों की सरकारों का है। विपक्षी दल और मीडिया जब कभी सत्तारूढ़ दलों के खिलाफ कोई खुलासा करते हैं, तब उन्होंने प्रताडा का सामना करना पड़ता है।

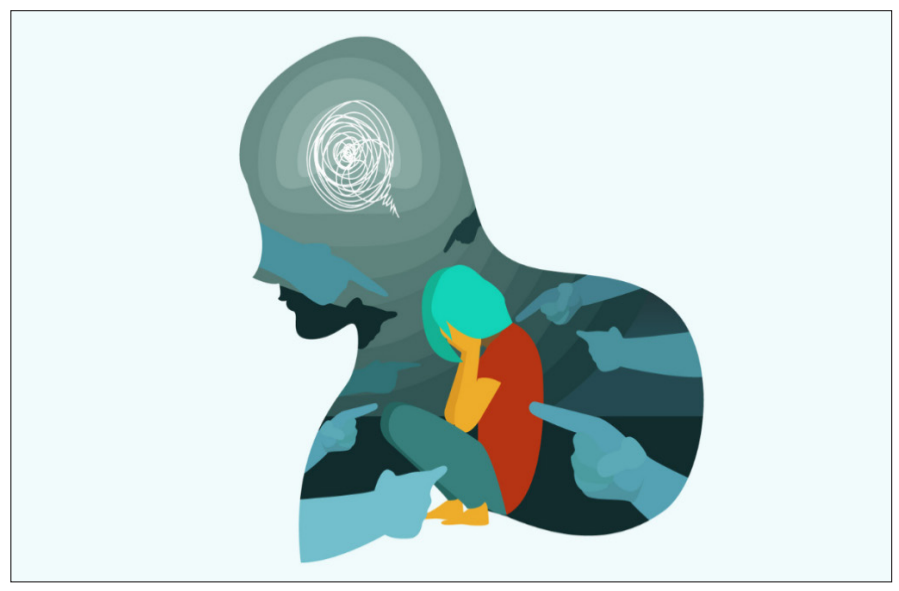

योगेन्द्र योगी
लेखक

सत्तारूढ़ राजनीतिक दलों के नेताओं को आलोचना जरा भी बर्दाश्त नहीं है। मीडिया और सोशल मीडिया पर यदि सत्तारूढ़ दलों के नेताओं के खिलाफ कुछ लिखा या बोला जाता है, तो उन पर सरकारें दमनात्मक कार्रवाई करने पर उतारू हो जाती हैं। राजनीतिक दल चाहे राष्ट्रीय हो या क्षेत्रीय, किसी को आलोचना बर्दाश्त नहीं है। उनका निशाना विपक्ष और मीडिया रहता है। सत्तारूढ़ दलों को आलोचना तभी तक सुहाती है, जब वह विपक्षी दलों की हो। ऐसे में सच्चाई पर पर्दा डालने के लिए राजनीतिक दलों के नेता सरकारी मशीनरी का इस्तेमाल करने में कसर बाकी नहीं रखते। एक फिल्म साबरमती रिपोर्ट को लेकर भाजपा और केंद्र सरकार के मंत्री गदगद नजर आ रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ बीबीसी ने जब गोधरा कांड के बाद गुजरात में हुए दंगों को लेकर एक डॉक्यूमेंट्री बनाई तो न सिर्फ उसे प्रतिबंधित कर दिया गया, बल्कि आयकर विभाग ने बीबीसी पर छापे की कार्रवाई की। विक्रांत मैसी की ह्यदि साबरमती रिपोर्टह्न को हरियाणा, छत्तीसगढ़ के साथ ही अब मध्य प्रदेश में भी टैक्स फ्री कर दिया गया है। इन तीनों राज्यों में भाजपा की सरकारें हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह की तारीफ के बाद राजनीतिक महकमों में भी इसकी चर्चा बढ़ गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा फिल्म को देखने के बाद इसकी सराहना की गई। विक्रांत मैसी की फिल्म दि साबरमती रिपोर्ट की केंद्रीय भूमिका वाली यह फिल्म 27 फरवरी, 2002 के गोधरा ट्रेन अग्निकांड पर आधारित है। गोधरा स्टेशन के पास खड़ी साबरमती एक्सप्रेस की बोगी नंबर एस-6 में आग लगा दी गई थी। अयोध्या से लौट रहे 59 हिंदू कारसेवक जिंदा जल गए थे। मरने वालों में 27 महिलाएं और 10 बच्चे भी शामिल थे। उसके बाद पूरे गुजरात में जो दंगा भडका, वह आजाद भारत के सबसे भयावह दंगों में से एक था। मोदी उस समय गुजरात के मुख्यमंत्री थे। अब दि साबरमती रिपोर्ट के जरिए बड़े पर्दे पर गोधरा कांड का खौफनाक मंजर दिखा है। पीएम मोदी के अलावा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत तमाम मंत्रियों और बीजेपी नेताओं ने दि साबरमती रिपोर्ट की प्रशंसा की है। गोधरा में ट्रेन जलाए जाने की भयानक घटना का परिणाम पूरे राज्य में हिंसक दंगों की शक्ल में सामने आया। पूरा गुजरात जल उठा था। केंद्र सरकार ने 2005 में राज्यसभा को बताया था कि दंगों में 254 हिंदुओं और 790 मुसलमानों की जान गई थी। कुल 223 लोग लापता बताए गए थे। हजारों लोग बेघर भी हो गए थे। तत्कालीन मोदी सरकार ने एक जांच आयोग का गठन किया था। उस आयोग में जस्टिस जीटी नानावटी और जस्टिस केजी शाह शामिल थे। आयोग ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि मारे गए 59 लोगों में से अधिकतर कारसेवक थे। कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार ने जस्टिस यूसी बनर्जी की अध्यक्षता में एक अलग जांच आयोग का गठन किया। इस आयोग ने मार्च 2006 में सौंपी अपनी रिपोर्ट में इस घटना को एक दुर्घटना बताया। सुप्रीम कोर्ट ने रिपोर्ट को असंवैधानिक और अमान्य करार देते हुए खारिज कर दिया। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने एक विशेष जांच दल का गठन किया। गोधरा कांड और उसके बाद भडके दंगों ने भारत की राजनीति को हमेशा-हमेशा के लिए बदल दिया। इस मामले में अदालती कार्रवाई जून 2009 से, घटना के आठ साल बाद शुरू हुई। स्पेशल एसआईटी कोर्ट ने 1 मार्च, 2011 को 31 लोगों को दोषी ठहराया, जिनमें से 11 को मौत की सजा और 20 को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। अदालत ने इस मामले में 63 लोगों को बरी भी किया। एसआईटी कोर्ट ने उन आरोपों से सहमति जताई कि यह अनियोजित भीड़ द्वारा की गई घटना नहीं थी, बल्कि इसमें साजिश शामिल थी। 31 दोषियों को भारतीय दंड संहिता की आपराधिक साजिश, हत्या और हत्या के प्रयास से संबंधित धाराओं के तहत दोषी ठहराया गया था। गुजरात सरकार ने बाद में आरोपियों को बरी किए जाने पर सवाल उठाए। जिन्हें दोषी ठहराया गया, उन्होंने भी गुजरात हाई कोर्ट में अपील की। हाई कोर्ट ने मामले में कुल 31 दोषियों को दोषी ठहराया था और 11 दोषियों की मौत की सजा को आजीवन कारावास में बदल दिया था। अब मामला सुप्रीम कोर्ट के सामने है। गुजरात सरकार ने 11 दोषियों की मौत की सजा को आजीवन कारावास में बदलने के खिलाफ अपील की है, कई दोषियों ने मामले में उनकी दोषसिद्धि को बरकरार रखने के उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती दी। केंद्र सरकार और भाजपा जहां गोधराकांड पर बनी फिल्म को सच सामने लाने वाला बताते हुए तारीफ कर रही हैं, वहीं वर्ष 2023 में गुजरात दंगों पर बीबीसी के बनाए वृत्त चित्र को न सिर्फ प्रतिबंधित कर दिया गया था, बल्कि आयकर विभाग ने बीबीसी के परिसरों में छापे की कार्रवाई की थी। बीबीसी डॉक्यूमेंट्री ह्यइंडिया दि मोदी क्वेश्चनह्न दो भागों वाली एक श्रृंखला थी। यह जनवरी में यूके में प्रसारित हुई थी। इसमें बताया गया कि 2014 में मोदी के निर्वाचित होने के बाद से, उनकी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने हिंदू-केंद्रित नीतियों को अपनाया है, जिन पर दक्षिणपंथी धार्मिक राष्ट्रवादी एजेंडे के तहत भारत के 200 मिलियन मुसलमानों को निशाना बनाने और उनके साथ भेदभाव करने का आरोप लगाया गया है, जो भारत को इसकी धर्मनिरपेक्ष नींव से दूर ले जा रहा है। मोदी सरकार की ओर से इस मामले में त्वरित और स्पष्ट प्रतिक्रिया आई। विदेश मंत्रालय की साप्ताहिक प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रवक्ता ने कहा कि इस डॉक्यूमेंट्री में पूर्वाग्रह और निष्पक्षता की कमी तथा औपनिवेशिक मानसिकता स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है। बीबीसी पर सरकार विरोधी एजेंडा चलाने का आरोप लगाया गया। इसके बाद आयकर विभाग के एक दर्जन से ज्यादा अधिकारियों ने बीबीसी के मुंबई और नई दिल्ली स्थित दफ्तरों पर छापा मारा।

निकाय चुनाव से क्यो दूर भाग रही है धामी सरकार !

डॉ श्रीगोपाल नारसन

उत्तराखंड की पुष्कर सिंह धामी सरकार निकाय चुनाव कराने से बच रही है, इसके लिए सरकार लगातार नए-नए रास्ते खोज रही है, ताकि चुनाव टाले जा सके। राज्य में निकाय चुनाव 7 महीने पूर्व होने थे, लेकिन ओबीसी आरक्षण की रिपोर्ट पूरी न होने के चलते इन चुनाव को टाल दिया गया और निकायों में प्रशासकों की नियुक्ति कर दी गई। नियम के अनुसार मात्र 6 महीने तक ही निकायों में प्रशासक बनाए जा सकते हैं। उत्तराखंड में अब 6 माह बीत जाने के बाद भी निकायों में अभी तक प्रशासक तैनात है, जबकि विपक्षी पार्टियां लगातार निकाय चुनाव के लिए राज्य सरकार से मांग करती आ रही हैं। उत्तराखंड में 7 माह पूर्व ही निकायों का कार्यकाल समाप्त हो चुका है। ऐसे में चुनाव अपने समय से लगभग 7 माह की देरी पर हैं, धामी सरकार की ओर से अभी तक निकाय चुनाव को लेकर कोई भी ठोस कार्यवाही नही की गई है। विपक्षी पार्टियां लगातार निकाय चुनाव को लेकर सरकार पर दबाव बना रही है, लेकिन अभी तक निकाय चुनाव को लेकर राज्य में असमंजस बना हुआ है। पहले उम्मीद की जा रही थी कि निकाय चुनाव सितंबर या अक्टूबर में हो सकते हैं, लेकिन ये दोनों माह भी बिना चुनाव के बीत गए है। निकाय चुनाव कराने को लेकर नैनीताल हाई कोर्ट में एक रिट याचिका भी विचाराधीन है, जिस पर सुनवाई चल रही है। निकाय चुनाव पिछले कई महीनों से रुका हुआ है, जिसके चलते राज्य की विपक्षी पार्टी कांग्रेस लगातार राज्य सरकार पर आरोप लगा रही है कि भाजपा चुनाव से बचना चाहती है। नगर निकायों का कार्यकाल गत वर्ष दो दिसंबर को समाप्त होने के बाद जब चुनाव की स्थिति नहीं बन पाई तो निकायों को छह माह के लिए प्रशासकों के हवाले कर दिया गया था। इस अवधि में भी चुनाव न होने पर प्रशासकों का कार्यकाल तीन माह बढ़ाया गया। बीते 30 अगस्त को शासन ने नए बोर्ड का गठन होने तक प्रशासकों का कार्यकाल विस्तारित कर दिया था। निकाय चुनाव से संबंधित प्रकरण हाईकोर्ट में भी विचाराधीन है। शासन ने कोर्ट में कहा था कि 25 अक्टूबर तक चुनाव करा लिए जाएंगे, लेकिन ऐसा संभव नहीं हो पाया है। निकायों में ओबीसी आरक्षण निर्धारण से जुड़ा विषय विधानसभा की प्रवर समिति के हवाले है और समिति को 23 सितंबर तक अपनी रिपोर्ट देनी थी, जो अभी तक नही आई है। इस बीच दो नगर पालिकाओं के नगर निगम में उच्चीकृत होने के साथ ही नगर निगम देहरादून समेत आठ अन्य निकायों में दोबारा से परिसीमन कराया गया है। पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हरीश रावत ने निकाय चुनाव को लेकर राज्य सरकार पर गंभीर सवाल उठाए है, पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत का कहना है कि विधानसभा में बिल पारित होने के बाद प्रवर समिति को मामला भेजना संसदीय परंपराओं की अवमानना है। प्रवर समिति को भेजने से पहले इन्हें नया बिल पेश करना चाहिए था, जिससे स्पष्ट है कि प्रदेश सरकार निकाय चुनाव कराने से डर रही है। उत्तराखंड के 105 में से 102 निकायों में चुनाव कराए जाएंगे। नगर निकाय चुनाव 2011 की जनगणना के आधार पर ही कराए जाएंगे। ओबीसी आरक्षण की सीमा 14 फीसदी ही रहेगी। विधानसभा की प्रवर समिति ने इस बात को लेकर सहमति जता दी है कि सन 2011 की जनगणना के आधार पर जिस तरह सन 2018 के निकाय चुनाव हुए थे, वैसे ही ओबीसी आरक्षण इस बार के चुनाव में भी दिया जाएगा। गैरसैण विधानसभा सत्र के दौरान पेश किए गए नगर निकाय संशोधन विधेयक को प्रवर समिति में भेजा गया था। भाजपा विधायकों की मांग थी कि नगर निकाय संशोधन विधेयक में ओबीसी सर्वे के लिए मानक तय किए जाएं। इससे राज्य से बाहर से आए लोगों को राज्य में ओबीसी का लाभ नहीं मिल पाएगा।

इस पर स्पीकर ने संसदीय कार्यमंत्री प्रेमचंद अग्रवाल की अध्यक्षता में प्रवर समिति बनाई, जिसमें सदस्य के रूप में भाजपा विधायक विनोद चमोली और मुन्ना सिंह चौहान, कांग्रेस विधायक ममता राकेश, हरीश धामी व बसपा विधायक मोहम्मद शहजाद को शामिल किया गया। कांग्रेस ने निकाय चुनाव को लेकर पार्टी को संगठनात्मक दृष्टि से वार्ड स्तर पर मजबूत करने की रणनीति पर काम शुरू कर दिया है। साथ ही नगर निकाय चुनाव को लेकर तैयारियां को अंतिम रूपदिया जा रहा है। हरिद्वार जिले के प्रभारी प्रकाश जोशी ने कार्यकताओं के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि 21 नवंबर बूथ, ब्लॉक से महानगर तक की कमेटियों का गठन कर लिया जायेगा। इसके साथ ही भाजपा सरकार पर निकाय चुनाव टालने के आरोप लगाए।

संक्षिप्त खबरें

कार की टक्कर से बाइक सवार दो लोग घायल

गजरौला। कार की टक्कर से बाइक सवार दो लोग घायल हो गए। एक घायल की हालत गंभीर देख चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर किया। मंडी धनौरा के कटरा मोहल्ला निवासी अमित व उसका पड़ोसी रोहताश बाइक से शनिवार सुबह किसी काम से हापुड़ जा रहे थे। नेशनल हाईवे पर ख्यालीपुर ढाल के निकट पीछे से तेजगति के साथ आई कार ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। बाइक सवार दोनों लोग घायल हो गए। हादसे के बाद आरोपी चालक कार लेकर फरार हो गया। मौके जमा भीड़ ने दोनों घायलों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया। रोहताश की हालत गंभीर देख चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया। घायलों के परिवार वाले भी अस्पताल पहुंच गए थे। इंस्पेक्टर क्राइम जितेंद्र बालियान ने तहरीर मिलने पर जांच व कार्रवाई किए जाने की बात कही।

पिता ने डांटा तो छात्र ने लगा ली फांसी, कमरे में लटका मिला शव

अमरोहाः स्कूल न जाने पर पिता ने डांटा तो कक्षा 10 के छात्र ने फांसी लगाकर जान दे दी। छात्र की मौत से स्वजन में कोहराम मच गया। स्वजन ने बगैर कार्रवाई मृतक का अंतिम संस्कार कर दिया है। मामला देहात थाना क्षेत्र के एक गांव का है। यहां पर किसान का परिवार रहता है। उनका बेटा पास के गांव स्थित इंटर कालेज में कक्षा 10 का छात्र था। शुक्रवार को वह स्कूल नहीं गया था। शाम को पिता को इसकी जानकारी हुई तो उन्होंने बेटे को डांट दिया। उस समय तो मामला शांत हो गया था। रात को खाना खाकर सभी परिजन सो गए। छात्र भी कमरे में जाकर सो गया था। परंतु रात में किसी समय उसने कमरे में बंद होकर फांसी लगा ली। शनिवार सुबह जब बेटा सोकर नहीं उठा तो परिजनों ने कमरे में जाकर देखा। वहां बेटे का शव फंदे पर लटका हुआ था। बेटे की मौत से स्वजन में कोहराम मच गया। उन्होंने पुलिस को सूचना दिए बगैर मृतक का अंतिम संस्कार कर दिया है।

मुख्य मार्ग पर जलभराव से राहगीर परेशान, शिकायत के बाद भी सुनवाई नहीं

रहरा। गंगेश्वरी ब्लॉक क्षेत्र के गांव भावली में मुख्य मार्ग पर जलभराव से राहगीरों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। शिकायत के बावजूद भी समस्या का समाधान न होने से ग्रामीणों में रोष है। ग्रामीणों का कहना है कि गांव में मुख्य मार्ग पर लंबे समय से जलभराव की समस्या बनी हुई है। इस मार्ग से सिरसा कला, मिजार्पुर, काई मुस्तकम मलकपुर आदि गांवों के लोग भी गुजरते हैं। नाली निर्माण के बाद भी समस्या का समाधान नहीं हुआ है। घरों का गंदा पानी सड़क पर भर रहा है। गंदगी की वजह से गांव में बुखार व टाइफाइड जैसी बीमारी भी फैल रही हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि खंड विकास अधिकारी से लेकर क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों से कई बार समस्या निराकरण की गुहार लगाई जा चुकी है, लेकिन किसी ने इस और ध्यान नहीं दिया। अब जिलाधिकारी से समाधान की गुहार लगाई है। गुहार लगाने वालों में सत्यवीर, रतन सिंह, हुक्म सिंह, रामनिवास, राजेश , भगवत, जयपाल, सत्यपाल सिंह, तीर्थपाल , देवराज, हेमराज, राजेंद्र, सतीश, यशोदा, मुनेश, आशा, कौशल, रमेश व महावीर सिंह आदि हैं। उधर, खंड विकास अधिकारी अश्वनी कुमार का कहना है कि जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान कराया जाएगा।

गोदाम में चोरी कर रहे दो बदमाश पकड़े

ग्रेटर नोएडा,। चिपियाना गांव के पास गोदाम में चोरी कर रहे दो बदमाश को रंगे हाथ पकड़ लिया गया। गोदाम पर अचानक मलिक के पहुंचने पर चोर पकड़े गए। इस बीच आसपास मौजूद लोगों ने पकड़े गए चोरों की धुनाई की और पुलिस को सौंप दिया। पुलसि ने पकड़े गए चोरों के पास से गोदाम से चोरी किया गया सामान बरामद किया है। पुलिस के मुताबिक गगन तलवार का चिपियाना बुजुर्ग में गोदाम है। आरोप है कि गोदाम की दीवार फांदकर उसमें दो बदमाश घुस गए। गगन तलवार ने गोदाम में चोरी कर रहे बदमाशों को देख लिया। इस बीच गोदाम मालिक के शोर मचाने पर आसपास मौजूद लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई और दोनों चोरों को धर दबोचा। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच गई और दोनों चोरों को हिरासत में लेकर थाने ले गई। बिसरख कोतवाली प्रभारी ने बताया कि पकड़े गए चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। इनकी पहचान छपरौला निवासी संजय कुमार और कचैड़ा निवासी विपिन के रूप में हुई है। पुलिस द्वारा आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

2047 में भारत को बदल देंगे आज के छात्र : शेखावत

प्रात: किरण, संवाददाता

गुरुग्राम। जीडी गोयनका विश्वविद्यालय ने शनिवार को अपना 10वां दीक्षांत समारोह मनाया गया। इस समारोह में मुख्य अतिथि केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, सम्मानित अतिथि पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं पूर्व सेना प्रमुख जनरल वी. के. सिंह रहे। दोनों अतिथियों ने अपनी शुभकामनाओं के साथ 1491 स्नातकों को डिग्री वितरित की। समारोह में आईटीसी लिमिटेड के पूर्व कार्यकारी निदेशक नकुल आनंद को डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (हॉनरिस कौसा) की उपाधिक प्रदान की गई। अपने संबोधन में गजेंद्र सिंह शेखावत ने स्नातकों से सामाजिक लाभ के लिए अपने ज्ञान का उपयोग करने का आग्रह करते हुए कहा कि आप सभी ने अपने और अपने माता-पिता दोनों के सपनों को साकार करने के लिए कड़ी मेहनत की है। आप वे छात्र हैं जो 2047 में भारत को बदल देंगे। हम सभी भारत के अमृत काल में हैं। छात्रों को बधाई देते हुए जनरल वीके सिंह ने कहा कि मैं सभी स्नातक छात्रों को बधाई देना चाहता हूं। शिक्षा आपको तीन आवश्यक चीजें प्रदान करती है- ज्ञान और कौशल, विवेक और दूसरों का मार्गदर्शन करने की क्षमता। संस्थान छोड के बाद आपको इस बात पर भरोसा करना चाहिए कि आपने क्या सीखा है। आपने जो नींव बनाई है, यदि वह मजबूत है तो आप चुनौतियों से सफलतापूर्वक पार पा सकेंगे। प्रो. (डॉ.) किम मेनेजेस ने कहा कि यह अपने अल्मा मेटर की विरासत को आगे बढ़ाते हुए दुनिया में कदम रखने वाले स्नातकों के एक और समूह को देखना बहुत गर्व का क्षण है। कार्यक्रम का समापन कुलसचिव प्रो. (डॉ.) अनुराधा आर तिवारी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। जीडी गोयनका समूह के प्रबंध निदेशक निपुण गोयनका ने कहा कि आज हमारे छात्रों के जीवन में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण इस उपलब्धि के क्षण में समाप्त हुआ है। जैसे ही वे पेशेवर दुनिया में कदम रखेंगे। उन्हें विश्वास है कि वे उन मूल्यों और उत्कृष्टता को बनाए रखेंगे, जिनके लिए विश्वविद्यालय खड़ा है। कुलपति द्वारा विश्वविद्यालय के मेधावी स्नातकों को पीएचडी, परास्नातक, स्नातक और अन्य डिग्री प्रदान की गईं। और प्रो-चांसलर और कुलपति द्वारा डिग्री के रिकॉर्ड पर हस्ताक्षर किए गए।

गरिमामयी ढंग से मनाया जाएगा संविधान दिवस : हितेश मीणा

- हर साल 26 नवम्बर को मनाया जाता है संविधान दिवस

प्रातः किरण संवाददाता

गुरुग्राम,। देश के लोगों को संविधान के बारे में जागरुक करने के लिए 26 नवंबर का दिन संविधान दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। संवैधानिक मूल्यों की जानकारी देश के हर नागरिक को हो इसके लिए संविधान दिवस के अंतर्गत जिला गुरुग्राम के ग्रामीण क्षेत्रों सहित जिला मुख्यालय पर 26 नवंबर को संविधान दिवस थीम के साथ जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। एडीसी हितेश कुमार मीणा ने संबंधित अधिकारियों को संविधान दिवस के सफल आयोजन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इससे पहले हरियाणा सरकार में मुख्य सचिव विवेक जोशी ने प्रदेश भर के उपायुक्त व विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बातचीत करते हुए रूपरेखा सांझा की। एडीसी ने बताया कि इसी दिन देश ने संविधान को स्वीकार किया था जिसके चलते सामाजिक न्याय मंत्रालय ने 19 नवंबर 2015 को फैसला लेते हुए हर साल 26 नवंबर को देश में संविधान दिवस मनाने का निर्णय लिया। गौरतलब है कि भारतीय संविधान कई सिद्धांतों और दृष्टांतों को समेटे है, जिनके आधार पर देश की सरकार और नागरिकों के लिए मौलिक राजनीतिक सिद्धांत, प्रक्रियाएं, अधिकार, दिशा निर्देश, कानून आदि तय किए गए हैं। एडीसी ने कहा कि सामाजिक सहभागिता के साथ मंगलवार को कार्यक्रम का आयोजन करते हुए भारत सरकार की ओर से दी गई वेबसाइट पर फोटो अपलोड भी की जाए। इन अवसर पर डीईओ इंदु बोकन, डीआईओ विभु कपूर सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

फरीदाबाद : वाहन चोरी करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

प्रात: किरण, संवाददाता

फरीदाबाद,। वाहन चोरी करने के मामले में अपराध शाखा उंचा गांव की टीम ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस प्रवक्ता ने शनिवार को बताया कि भरत कुमार निवासी एसी नगर नीलम बाटा मार्ग नजदीक अंकित प्लाजा फरीदाबाद ने अपनी एक लिखित शिकायत पुलिस चौकी टाउन.नम्बर-3 में दी जिसमें उसने बताया कि वह दशहरा ग्राउंड एनआईटी में रामलीला देखने गया था। जहां से उसकी मोटरसाइकिल चोरी हो गई थी। जिसका मामला थाना एसजीएम नगर में दर्ज किया गया था। मामले में कार्रवाई करते हुए अपराध शाखा उंचा गांव की टीम ने आरोपी सोनू और दीपक को जेल से पुलिस प्रोडक्शन पर लिया गया है। आरोपी सोनू ने थाना आदर्श नगर के चोरी के मामले में खुलासा किया था कि उसने दीपक के साथ मिलकर एक मोटरसाइकिल एन आई टी दशहरा ग्राउंड से चोरी की थी। सोनू चोरी के मामले में तथा दीपक अवैध हथियार के मामले में जेल में बंद है। आरोपियों से पूछताछ में मोटरसाइकिल को दशहरा ग्राउंड बल्लबगढ़ से बरामद कराया है। पूर्व रिकॉर्ड अनुसार आरोपी सोनू पर अवैध हथियार, स्नैचिंग, चोरी व अन्य धाराओं के 14 मामले तथा आरोपी दीपक पर अवैध हथियार, स्नैचिंग, चोरी व अन्य धाराओं के 7 मामले दर्ज है। पूछताछ के बाद दोनों आरोपियों को अदालत में पेश कर जेल भेजा गया है।

चीनी मिल चन्दनपुर ने किया 12 नवम्बर तक का गन्ना भुगतान

- चीनी मील को साफ, ताजा जड़ पत्ती अगोला रहित गन्ना आपूर्ति करे किसानः आमोद कुमार शर्मा

प्रात: किरण संवाददाता, मनोज शर्मा

हसनपुर। त्रिवेणी शुगर मिल चन्दनपुर का पेराई सत्र 2024-25 का शुभारम्भ 04 नवम्बर को विधिवत पूजा अर्चना के साथ प्रारम्भ किया था। चीनी मिल चन्दनपुर द्वारा पेराई सत्र 2024-25 में क्रय केन्द्रों पर 03 नवम्बर से ही गन्ना खरीद का कार्य प्रारम्भ कर दिया था और 03 नवम्बर से 05 नवम्बर तक खरीदे गये समस्त 101730.22 कुं० गन्ना का भुगतान 371.66 लाख रुपये का भुगतान पूर्व में ही कर दिया था और 22 नवम्बर को 12 नवम्बर तक खरीदे गये गन्ने का भुगतान 1696.32 लाख रुपये का समिति के माध्यम से कृषकों के बैंक खातों में भेज दिया गया है। इसी प्रकार चीनी मिल द्वारा समयानुसार भुगतान किया जाता रहेगा। चीनी मिल के उपाध्यक्ष (शुगर) आमोद कुमार शर्मा ने वार्ता के क्रम में अवगत कराया कि गन्ना मूल्य भुगतान में चीनी परता की प्रमुख भूमिका रहती है और वर्तमान में 8.85 प्रतिशत का चीनी परता प्राप्त हो रहा है जो बहुत कम है इसलिये आप सभी कृषक भाईयों से अपील है कि चीनी मिल को साफ, ताजा जड़ पत्ती अगोला रहित गन्ना आपूर्ति करने में अपना सहयोग प्रदान करने का कष्ट करें जिससे आपकी चीनी मिल गतवर्षों की भांति इस वर्ष में भी समय से गन्ना भुगतान करती रहे। इसके अतिरिक्त आप सभी किसान भाईयों से अनुरोध है कि अपना गन्ना औने-पौने दामों में इधर उधर न डालें और कुछ किसान भाई पौधा गन्ना अभी न काटे पौधा गन्ना की आपूर्ति का सही समय फाह फरवरी है। अभी से पौधा गन्ना काटने से आपको भरपूर पैदावार प्राप्त नहीं होगी। हम आपका समस्त पेराई योग्य गन्ना लेने हेतु दृढ़ संकल्प है। उपरोक्त के अतिरिक्त श्री आमोद कुमार शर्मा, उपाध्यक्ष (शुगर) ने यह भी बताया कि गन्ना प्रजाति को० 0238 में रेडरॉट (लाल सड़न) जैसी भयंकर बीमारी आ गई है जिसकी वजह से कृषक भाईयों को उपज के रूप में भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है और चीनी को अभी वांछित चीनी परता भी प्राप्त नहीं हो रहा है इसलिये सभी किसान भाईयों से अनुरोध है कि को0 238 की आपूर्ति के समय रेडरॉट व अन्य बीमारी से ग्रसित गन्ने की छटाई कर अपने खेत में ही अलग कर दें तथा रोग मुक्त गन्ने की आपूर्ति चीनी मिल में करके सहयोग करें ताकि समय से चीनी मिल प्रबन्धन गन्ना भुगतान कर सके। गन्ने की छिलाई दरांती से कर चीनी मिल को साफ ताजा जड़ पत्ती व रोग रहित गन्ना ही आपूर्ति करें तथा चीनी मिल प्रबन्धन द्वारा बताई गई को० 238 के स्थान पर को. 118, को. 98014, को. 15023, को.जा. 85 एवं को.जा. 88 की बुवाई करें और गन्ने की हरी पत्तियां न उतारें।

फरीदाबाद : स्नैचिंग के आरोप में दो गिरफ्तार

प्रातः किरण संवाददाता

फरीदाबाद, । स्नैचिंग के मामले में अपराध शाखा उंचा गांव की टीम ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से मोबाइल फोन बरामद किए है। पुलिस प्रवक्ता ने शनिवार को बताया कि थाना कोतवाली में पवन वासी एन आई टी ने अपने फोन की स्नैचिंग की शिकायत दी जिसमें बताया कि वह 27 फरवरी 2023 को नीलम सिनेमा हाल के सामने खडा था उसी समय दो नौजवान लडके बाइक सवार अचानक आकर मेरे हाथ से मोबाइल छीन कर ले गए। जिसका मामला थाना कोतवाली में दर्ज है। मामले में कार्रवाई करते हुए अपराध शाखा उंचा गांव की टीम ने दोनों आरोपियों को अदालत से पुलिस प्रोडक्शन पर लिया गया है। दोनों आरोपी हासिम और हासिन थाना मुजेसर के स्नैचिंग के मामले में जेल में बंद थे। दोनों आरोपियों ने थाना कोतवाली के मामले का खुलासा थाना मुजेसर के मामले की गिरफ्तारी के दौरान किया था। दोनों आरोपी गांव धोज के रहने वाला है। मोबाईल फोन को हासिम से बरामद किया गया है। पूर्व रिकॉर्ड अनुसार आरोपी हासिम पर स्नैचिंग और चोरी 4 मामले तथा आरोपी हासिन पर स्नैचिंग और चोरी के 6 मामले दर्ज है। दोनों आरोपियो पर थाना मुजेसर, कोतवाली, सेक्टर-58 में मामले दर्ज है। पूछताछ के बाद दोनों आरोपियों को अदालत में पेश कर जेल भेजा गया है।

गुरुग्रामः अब महंगा हो जाएगी कामकाजी महिला आवास में वास

प्रातः किरण संवाददात

- किराये में बढ़ोतरी के साथ सुविधाएं भी बढ़ाई जाएंगी
- वैसे तो कंडम घोषित किया जा चुका है कामकाजी महिला आवास

गुरुग्राम, । रेड क्रॉस सोसायटी की ओर से संचालित किए जा रहे कामकाजी महिला आवास में वास अब महंगा हो जाएगी। सोसायटी की ओर से अब इस आवास का संचालन निजी हाथों में सौंप दिया गया है। एक जनवरी 2025 से प्राइवेट एजेंसी द्वारा कामकाजी महिला आवास को संचालित करना शुरू कर दिया जाएगा। सवाल यह भी उठ रहे हैं कि जब इस आवास की इमारत को पीडब्ल्यूडी द्वारा असुरक्षित घोषित किया जा चुका है तो फिर इसे नया बनाने की बजाय यहां रहने वालों की जान को खतरे में ष्क्यों डाला जा रहा है। 21 अक्टूबर 1984 को सिविल लाइन में कामकाजी महिला आवास शुरू किया गया था। इस आवास में नौकरी करने वाली महिलाओं को ही रहने की अनुमति है। 40 साल पुराने कामकाजी महिला आवास असुरक्षित भी घोषित किया जा चुका है। इसे 40 कमरों से बढ़ाकर 80 कमरों का बनाने के लिए भी योजना तैयार की गई थी, लेकिन कुछ नहीं हुआ। अब इसी पुरानी बिल्डिंग में नई एजेंसी एक जनवरी 2025 से कामकाजी महिला आवास को संचालित करेगी। एजेंसी के.वी. एंटरप्राइजेज यहां पर कमरों के किराए में भी बढ़ोतरी करेगी। जिला रेड क्रॉस सोसायटी द्वारा जारी किए गए पत्र के अनुसार अब से पहले एक कमरे का किराया दो महिलाओं के लिए मिलकर 5 हजार रुपये था। सिंगल महिला के लिए 4 हजार रुपये था। अब एक कमरे में दो महिलाओं के लिए मिलकर किराया 7 हजार रुपये कर दिया गया है। कोई महिला अकेले कमरा लेना चाहती है तो उसे 4 हजार की जगह अब 14 हजार रुपये देने होंगे। इसमें 10 हजार रुपये किराया बढ़ाया गया है। सिक्योरिटी मनी 4 हजार की जगह 7 हजार देनी होगी। कामकाजी महिला आवास में इस समय एक वार्डन, एक स्वीपर व दो गार्ड अनुबंध आधार पर हैं। यानी कोई भी स्टाफ यहां स्थायी नहीं है। जिला रेड क्रॉस सचिव की ओर से जारी पत्र में कहा गया है कि के.वी एंटरप्राइजेज एजेंसी को फिलहाल पांच साल के लिए यह अनुबंध पर आवास दिया गया है। एजेंसी की ओर से यहां पर गीजर, वाईफाई, ग्रोसरी कैंटीन, अच्छी लाइटिंग, कॉमन रूम में एलईडी, डोर मैट्रिक, मैगजीन एरिया बनाया जाएगा। साथ ही यहां रहने वाली महिलाओं को बाहर से आने के लिए समय को बढ़ाकर रात 10 बजे तक किया जा रहा है। कामकाजी महिला आवास में केवल उन महिलाओं को ही रहने की अनुमति होगी, जिनका वेतन 50 हजार रुपये प्रतिमाह से अधिक ना हो। एक महिला को अधिकतम 3 साल तक रहने की अनुमति होगी। कामकाजी महिला को आवास में अपने साथ बच्चों को रखने की अनुमति नहीं। आवास में प्रति बैड किराया 7 हजार रुपये लिया जाएगा। कामकाजी महिला अवाास के संचालन के लिए एजेंसी आउटसोर्स पर कर्मचारी लगाएगी।

महाराष्ट में भाजपा गठबंधन की शानदार जीत पर राज्यमंत्री राजेश नागर ने मिठाई,बांट खुशी का किया इजहार

प्रातः किरण संवाददाता

फरीदाबाद,। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव व उपचुनाव में भाजपा गठबंधन की शानदार जीत पर प्रदेश के राज्यमंत्री राजेश नागर के ग्रेटर फरीदाबाद के भतौला कार्यालय पर मिठाई बांटकर खुशी का इजहार किया। इसे लेकर इलाके से सैकडों की संख्या में भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता राज्यमंत्री राजेश नागर को बधाई देने उनके कार्यालय पहुंच गए। जहां खुशी से झूमे कार्यकताओं ने एक दूसरे से गले लगाकर जीत की बधाई दी। इस मौके पर भाजपा जिन्दाबाद,नरेन्द्र मोदी जिन्दाबाद के नारो से पूरा वातावरण भाजपामय हो गया। कार्यकताओं ने एक दूसरे को गले लगाकर इस जीत की बधाई दी। इस मौके पर राज्यमंत्री राजेश नागर ने कहा कि देश की जनता ने भाजपा सरकार पर विश्वास जताया है। मोदी जी के कुशल नेतृत्व में देश तरक्की की ओर अग्रसर होगा। इस ऐतिहासिक जीत का श्रेय देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व व मागदर्शन को जाता है। महाराष्ट्र की जनता धन्यवाद की पात्र है जिन्होनें विपक्षी पार्टियों को आईना दिखाकर दोबारा भाजपा को गले से लगाया है ताकि देश के साथ साथ महाराष्ट्र भी तरक्की कर सके। नागर ने कहा कि कांग्रेस पार्टी दिशाहीन हो गई है, कांग्रेस पार्टी की गुटबाजी सबके सामने है, जिने लोगों ने कांग्रेस पार्टी को वोट दिया है, वह लोग अब पछता रहे हैं जो अब भाजपा के साथ खड़े हुए हैं।,उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के कुशल नेतृत्व में भाजपा पार्टी ही देश और प्रदेश का विकास करेगी। भाजपा का एक ही नारा है सबका साथ,सबका विकास और सबका विश्वास जिसे जनता अच्छी तरह जान चुकी है तभी तो जनता ने विपक्षी पार्टियों को करारा जबाव दिया है। प्रदेश में सदस्यता अभियान में जिस तरह जनता भाजपा में शामिल होकर रूचि दिखा रही है, उससे साफ जाहिर है कि अब देश व प्रदेश में भाजपा ही एकमात्र पार्टी है, जो देश की जनता का भला करेगी। इस दौरान राज्यमंत्री राजेश नागर ने इलाके से आए सैकडों लोगों की अपने कार्यालय पर उनकी समस्याएं सुनी तथा मौके पर ही निदान किया।

पुलिस कमिश्नरी को घेरने का ऐलान

प्रात: किरण संवाददाता

नोएडा, । भीकनपुर गांव का प्रकरण लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। इस मामले में स्वर्ण समाज की पंचायत के बाद अब आजाद समाज पार्टी ने 26 नवंबर को पुलिस कमिश्नरी के घेराव का ऐलान किया है।

आजाद समाज पार्टी के जिलाध्यक्ष प्रधान सुशील नागर का दावा है कि दलित युवक की हत्या के मामले में आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और पीड़ितो को न्याय दिलाने की मांग को लेकर आजाद समाज पार्टी तथा भीम आर्मी के कार्यकर्ता 26 नवंबर को नोएडा की पुलिस कमिश्नरी का घेराव करेंगे।

नोएडा में पुलिस कमिश्नरी का यह घेराव तब तक चलेगा, जब तक भीकनपुर गांव के दलित समाज को पूरी तरह से न्याय नहीं मिल जाता।

सुशील नागर ने कहा कि ग्रेटर नोएडा क्षेत्र के भीकनपुर गांव में दलित समाज के साथ अन्याय हुआ है।

गांव के कमल जाटव की बिना किसी कारण के दबंगों ने हत्या कर दी।

इस हत्याकांड में दलित परिवार को अब तक न्याय नहीं मिला है।

19 नवंबर को आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चन्द्रशेखर आजाद भीकनपुर गांव में आए थे।

उनकी मांग थी कि कमल जाटव के सभी हत्यारों को तुरंत गिरफ्तार किया जाए।

पीड़ित परिवार को उचित आर्थिक मुआवजा दिया जाए।

पीड़ित परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाए। साथ ही, घायलों को तुरंत आर्थिक मदद की जाए।

इसके लिए 25 नवंबर तक का समय दिया गया था।

आजाद समाज पार्टी की एक भी मांग अब तक पूरी नहीं हुई है।

इसी कारण आजाद समाज पार्टी तथा भीम आर्मी ने 26 नवंबर को नोएडा के सेक्टर-108 में स्थित पुलिस कमिश्नरी का घेराव करने की घोषणा कर दी है।

उन्होंने दावा किया कि नोएडा की पुलिस कमिश्नरी का घेराव करने बड़ी संख्या में दलित समाज और अन्य समाज के लोग आएंगे।

आध्यात्मिकता जीवन यात्रा को बनाती है बेहतर और सुगम : रघु श्रीनिवासन

- भारतीय सेना एवं सुरक्षा बलों के अधिकारियों तथा जवानों के लिए तीन दिवसीय सेल्फ एंपावरमेंट कार्यक्रम का शुभारम्भ

प्रात: किरण संवाददाता

गुरुग्राम, । आध्यात्मिकता हमारी जीवन यात्रा को बेहतर और सुगम बनाती है। आध्यात्मिकता में सामाजिक हित स्वतः ही समाया हुआ है। यह बात लेफ्टीनेंट जनरल डी.जी. बीआरओ रघु श्रीनिवासन ने कही। वे शनिवार को ब्रह्माकुमारीज के ओम शांति रिट्रीट सेंटर में सेना एवं सुरक्षा बलों के अधिकारियों तथा जवानों के लिए आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे। संस्था के सुरक्षा सेवा प्रभाग द्वारा सेल्फ एंपावरमेंट विषय पर आयोजित डायलॉग के उद्घाटन सत्र में बोलते हुए लेफ्ट. जनरल श्रीनिवासन ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज से उनका काफी पुराना संपर्क है। उनके पिताजी भी नौसेना अधिकारी के रूप से संस्था के मुख्यालय माउंट आबू गए थे। उन्होंने कहा कि यहां आने से ही एक नई ऊर्जा का संचार होता है। भारतीय नौसेना के पूर्व वाइस एडमिरल एस.एन. घोरमडे ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज संस्था हमें अपने ही भीतर के शत्रुओं से लड सिखाती है। उन्होंने कहा कि संस्था में महिलाओं को उचित सम्मान दिया जाता है। एडमिरल घोरमडे ने कहा कि वो पिछले कई वर्षों से वो राजयोग का अभ्यास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राजयोग हमें सहज ही अनुशासित करता है। योग से एक ऐसा आत्मबल पैदा होता है जो परिस्थितियों से सामना करने की शक्ति देता है। आरएएफ के महानिरीक्षक सुनील जून ने कहा कि स्वयं को जानने से बहुत सी समस्याओं का हल अपने आप ही हो जाता है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा बलों के सामने आज बहुत सी चुनौतियां हैं। जिनका सामना में ब्रह्माकुमारीज संस्था द्वारा सिखाए जा रहे राजयोग से आसानी से हो जाता है। सीनियर ज्वाइंट सीजीडीए मौसमी रुद्र ने कहा कि आत्म सशक्तिकरण के लिए ये जगह वरदानी है।

सुषमा स्वराज पुरस्कार के लिए पात्र महिलाएं करें 2 दिसंबर 2024 तक आवेदन : डीसी

प्रात : किरण संवाददाता

फरीदाबाद,। डीसी विक्रम सिंह के बताया कि महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा महिलाओं एवं बच्चों के कल्याण के लिए अनेक योजनायें चलायी जा रही हैं। इसी कड़ी में विभाग ने विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धियां हासिल करने वाली महिलाओं को सुषमा स्वराज पुरुस्कार देने के लिए 2 दिसम्बर 2024 तक आवेदन मांगे हैं। ये पुरुस्कार अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 8 मार्च 2025 को दिया जायेगा। डीसी ने बताया कि राज्य द्वारा राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धियां हासिल करने वाली व महत्वपूर्ण योगदान देने वाली महिलाओं को सुषमा स्वराज पुरस्कार प्रदान किया जाता है। इस पुरस्कार में 5 लाख रुपए नकद, एक प्रशस्ति पत्र और एक शाल शामिल है। जिला कार्यक्रम अधिकारी मीनाक्षी चौधरी ने बताया कि आवेदक का जन्म हरियाणा में हुआ हो और महिलाओं के हित के लिए कम करती हो। नामांकन करने के दौरान नामांकित व्यक्ति जीवित होना चाहिए। पात्र महिलाएं जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग फरीदाबाद, कमरा नंबर 205-ए, लेबर कोर्ट सेक्टर 12, फरीदाबाद कार्यालय में 02 दिसम्बर 2024 तक स्वयं उपस्थित होकर विभाग द्वारा निर्धारित प्रोफार्मा अनुसार आवेदन करें। आवेदन के नियम विभाग की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

संक्षिप्त खबरें

ऑटो और स्कूटी की भिड़ंत में युवक की मौत

मुरादनगर, । रावली-सुराना मार्ग पर गांव काकड़ा स्थित फार्म हाउस के सामने तेज रफ्तार ऑटो और स्कूटी की भिड़ंत हो गई। हादसे में स्कूटी सवार युवक की मौत हो गई। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। मेरठ के जाकिर कॉलोनी निवासी 30 वर्षीय शाहबाज पुत्र सैफूद्दीन की गांव रावली कला में ससुराल है। बताया जा रहा है कि उसकी पत्नी गांव रावली में मायके आई है। शुक्रवार रात नौ बजे के आसपास शाहबाज स्कूटी से मेरठ से गांव रावली कलां जा रहा था। जब वह गांव काकड़ा स्थित एक फार्म हाउस के सामने पहुंचा तो सामने से आ रहे तेज रफ्तार ऑटो से भिड़ंत हो गई। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शाहबाज को सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। एसीपी का कहना है कि मामले में शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर आरोपी ऑटो चालक की तलाश की जा रही है।

दीवार बनाने के विवाद में पड़ोसियों ने ईंट से प्रहार कर सिर फोड़ा

ट्रांस हिंडन, । खोड़ा थाना क्षेत्र स्थित आदर्शनगर में मकान की दीवार बनाने को लेकर पड़ोसियों से विवाद हो गया। इस दौरान पड़ोसियों ने ईंट से प्रहार कर सिर फोड़ दिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर कई लोगों को हिरासत में लिया है। घटना को लेकर उनसे पूछताछ की जा रही है। आदर्शनगर खोड़ा निवासी युवति प्रतिभा दास ने पड़ोस में रहने वाले विपिन, पिंटू, महेंद्र व अजय के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। प्रतिभा के अनुसार 22 नवंबर क रात लगभग नौ बजे वह लोग अपने मकान की दीवार बना रहे थे। इसी दौरान उपरोक्त लोगों ने एक राय होकर उसके पिता वरूण दास पर हमला कर दिया और मारपीट करते हुए ईंट से प्रहार कर सिर फोड़ दिया। खोड़ा पुलिस का कहना है कि घायल वरूण बेटी व पत्नी के साथ निजी कंपनी में नौकरी करता है। उसने अपना 25 गज का मकान बेचा था और शेष हिस्से में वह दीवार बना रहा था। दीवार बनाने को लेकर ही उस पर उपरोक्त लोगों ने हमला कर दिया। पीड़ित की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर कई आरोपियों को हिरासत में ले लिया गया है और उसने घटना के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

चलती बस में वैज्ञानिक के बैग से लैपटॉप चोरी

मोदीनगर, । जिला मुजफ्फरनगर के कस्बा जानसठ निवासी नितिन कुमार कस्बा निवाड़ी स्थित विधि विज्ञान प्रयोगशाला में वैज्ञानिक हैं। वह मोदीनगर की कावेरी कॉलोनी में रहते हैं। उन्होंने मोदीनगर थाने में दी गई तहरीर में बताया कि 21 नवंबर को वह गोविंदपुरी से राज चौपला तक बस में बैठकर आ रहे थे। इसी बीच किसी ने बैग से लैपटॉप चोरी कर लिया। इसके बाद उन्होंने थाने में केस दर्ज कराया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

बारातियों पर पड़ोसियों ने किया हमला, पांच घायल

ट्रांस हिंडन, । लिंकरोड थाना क्षेत्र में शुक्रवार रात शादी समारोह के दौरान बराती शराब पीकर आपस में भिड़ गए। इस दौरान लड़की पक्ष के पड़ोस में रहने वाले लोगों ने बारातियों पर हमला कर दिया। इसमें महिला समेत पांच लोग घायल हो गए। पुलिस ने दो आरोपियों को हिरासत में ले लिया। घटना शुक्रवार रात कड़कड़ मॉडल गांव निवासी शिव कुमार की बेटी की शादी के दौरान हुई। फरीदाबाद से बारात आई थी। पुलिस के अनुसार, रात करीब तीन बजे बारात में आए लोग शराब पीकर आपस में मारपीट करने लगे। शोर-शराबा सुनकर लड़की पक्ष के पास रहने वाले दुर्गेश उर्फ सनी और सोनू मौके पर पहुंचे। उन्होंने वर पक्ष के आपसी विवाद को वधू पक्ष पर हमला समझ लिया और बारातियों से मारपीट शुरू कर दी। हमले में वर पक्ष के 22 वर्षीय विक्की कुमार पुत्र राजेश, 55 वर्षीय चंद्रका, धीरज, सुमित पुत्र चंद्रका और जयमाला घायल हो गए। पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को इलाज के लिए मैक्स अस्पताल ले गई। विक्की की गंभीर हालत को देखते हुए उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। लिंकरोड पुलिस ने हमले में शामिल दुर्गेश और सोनू को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। घायल पक्ष की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कार में टक्कर मारकर महिला चालक फरार

नोएडा, । सेक्टर-93 निवासी उदय अरोड़ा 21 नवंबर की सुबह अपने चाचा की कार से दिल्ली जा रहे थे। एक्सप्रेसवे पर नोएडा नंबर की कार से एक महिला चालक आई और उनकी कार में पीछे से टक्कर मार दी। कार को काफी नुकसान हुआ।

अमृतधारी बच्ची को ककार पहनने के कारण परीक्षा में न बैठने देने के लिए सरकार ने माफी मांगी: हरमीत सिंह

प्रात: किरण, संवाददाता

नई दिल्ली, । दिल्ली हाई कोर्ट ने सिख ककार धारण करने के कारण युवा सिख लड़की मेहरलीन कौर को पेपर देने से रोकने पर दिल्ली सबऑर्डिनेट सर्विसेज सिलेक्शन बोर्ड (डीएसएसएसबी) पर सांकेतिक मुआवजा लगाया है और बोर्ड ने अदालत में सिख लड़की से लिखित माफी भी मांगी है। यह बयान दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष सरदार हरमीत सिंह कालका और जनरल सेक्रेटरी सरदार जगदीप सिंह काहलो ने दिया है।

इस मामले की जानकारी देते हुए सरदार कालका और सरदार काहलो ने बताया कि यह मामला 2021 का है, जब अमृतधारी सिख लड़की को सिख ककार धारण करने के कारण परीक्षा देने से रोका गया था। दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी के लीगल सेल ने सरदार जगदीप सिंह काहलोन के दिशा-निदेशों में यह केस दिल्ली हाई कोर्ट में लड़ा और आज इसमें बड़ी सफलता हासिल की है।

उन्होंने बताया कि यह ऐतिहासिक पल है, जब हाई कोर्ट ने दिल्ली एसएसएस बोर्ड को निर्देशित किया कि एक सीट खाली रखकर लड़की की परीक्षा दोबारा ली जाए और लड़की की परीक्षा फिर से ली गई। उन्होंने बताया कि दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी ने हाई कोर्ट से यह भी अपील की थी कि दिल्ली एसएसएस बोर्ड अपने रवैये के लिए लिखित माफी मांगे और इसे सांकेतिक मुआवजा भी लगाया जाए। उन्होंने बताया कि बोर्ड ने अदालत में हलफनामा दाखिल कर लिखित माफी मांगी है और हाई कोर्ट ने बोर्ड पर 101 रुपये का सांकेतिक मुआवजभी लगाया है।उन्होंने कहा कि दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी सिख विद्यार्थियों के हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है और न केवल दिल्ली में, बल्कि देश और दुनिया में जहां भी सिख विद्यार्थियों को समस्याओं का सामना करना पड़े, दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी हमेशा उनके अधिकारों की रक्षा करेगी और कानूनी कार्रवाई सहित जो भी कदम आवश्यक होंगे, उठाएगी।

उन्होंने कहा कि सिख ककार धारण करना सिख विद्यार्थियों का संवैधानिक अधिकार है और हम यह अधिकार किसी से भी छीनने नहीं देंगे।

उन्होंने कहा कि दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी कभी भी अपने कर्तव्यों से पीछे नहीं हटेगी और हमेशा पंथ और कौम के लिए काम करती रहेगी।

कंपनी के रिपोर्टिंग मैनेजर ने महिला कर्मचारी के साथ की अश्लील हरकत, मुकदमा दर्ज

प्रात: किरण, संवाददाता

नोएडा, । थाना सेक्टर-63 में एक व्यक्ति ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उसकी पत्नी सेक्टर-63 स्थित एक कंपनी में काम करती है।

वहां के रिपोर्टिंग मैनेजर ने उसकी पत्नी के साथ अश्लील हरकत की, तथा कार्य स्थल पर सेक्सुअल हैरेसमेंट किया। पीड़ित की शिकायत पर घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पुलिस उपायुक्त महिला सुरक्षा सुनीति ने बताया कि एक व्यक्ति ने थाना सेक्टर-63 में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उसकी पत्नी सेक्टर-63 स्थित एक कंपनी में काम करती है।

पीड़ित के अनुसार उसकी पत्नी के रिपोर्टिंग मैनेजर दिलीप कुमार अवस्थी ने उसके साथ काफी दिनों तक सेक्सुअल हैरेसमेंट किया।

उन्होंने बताया कि पीड़िता के पति के अनुसार उसकी पत्नी 23-24 फरवरी वर्ष 2024 को ऑफिशियल ट्रिप पर गुड़गांव गई थी।

रिपोर्टिंग मैनेजर दिलीप अवस्थी ने नोएडा से गुरुग्राम जाते समय कार में गंदे गाने बजाए तथा अश्लील वीडियो चलाई। कार में कुछ और लोग भी बैठे थे।

पीड़ित का आरोप है कि 16 अप्रैल 2024 को उसकी पत्नी के बिना सहमति के दिलीप ने उसकी फोटो खींची तथा छोटे कपड़े पहनने के लिए बाध्य किया।

उसके बारे में अभद्र टिप्पणी की।

पीड़ित के अनुसार कंपनी के वार्षिक समारोह के समय बार-बार आरोपी दिलीप कुमार द्वारा उसकी पत्नी से कहा गया कि वह उससे कंपनी के बाहर या उसके फ्लैट पर आकर मिले।

जब उसकी पत्नी ने इससे इंकार किया तो उसने उसके काम को गलत बताया तथा उसपर लगातार मिलने के लिए दबाव बनाता रहा।

पीड़ित के अनुसार आरोपी ने 13 जून को उसकी पत्नी के साथ मीटिंग रूम में तथा लिफ्ट में भी अश्लील हरकत की। उन्होंने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

युवक के साथ मारपीट, तीन के खिलाफ मुकदमा दर्ज

प्रात: किरण, संवाददाता

ग्रेटर नोएडा, । पुराना हैबतपुर गांव के पास साईं उपवन सोसाइटी में एक युवक के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़ित का आरोप है कि बिना वजह तीन लोगों ने मिलकर उसके साथ लाठी-डंडे से मारपीट की। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। पुलिस के मुताबिक साईं उपवन सोसाइटी में फैजल परिवार के साथ रहता है। फैजल ने पुलिस को बताया कि शुक्रवार को वह किसी काम से घर से बाहर की तरफ जा रहा था। इसी बीच रास्ते में सागर, सरफराज व टीपू ने मिलकर उसके साथ मारपीट की। मामूली कहासुनी के दौरान फैजल पर आरोपियों ने हमला किया। मारपीट के दौरान फैजल को गंभीर चोट आई। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

उपचुनाव में बसपा समेत 12 प्रत्याशियों की जमानत जब्त

- भाजपा प्रत्याशी पहले, सपा के सिंहराज जाटव दूसरे स्थान पर रहे
- बसपा के पीएन गर्ग 10,736 वोट लेकर तीसरे स्थान पर रहे

गाजियाबाद, । सदर सीट पर हुए उपचुनाव में बसपा समेत 12 प्रत्याशियों की जमानत जब्त हो गई। भाजपा के संजीव शर्मा ने जीत दर्ज की। सपा के सिंहराज जाटव दूसरे स्थान पर रहे। बसपा के पीएन गर्ग 10,736 वोट लेकर तीसरे स्थान पर रहे। सम्राट मिहिर भोज समाज पार्टी के प्रत्याशी को महज 89 वोट मिले और वह 14वें स्थान पर रहे। उपचुनाव में कुल 14 उम्मीदवार मैदान में उतरे थे। 20 नवंबर को चुनाव हुआ। सदर सीट पर कुल 4,61,644 लाख मतदाता हैं। इनमें से केवल 1,53,747 मतदाताओं ने ही वोट किया था। इस तरह 33.30 फीसदी वोट पड़ा। चुनाव प्रचार के दौरान सभी प्रत्याशी जीत का दावा कर रहे थे। शनिवार को गोविन्दपुरम स्थित मंडी में मतगणना हुई। भाजपा प्रत्याशी संजीव शर्मा ने जीत दर्ज की। समाजवादी पार्टी के सिंहराज जाटव 27595 वोट लेकर दूसरे स्थान पर रहे।

वह दो हजार अधिक वोट लेकर अपनी जमानत बचा सके।

बसपा प्रत्याशी पीएन गर्ग भी ज्यादा कमाल नहीं कर सके।बसपा प्रत्याशी को 10736 वोट मिले और उनकी जमानत जब्त हो गई। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहाद-उल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के रवि कुमार 6536 वोट लेकर चौथे स्थान पर रहे।

आजाद समाज पार्टी के सत्यपाल चौधरी 6304 वोट लेकर पांचवें स्थान पर रहे। हिन्दुस्तान निर्माण दल की पूनम 3676 वोट लेकर छठे स्थान पर रही।

निर्दलीय प्रत्याशी शमशेर राणा को 251 वोट मिले और वह सातवें स्थान पर रहे।

निर्दलीय प्रत्याशी विनय कुमार शर्मा 250 वोट लेकर आठवें स्थान पर रहे।

निर्दलीय प्रत्याशी रूपेश चंद्र 226 वोट लेकर नौवें और गयादीन अहीरवार 174 वोट लेकर दसवें स्थान पर रहे।

रविकुमार पांचाल को 131 वोट मिले और वह 11वें स्थान पर रहे। धर्मेंद्र सिंह 99 वोट लेकर 12वें, मिथुन जायसवाल 99 वोट लेकर 13वें और पवन कुमार 89 वोट लेकर 14वें स्थान पर रहे। ईवीएम में खराबी होने से 26वें चक्र में गिनती पूरी हुई मतगणना के लिए 21 टेबल लगाई गई।

इसके लिए गोविन्दपुरम स्थित मंडी में हॉल बनाया गया था।

हॉल के दोनों ओर टेबल लगाई गई। एक बार में एक टेबल पर एक ईवीएम रही।

उसकी गिनती पूरी होने के बाद ही स्ट्रांग रूम से दूसरी ईवीएम लाई गई।

हर टेबल पर तीन कर्मचारी और एक माइक्रो ऑब्जर्वर तैनात रहा।

मतगणना की वीडियोग्राफी की गई।

मतगणना हॉल में सीसीटीवी भी लगाए गए थे।

20 टेबल के लिए 80 कर्मचारियों को तैनात किया गया है।

टेबल के चारों ओर सभी प्रत्याशियों को एक-एक एजेंट के लिए जगह दी।

25 चक्र में मतगणना पूरी होनी थी लेकिन एक ईवीएम में खराबी होने से उसकी गिनती 26वें चक्र कराई गई।

गौ -हत्या में शामिल शातिर बदमाश ने पुलिस पर चलाई गोली

प्रात: किरण, संवाददाता

नोएडा, । थाना बीटा-टू पुलिस ने एक मुठभेड़ के दौरान एक शातिर बदमाश को गिरफ्तार किया है। पुलिस द्वारा चलाई गई गोली उसके पैर में लगी है। यह बदमाश गो-वध के मामले में फरार चल रहा था। पुलिस इसके अन्य साथियों की तलाश कर रही है। अपर पुलिस उपायुक्त (जोन तृतीय) अशोक कुमार सिंह ने बताया कि थाना बीटा टू-दो पुलिस पी-3 गोल चक्कर के पास चैकिंग कर रही थी, तभी एक व्यक्ति मोटरसाइकिल पर सवार होकर आता हुआ दिखाई दिया। शक होने पर पुलिस ने उसे रूकने का इशारा किया। वह रूकने की बजाए वहां से भागने लगा। पुलिस ने उसका पीछा किया तो उसने मोटरसाइकिल से उतरकर पुलिस पार्टी पर जान से मारने की नीयत से गोली चला दी। उन्होंने बताया की जवाबी कार्रवाई करते हुए पुलिस ने भी गोली चलाई। पुलिस द्वारा चलाई गई गोली आलम पुत्र हारून निवासी जनपद फरीदाबाद हरियाणा उम्र 27 वर्ष के पैर में लगी है। उन्होंने बताया कि घायल बदमाश को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। अपर उपायुक्त ने बताया कि इसके पास से पुलिस ने चोरी की एक मोटरसाइकिल, देसी तमंचा और कारतूस बरामद किया है। उन्होंने बताया कि बीते 12 नवंबर को थाना बीटा-जो क्षेत्र के पी-3 गोल चक्कर के पास एक कंटेनर मिला था। जिसमें 21 गोवंश ठुस-ठुस कर भरे हुए थे। उन्होंने बताया कि सूचना पाकर काफी लोग मौके पर पहुंच गया, तथा पुलिस को सूचना दी। कैंटर चालक कैंटर को मौके पर छोड़कर भाग गया था। कैंटर से 21 गोवंश को निकालकर सेक्टर-146 स्थित एक गौशाला में पहुंचाया गया, जिसमें तेरह गाय मृत पाई गई जबकि आठ गए जिंदा थी। उन्होंने बताया कि इस मामले में विकास कसाना ने थाना बीटा-दो में मुकदमा दर्ज करवाया था।

संजीव को मत फीसदी के हिसाब से मिली गाजियाबाद की सबसे बड़ी जीत

संजीव शर्मा ने निकटतम प्रतिद्वंदी को 71.54 वोट से हराया

- इससे पहले अतुल गर्ग के नाम था सबसे बड़ी जीत का रिकॉर्ड

प्रात: किरण, संवाददाता

गाजियाबाद, । उपचुनाव 2024 में गाजियाबाद सीट पर जीत के साथ भाजपा के संजीव शर्मा के नाम गाजियाबाद के इतिहास में सबसे बड़ी विधानसभा जीत का रिकॉर्ड भी दर्ज हो गया। उन्होंने 71.54 फीसदी वोट से अपने निकटतम प्रतिद्वंदी सिंह राज जाटव को हराया है।इसके साथ ही भाजपा ने इस सीट पर दूसरी हैट्रिक का भी रिकॉर्ड बना लिया। चुनाव में वोटों की संख्या तो संबंधित विधानसभा, लोकसभा या निकाय के क्षेत्र और मतदाताओं की संख्या पर निर्भर करती है। इसीलिए जीत का अंतर वोट फीसदी के आधार पर ज्यादा महत्व रखता है। देश की आजादी के बाद हुए चुनावों में कांग्रेस की लहर थी और पहले ही चुनाव में गाजियाबाद नार्थ ईस्ट सीट से कांग्रेस के विचित्र नारायण ने 1952 में निर्दलीय भगवान दास को 66.91 फीसदी वोट से हराया था। पहले ही चुनाव में बना रिकॉर्ड साल 2022 तक कायम रहा। 2022 में भाजपा ने अतुल गर्ग को टिकट दिया और उन्होंने कांग्रेस के विशाल वर्मा को 70.26 फीसदी वोट से हराकर 70 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा था। मगर उनका रिकॉर्ड पांच साल भी नहीं चला क्योंकि भाजपा ने 2024 में अतुल गर्ग को सांसदी का टिकट दिया, जिसे वह जीत गए। इसीलिए गाजियाबाद सीट पर अब उपचुनाव हुए, जिसमें संजीव शर्मा ने 71.54 फीसदी वोटों से जीत हासिल कर विधायकी के साथ सबसे बड़ी जीत का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया। गाजियाबाद सीट पर दूसरी हैट्रिक आजादी के बाद 1952 में पहली बार प्रदेश में विधानसभा चुनाव हुए थे। उस समय आज की गाजियाबाद सदर सीट को गाजियाबाद नॉर्थ वेस्ट नाम दिया गया था। पहले चुनाव में कांग्रेस के तेजा सिंह ने निर्दलीय शंकर लाल को हराया था। 1957 के दूसरे चुनाव में इस सीट का नाम गाजियाबाद हो गया और दूसरी बार भी कांग्रेस के तेजा सिंह को जीत मिली। 1962 के तीसरे चुनाव में भी गाजियाबाद के मतदाताओं ने कांग्रेस के चुनाव चिह्न पर मैदान में उतरे तेजा सिंह को अपना विधायक चुना था। 1991 में भाजपा के चुनाव चिह्न पर दूसरी बार इस सीट से मैदान में उतरे बालेश्वर त्यागी ने जनता दल के अनूप सिंह को हराकर पहली जीत दर्ज की। 1993 और 1996 में भी बालेश्वर त्यागी को गाजियाबाद के मतदाताओं ने अपना विधायक चुना।

दूसरी हैट्रिक भाजपा ने 2017, 2022 व 2024 के उपचुनाव को जीतकर पूरी की। वहीं सपा-बसपा को इस सीट पर सिर्फ एक-एक जीत मिली है।

बसपा को परिसीमन के बाद सुरेश बंसल ने जिताया था, जबकि 2004 के उपचुनाव में सुरेंद्र कुमार मुन्नी ने सपा का खाता खुलवाया था।

प्रदूषण के चलते लोगों का पार्कों में आना कम हुआ

प्रात: किरण, संवाददाता

नोएडा, । शहर में बढ़ते प्रदूषण के कारण लोगों ने पार्कों में आना में कर दिया है।

वहीं, पार्क में नियमित रूप से आने वाले कुछ लोग अचानक स्वास्थ्य खराब होने की वजह से नहीं आ पा रहे हैं।

लोगों का कहना है कि डॉक्टर ने नियमित सुबह की सैर करने की सलाह दी है।

प्रदूषण के स्तर को देखते हुए निर्णय नहीं ले पा रहे हैं कि पार्क में जाए या नहीं जाए।

सेक्टर-100 के सेंट्रल पार्क में प्रदूषण शुरू होने से पहले औसतन सौ लोग पार्क में घुमने आते थे।

पार्क में युवा भी दौड़ लगाने आया करते थे, लेकिन एकाएक प्रदूषण का स्तर बढ़ने से लोगों ने आना बंद कर दिया।

अब चुनिंदा लोग ही पार्क में घूमने आ रहे हैं।

आरडब्ल्यूए के सचिव महेंद्र नागर ने बताया कि वह नियमित रूप से पार्क में जाते हैं।

पूर्व की तुलना में पार्क में आने वाले लोगों की संख्या काफी कम हो गई है।

अब केवल ईश्वर प्रधान, प्रदीप चौहान, योगेंद्र चौधरी, तेज सिंह भड़ाना, जितेंद्र डॉक और सुनील चौहान आदि लोग ही नियमित रूप से आ रहे हैं। वहीं, कपिल अवाना भी पार्क में नियमित आते थे, प्रदूषण की वजह से उनका गला खराब हो गया। इस वजह से पार्क में नहीं आ रहे हैं। वहीं सेक्टर-105 के प्लस पार्क में भी नियमित रूप से आने वाले लोगों की संख्या में भारी गिरावट आई है। लोग घरों से देर से ही पार्क में हटने के लिए निकल रहे हैं।

नियमित रूप से आने वाले बिल्लू चौहान और ओमवीर बंसल ने बताया कि बढ़ते प्रदूषण ने लोगों की दिनचर्या प्रभावित कर दी है।

सेक्टर-47 के सेंट्रल पार्क में भी सुबह के समय सहर करने वाले लोगों की संख्या में कमी आई है।

पार्क में नियमित रूप से आने वाली वीके कौशिक ने बताया कि पार्क में अब समिति संख्या में ही लोग घुमने आ रहे हैं।

एनसीआर के दो शातिर लूटेरे पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार, एक के पैर में लगी गोली, दूसरे को घेराबंदी कर पकड़ा

प्रात: किरण, संवाददाता

नोएडा, । थाना एक्सप्रेसवे पुलिस ने एक मुठभेड़ के दौरान तो शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस द्वारा चलाई गई गोली एक बदमाश के पैर में लगी है। उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला है कि इन बदमाशों ने लूटपाट और चोरी की कई वारदातें की है। अपर पुलिस उपायुक्त (जोन प्रथम) मनीष कुमार मिश्रा ने बताया कि थाना एक्सप्रेस वे पुलिस आज सुबह को छपरौली गोल चक्कर के पास चेकिंग कर रही थी, तभी बाइक पर सवार होकर दो बदमाश आते हुए दिखाई दिए। पुलिस ने शक होने पर उन्हें रुकने का इशारा किया। उन्होंने बताया कि बदमाश रुकने की बजाए भागने लगे। शक होने पर पुलिस ने उनका पीछा किया। उन्होंने बताया कि कुछ दूर जाकर बदमाशों की मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर गिर गई। अपर उपायुक्त ने बताया कि अपने आप को पुलिस से घिरा हुआ देख बदमाशों ने पुलिस पार्टी पर जान से मारने की नीयत से ताबड़तोड़ गोली चला दी। उन्होंने बताया की जवाबी कार्रवाई करते हुए पुलिस ने भी गोली चलाई। पुलिस द्वारा चलाई गई गोली एक बदमाश नितिन पुत्र सुशील उम्र 22 वर्ष निवासी नंद ग्राम जनपद गाजियाबाद के पैर में लगी है। उन्होंने बताया कि इसका दूसरा साथी मोहन उर्फ मोनू पुत्र बृजपाल निवासी जनपद बागपत उम्र 24 वर्ष मौके से भाग गया था। पुलिस ने पीछा करके उसे पकड़ लिया है। उन्होंने बताया कि इन बदमाशों के पास से पुलिस ने देसी तमंचा, कारतूस, घटना में प्रयुक्त होने वाली मोटरसाइकिल विभिन्न जगहों से लूटे हुए पांच मोबाइल फोन आदि बरामद किया है। पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला है कि मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार बदमाशों ने एनसीआर में लूटपाट और चोरी की कई वारदातें की है। दोनों बदमाशों के खिलाफ गाजियाबाद और गौतम बुद्ध नगर के थानों में विभिन्न मामलों में 10 मुकदमे दर्ज हैं।

पंजाब के गैंगस्टर परिवार ने सच्चाई छुपाकर बेटी की रचाई शादी, थाने में दर्ज हुआ मुकदमा

प्रात: किरण, संवाददाता

नोएडा, । थाना फेस-दो में एक व्यक्ति ने 6 लोगों को नामित करते हुए धोखाधड़ी सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़ित का आरोप है कि उसकी बहू के परिवार पक्ष के लोगों ने अपने आपराधिक इतिहास को छुपाकर उसके बेटे की शादी अपनी बेटी से करवा दी। थाना फेस-2 के प्रभारी निरीक्षक विंध्याचल तिवारी ने बताया कि भारत आनंद निवासी सेक्टर-93 ने थाने में अपनी बहू कोमल डोडा, बहू के परिजन अमित डोडा, आरुषि डोडा, सुमित डोडा, प्रवीण अरोड़ा तथा एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ धोखाधड़ी सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज करवाया है। उन्होंने बताया कि पीड़ित का आरोप है कि वह अपने बेटे अभिमन्यू आनंद का विवाह करना चाह रहे थे। एक मैरिज ब्यूरो चलाने वाले प्रवीण अरोड़ा द्वारा चंडीगढ़ से एक रिश्ता बताया गया, तथा लड़की को बेहद सुशील व उसके परिवार को सामाजिक शांतिप्रिय व व्यापारी वर्ग का होना बताया गया। उन्होंने बिचौलिए की बात पर विश्वास कर डोडा परिवार से रिश्ता जोड़ने का निर्णय लिया, तथा लड़की को देखने और उसके परिजनों से मिलने के लिए वे लोग चंडीगढ़ के गए, जहां दोनों पक्षों की मुलाकात हुई। प्रवीण अरोड़ा के बताएं अनुसार व्यवहार किया गया। पीड़ित का आरोप है कि लड़की पक्ष ने पूर्व नियोजित षडयंत्र के तहत अपने बारे में गलत बातें छुपा ली। बायोडाटा आदि में गलत सूचना देकर रिश्ते को आगे बढ़ाया गया। पीड़ित के अनुसार बड़ी चालाकी से सही तथ्य को छुपा कर झूठ को सच के रूप में पेश करते हुए प्रवीण अरोड़ा व डोडा परिवार ने उसके बेटे से अपनी बेटी कोमल डोडा की शादी कर दी। पीड़ित के अनुसार बाद में पता चला की लड़की पक्ष के लोग गैंगस्टर हैं। लड़की का भाई अमित डोडा जेल में बंद है। उसपर और उसके चाचा पर हत्या का मुकदमा चल रहा है।

पीड़ित के अनुसार ये लोग कई मुकदमों में जेल जा चुके हैं।

पीड़ित के अनुसार शादी के बाद से ही उसके बेटे अभिमन्यु के ससुराल पक्ष के लोग उसे चंडीगढ़ में बसने के लिए मजबूर करने लगे। जब उन्होंने मना किया तो डोडा परिवार ने उसके तथा उसके परिवार के लोगों के साथ बदसलूकी, तथा धमकी दी।

उन्होंने बताया कि पीड़ित का आरोप है कि उनकी बहू घर से जेवरात,नकदी आदि लेकर चली गई है । आरोप है कि यह लोग 19 अगस्त 2024 को उसके घर में घुस गए तथा मारपीट कर गाली-गलौज की, तथा हत्या करने की धमकी दी।

थाना प्रभारी ने बताया कि कोर्ट के आदेश पर थाना फेस-दो पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

अपनी स्थिति मजबूत करने की कोशिश में हैं मीनाक्षी, इन आगामी दो फिल्मों से हैं उम्मीदें

मीनाक्षी चौधरी इस वक्त साउथ की व्यस्ततम अभिनेत्रियों में से एक हैं। वह हाल-फिलहाल कई सारी फिल्मों में नजर आई हैं। हाल में ही उनकी दो फिल्म महज कुछ दिनों के अंतराल में रिलीज हुई हैं। इनमें से एक दुलकर सलमान अभिनीत लकी भास्कर और दूसरी वरुण तेज अभिनीत मटका है। अभिनेत्री इस वक्त अपने करियर पर फोकस कर रही हैं, जिसके अंतर्गत उनकी कुछ फिल्में आने वाले समय में रिलीज होने वाली हैं, जिनके बॉक्स ऑफिस भविष्य को लेकर काफी बातें की जा रही हैं। मिनाक्षी चौधरी को लेकर चर्चा है कि वो इंडस्ट्री में अपनी स्थिति कौ और बेहतर तथा मजबूत करने की कोशिश में हैं। इसके लिए उन्हें एक अदद हिट की बेहद जरूरत है। अभिनेत्री की पिछली फिल्म लकी भास्कर को जहां दर्शकों से प्यार मिला और बॉक्स ऑफिस पर फिल्म ने सफलता हासिल की, वहीं मटका बुरी तरह असफल साबित हुई है। अब अभिनेत्री की आगामी फिल्मों के भविष्य को लेकर कई सारी बातें हो रही हैं। इस वक्त उनकी दो और आगामी फिल्में मैकेनिक रॉकी और संक्रांतिकी वस्तुन्नम हैं, जो जल्द ही सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली हैं।

मैकेनिक रॉकी और संक्रांतिकी वस्तुन्नम में आएंगी नजर

मैकेनिक रॉकी के अभिनेत्री और उनके फैंस को काफी उम्मीदें होंगी, जो 22 नवंबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। अब इस वक्त एक बड़ा सवाल ये है कि क्या विश्वक सेन की इस फिल्म से अभिनेत्री सफलता हासिल करने में कामयाब हो पाएंगी, क्योंकि उनके लिए अपने करियर के अगले स्तर पर पहुंचने के लिए इस मैकेनिक रॉकी की सफलता बहुत जरूरी है। इस फिल्म के बाद उनके पास अगले साल रिलीज होने वाली संक्रांतिकी वस्तुन्नम भी है। अभिनेत्री को अपने इन दोनों फिल्म से काफी उम्मीदें होंगी। बीते दिनों उठी थी अभिनेत्री की शादी की चर्चा बताते चलें कि मीनाक्षी चौधरी साउथ की बेहतरीन अभिनेत्रियों में से एक हैं। हाल में ही उनकी शादी की खबरें काफी चर्चा में थीं, जिनमें कहा जा रहा था कि अभिनेत्री, नागार्जुन के भतीजे के साथ शादी रचाने वाली हैं। हालांकि, इस बात पर मीनाक्षी ने अपना पक्ष साफ करते हुए बताया है कि उनका फिलहाल शादी का कोई प्लान नहीं है। अभिनेत्री अपने करियर में अब तक कोलाई, गुंटूर कारम, सिंगापुर सैलून, ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम, लकी भास्कर, मटका, हिट आदि फिल्मों में नजर आ चुकी हैं।

सलमान के लिए जैकलीन ने कहा-मैं उनके लिए कुछ भी कर सकती हूं

जैकलीन फर्नांडीज बॉलीवुड में लंबे समय से अभिनय कर रही हैं। वह अपने ग्लैमरस रोल के लिए ज्यादा जानी जाती हैं। अगर उनके निजी जीवन की बात की जाए तो सुकेश चंद्रशेखर नाम के ठग के साथ उनका रिलेशनशिप काफी चर्चा में रहा। सुकेश अभी जेल में है। इस वजह से जैकलीन के करियर पर भी बुरा असर हुआ। उनके एक करीबी दोस्त और बॉलीवुड के एक नामी एक्टर ने पहले ही सुकेश के बारे में उन्हें अलर्ट किया था। इसी एक्टर के बारे में ही जैकलीन ने कहा था कि वह उनके लिए बहुत मायने रखते हैं और उनके लिए वह सबकुछ कर सकती है। जानिए कौन है वो बड़ा कलाकार जिसके लिए जैकलीन ने इतनी बड़ी बात कही।

साथ में की हैं फिल्में

जिस कलाकार को जैकलीन इतना मान सम्मान दे रही हैं उनके साथ वह कई फिल्मों में बतौर हीरोइन नजर आ चुकी हैं। इस एक्टर का नाम सलमान खान है। सलमान को लेकर एक इंटरव्यू में जैकलीन ने कहा था कि उनके लिए सलमान परिवार की तरह हैं। वह उनका बहुत सम्मान करती हैं। साथ ही जैकलीन ने यह भी कहा कि वह सलमान के लिए कुछ भी कर सकती हूं। जैकलीन फर्नांडीज ने सलमान खान के साथ किक और रेस 3 जैसी फिल्में की हैं। इन दोनों की जोड़ी को दर्शकों ने काफी पसंद किया है।

सुकेश को लेकर सलमान ने अलर्ट किया

सुकेश चंद्रशेखर नाम का एक शख्स जो इस समय मनी लॉन्ड्रिंग के कारण जेल में है। उसके साथ जैकलीन का नाम जुड़ा था यह दोनों रिलेशनशिप में रहे हैं। सूत्रों के अनुसार जैकलीन को सुकेश के बारे में सलमान खान ने पहले ही चेता दिया था। उन्हें यह व्यक्ति ठीक नहीं लगा लेकिन उस समय जैकलीन ने उनकी नहीं सुनी। बाद में पूरा मामला खुला तो सुकेश की सच्चाई सामने आई।

आने वाली है तीन फिल्में

जैकलीन अगले साल तीन फिल्मों में नजर आएंगी इसमें फतेह, वेलकम टू द जंगल और हाउसफुल 5 शामिल हैं। सभी फिल्मों में उनके किरदार काफी अलग होने वाले हैं। इस फिल्मों को लेकर जैकलीन काफी उत्साहित हैं। यह फिल्में उनके करियर को फिर से पटरी पर लाने का काम कर सकती हैं।

नहीं है करियर के पीक पर इंडस्ट्री छोड़ने का पछतावा

हाल ही में माधुरी दीक्षित फिल्म भूल भुलैया 3 में नजर आई हैं। एक्ट्रेस इन दिनों फिल्म की सक्सेस को एंजॉय कर रही हैं। इसी बीच उन्होंने एक इंटरव्यू में अपने पुराने दिनों को याद किया। इस दौरान माधुरी ने इंडस्ट्री छोड़ने और पति के साथ यूएस जाने के बारे में भी खुलकर बातचीत की। माधुरी ने अपने करियर में कई सुपरहिट फिल्में की हैं। जब एक्ट्रेस का करियर पीक पर था तब उन्होंने शादी कर ली थी। माधुरी दीक्षित ने साल 1999 में डॉ. श्रीराम नेने से शादी की थी। और शादी के बाद बॉलीवुड इंडस्ट्री को पूरी तरह से छोड़ दिया था।

मैं अपने सभी फैसलों से खुश हूं

माधुरी ने गलाटा इंडिया से बातचीत में कहा कि मैं डॉ. श्रीराम नेने से शादी करने और विदेश जाने के फैसले से बहुत खुश थीं। मैं जो करती हूं उससे मुझे खुशी मिलती है। मुझे अपने किसी भी फैसले पर कभी भी अफसोस नहीं होता। मुझे एक्टिंग, डांस और मेरे काम से जुड़ी हर चीज पसंद है। और बाकी अगर लोग आपको स्टार मानते हैं तो वो सब बोनस है। मैंने ऐसा कभी नहीं सोचा कि हे भगवान, मैं लोगों की नजरों से दूर जा रही हूं। मैं अपने करियर के पीक पर शादी कर रही हूं।

शादी और बच्चे हो ये सपना था

माधुरी ने अपनी शादी को लेकर भी बताया, उन्होंने कहा- मुझे लगा कि मैं जिस व्यक्ति से मिली हूं वो ही मेरे लिए सही है। यह वह आदमी है जिससे मैं शादी करना चाहती हूं और मैं इस लड़के से शादी करने जा रही हूं क्योंकि हर कोई अपने लिए सपने देखता है। मैंने भी एक घर, एक पति, एक परिवार और बच्चों के सपने देखे थे। मुझे बच्चे पसंद हैं। इसलिए, बच्चे पैदा करना उस सपने का बड़ा हिस्सा था। कभी नहीं हुआ अफसोस - माधुरी इंटरव्यू के दौरान जब माधुरी से पूछा गया कि क्या वह बॉलीवुड में बिताई अपनी जिंदगी को मिस करती थीं, तो माधुरी ने कहा- जब लोग कहते हैं कि, ओह, आप इंडस्ट्री से दूर थीं तो क्या आपने ये सब मिस नहीं किया तो मैं कहती हूं, नहीं, मैं मिस नहीं करती थी क्योंकि उस वक्त मैं अपना सपना जी रही थी। बता दें, माधुरी दीक्षित ने डॉ. श्रीराम नेने से साल 1999 में शादी की थी। साल 2003 में दोनों पहली बार पैरेंट्स बने और दूसरे बेटे को माधुरी ने साल 2005 में जन्म दिया था।

अर्जुन कपूर ने रणवीर सिंह के साथ अपनी दोस्ती पर की बात, बताया दोनों के बीच अब तक कैसे रहे संबंध

अर्जुन कपूर हाल में ही रिलीज हुई फिल्म सिंघम अगेन में नजर आए हैं। उनकी ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल भी रही है। फिल्म में वह अजय देवगन, अक्षय कुमार और उनके दोस्त रणवीर सिंह समेत कई अन्य कलाकारों के साथ नजर आए हैं। हाल में ही एक इंटरव्यू के दौरान अर्जुन ने अपने दोस्त और सह-कलाकार रणवीर सिंह के बारे में दिल की बातें साझा की हैं। इस दौरान उन्होंने रणवीर और उनकी पत्नी दीपिका पादुकोण की जोड़ी की भी तारीफ करते हुए दोनों के मजबूत व्यक्तिगत और पेशेवर संबंधों का जिक्र किया है। रणवीर सिंह के साथ अपने रिश्ते के बारे में बताते हुए, अर्जुन ने कहा कि फिल्म गुंडे में पहली बार साथ काम करने के बाद से उनका रिश्ता हमेशा ही मजबूत बना रहा है। अभिनेता ने कहा कि व्यस्त शेड्यूल के कारण कभी-कभी शारीरिक दूरी के बावजूद, दोनों हमेशा संपर्क में रहते हैं और उनकी दोस्ती मजबूत बनी हुई है। अर्जुन ने कहा, हम कई दिनों तक एक-दूसरे से नहीं मिल पाते हैं, लेकिन मैं उनसे से बहुत प्यार करता हूं। मैं उनके काम और मेरे साथ उनके व्यवहार का भी बहुत सम्मान करता हूं।

दीपिका-रणवीर की जोड़ी को बताया शानदार

अर्जुन ने दीपिका के समर्पित पति के रूप में भी रणवीर सिंह की भूमिका की प्रशंसा की है। उन्होंने इसे अद्भुत बताते हुए रणवीर और दीपिका के बीच गहरे बंधन को स्वीकार किया और दोनों को शानदार जोड़ी बताया। हाल ही में, इस जोड़े ने अपने जीवन में अपनी पहली संतान, दुआ नाम की एक बच्ची का स्वागत किया है। अर्जुन ने इस जोड़े को अपना आशीर्वाद देते हुए कहा, अब उनके पास एक बच्चा है और वे हमेशा खुश रहेंगे और मैं प्रार्थना करता हूं कि दुनिया की सारी खुशियां उन तक पहुंचें।

दोनों कलाकार सार्वजनिक तौर पर जाहिर करते हैं अपनी दोस्ती

अर्जुन कपूर और रणवीर सिंह के बीच घनिष्ठ और मजबूत दोस्ती है, जो अक्सर सार्वजनिक रूप से अपनी दोस्ती को प्रदर्शित भी करते हैं। दोनों को अक्सर सोशल मीडिया और इंटरव्यू में हल्की-फुल्की बातें करते हुए देखा गया है। अर्जुन कपूर और रणवीर सिंह को रोहित शेट्टी द्वारा निर्देशित सिंघम अगेन में एक साथ देखा गया, जिसमें दीपिका भी लेडी सिंघम यानी शक्ति शेट्टी के किरदार में दिखाई दीं।

ALT EFF की ब्रांड एंबेसडर बनीं आलिया, सुर्खियां बटोरने को अपने प्रोडक्शन हाउस के साथ की साझेदारी

अभिनेत्री आलिया भट्ट के लिए साल 2024 फिल्मों के मामले में थोड़ा मुश्किल भरा रहा है। वेदांग रैना के साथ रिलीज हुई फिल्म जिगरा बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास नहीं चली। इस कारण आलिया को काफी ट्रोलिंग का शिकार भी होना पड़ा, हालांकि फिल्म फ्लॉप होने की पूरी जिम्मेदारी वसन बाला ने ली। इसके बाद सुनने में आया कि वो फिल्म निर्देशक नाग अश्विन की अगली फिल्म का हिस्सा बनने वाली हैं। हालांकि, बाद में पता चला कि यह एक्ट्रेस का फेक पीआर था। अब आलिया की पीआर टीम ने अनाउंस किया है कि एक्ट्रेस एक फिल्म फेस्टिवल की गुडविल ब्रांड एंबेसडर बनी हैं।

गुडविल ब्रैंडब्रांड एंबेसडर बनी आलिया आलिया भट्ट को लेकर पीआर टीम ने घोषणा की है कि आलिया भट्ट ALT EFF (ऑल लिविंग थिंग्स एनवायरनमेंटल फिल्म फेस्टिवल) की गुडविल ब्रांड एंबेसडर बन गई हैं। इसके साथ ही उन्होंने अपने प्रोडक्शन हाउस इटरनल सनशाइन प्रोडक्शन को इस फिल्म फेस्टिवल का पार्टनर भी बनाया है। आलिया इस फेस्टिवल के जरिए पर्यावरण जागरुकता को बढ़ावा देंगी।

आलिया भट्ट ने जाहिर की खुशी

एक वीडियो शेयर करते हुए आलिया भट्ट ने कहा कि उन्हें यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि उनका प्रोडक्शन हाउस ऑल लिविंग थिंग्स एनवायरनमेंटल फिल्म फेस्टिवल में साझेदारी कर रहा है। इस फिल्म फेस्टिवल में प्रकृति की खुबसूरती को बरकरार रखने के लिए काम किया जाता है। इस फिल्म फेस्टिवल में जलवायु, ग्रह और भविष्य में कुछ बेहतर करने की सीख देने वाली कहानियां दिखाई जाती हैं।

कल्कि 2898 एडी को लेकर उड़ी थी ये अफवाह

इससे पहले आलिया भट्ट के पीआर की ओर से खबर आई थी कि आलिया निर्देश नाग अश्विन की फिल्म कल्कि 2898 के अगले भाग का हिस्सा बनने वाली हैं। हालांकि, इस पर नाग अश्विनी ने अपनी तरफ से बात साफ कर दी। उन्होंने, नहीं, ये बस एक अफवाह है। निर्देशक ने बताया कि उनका अगला प्रोजेक्ट कल्कि 2898 एडी का अगला भाग होगा। हालांकि, इस फिल्म की रिलीज डेट अभी आधिकारिक रूप से तय नहीं की गई है।

फातिमा सना शेख- आर माधवन की आगामी फिल्म के नाम से उठा पर्दा

एक अनूठी रोमांटिक कॉमेडी फिल्म के लिए तैयार हो जाइए। इसमें आर. माधवन और फातिमा सना शेख की फ्रेश जोड़ी देखने को मिलने वाली है। विवेक सोनी के निर्देशन में बन रही इस फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है। फिल्म सिनेमाघरों के बजाए ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर दस्तक देगी। पहले की रिपोर्ट में दावा किया गया था कि फिल्म का नाम अस्थायी रूप से ठरकी रखा गया है। हालांकि, लेटेस्ट रिपोर्ट की मानें तो फिल्म का टाइटल अलग है।

आप जैसा कोई है फिल्म का नाम!

एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, फातिमा सना शेख और आर. माधवन अभिनीत फिल्म का अस्थायी नाम आप जैसा कोई है न कि ठरकी। यह फिल्म की कहानी के साथ अच्छी तरह से मेल खाता है और इसमें पुरानी यादों का अहसास भी है, क्योंकि यह साल 1980 की फिल्म कुर्बानी के इसी नाम के क्लासिक गाने की याद दिलाता है। एक अन्य रिपोर्ट में फिल्म की कहानी को लेकर बड़ा दावा किया गया है। जानकारी के अनुसार, फिल्म में माधवन का किरदार एक युवा महिला से मिलने के लिए डेटिंग एप की मदद लेता है। इस तरह दोनों का मिलना-जुलना शुरू होता है। दोनों का रोमांस मई-दिसंबर जैसा माहौल देता है।

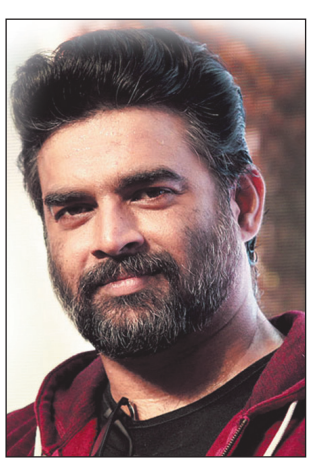

रोमांटिक कॉमेडी है फिल्म का प्लॉट

कहानी के विवरण का खुलासा करते हुए, रिपोर्ट में आगे उल्लेख किया गया है कि माधवन एक कुंवारे लड़के की भूमिका निभाते हैं, जिसकी उम्र 40 के बीच है। जानकारी के मुताबिक, वह एक डेटिंग एप पर फातिमा के किरदार से मिलते हैं, जो 30 साल की एक महिला है और कैसे दोनों एक-दूसरे के प्यार में पड़ जाते हैं, यह कहानी का सार है। यह रिश्ते पर एक विचित्र और समसामयिक कहानी है।

करण वीर मेहरा के समर्थन में उतरीं काम्या पंजाबी

करण वीर मेहरा इन दिनों रियलिटी शो बिग बॉस 18 में नजर आ रहे हैं। अभिनेता को बीते कुछ दिनों से खुलकर अपना गेम खेलते देखा जा रहा है। इसी बीच मशहूर टेलीविजन अभिनेत्री काम्या पंजाबी ने करण की यात्रा के बारे में अपनी राय साझा की है। अभिनेत्री को लगता है कि बिग बॉस 18 के घर में यह करण वीर बनाम हर कोई है। इस तरह काम्या पंजाबी खुले तौर पर करण वीर मेहरा को अपना समर्थन देती नजर आई हैं। जानकारी हो कि काम्या पंजाबी रियलिटी शो के सातवें सीजन बिग बॉस 7 में नजर आई थीं।

संक्षिप्त समाचार

विदेशी मुद्रा भंडार 17.76 अरब डॉलर घटकर 657.89 अरब डॉलर पर

नईदिल्ली, एजेंसी। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 15 नवंबर को समाप्त सप्ताह में 17.76 अरब डॉलर घटकर 657.89 अरब अमेरिकी डॉलर रहा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इससे पिछले सप्ताह, देश का विदेशी मुद्रा भंडार 6.47 अरब डॉलर घटकर 675.65 अरब डॉलर रहा था। सितंबर के अंत में विदेशी मुद्रा भंडार 704.88 अरब डॉलर के

सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गया था। उसके बाद से इसमें पिछले कई हफ्ते से गिरावट आ रही है।

रिजर्व बैंक के शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, आठ नवंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां 15.55 अरब डॉलर घटकर 569.83 अरब डॉलर रही। डॉलर के संदर्भ में उल्लेखित विदेशी मुद्रा आस्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं की घट-बढ़ का प्रभाव शामिल होता है।

समीक्षाधीन सप्ताह में स्वर्ण भंडार का मूल्य 2.07 अरब डॉलर घटकर 65.75 अरब डॉलर रहा। विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 9.4 करोड़ डॉलर घटकर 18.06 अरब डॉलर रहा। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, आलोच्य सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) के पास भारत का आरक्षित भंडार 5.1 करोड़ डॉलर घटकर 4.25 अरब डॉलर पर आ गया।

जो मेरे दोस्त को भुगतान नहीं कर सकते... जोमैटो CEO के जॉब पोस्ट पर अनुपम का तंज

नईदिल्ली, एजेंसी। जोमैटो सीईओ दीपिंदर गोयल के चीफ ऑफ स्टाफ पद के लिए हायरिंग पोस्ट ने सोशल मीडिया पर बहस छेड़ दी है। दरअसल, इस पद के लिए कंपनी ने कैंडिडेट्स से फीडिंग इंडिया को 20 लाख रुपये दान करने और पहले साल बिना वेतन

के काम करने के लिए कहा था। इसको लेकर सोशल मीडिया पर यूजर्स अलग-अलग तरह की प्रतिक्रिया दे रहे हैं। अब शादी डॉट कॉम के संस्थापक और सीईओ अनुपम मित्तल ने भी मजाकिया लहजे में दीपिंदर गोयल के हायरिंग पोस्ट पर प्रतिक्रिया दी है।

क्या कहा अनुपम मित्तल ने- शार्क टैंक शो के जज अनुपम मित्तल ने भी एक हायरिंग पोस्ट को साझा किया है। उन्होंने लिखा, वे सभी जो मेरे दोस्त दीपी यानी दीपिंदर गोयल को 20 लाख रुपये का भुगतान नहीं कर सकते, कृपया मुझे अपना आवेदन भेजें।

एलन मस्क की संपत्ति 334.3 अरब डॉलर के पार, ट्रांप की जीत के बाद शेयरों में मजबूती से मिला लाभ

वाशिंगटन , एजेंसी। फोर्ब्स के अनुसार एलन मस्क आधिकारिक तौर पर 334.3 बिलियन डॉलर की कुल संपत्ति के साथ इतिहास के सबसे धनी व्यक्ति बन गए हैं। यह इजाफा टेस्ला टेस्ला के शेयरों में तेजी के बाद आई है। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रम्प की जीत के बाद एलन मस्क की कंपनी के शेयरों में उछाल दिखा है।

चुनाव परिणामों के बाद टेस्ला के शेयरों में 40 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। कंपनी के शेयर शुक्रवार को 3.8 प्रतिशत चढ़कर यह 352.56 डॉलर पर बंद हुआ, यह पिछले 3 वर्षों में इसका उच्चतम मूल्य है। इससे मस्क की संपत्ति में 7 बिलियन डॉलर का इजाफा हुआ और उनकी कुल संपत्ति 320.3 बिलियन डॉलर के पिछले उच्च स्तर से आगे निकल गई।

एलन मस्क के ट्रंप के साथ घनिष्ठ संबंधों ने निवेशकों का भरोसा बढ़ाया है। इस साल की शुरुआत में ट्रंप का समर्थन करने के बाद, मस्क ने उनके अभियान के लिए 100 मिलियन डॉलर से

अधिक का दान दिया। उन्हें ट्रंप की ओर से नए सरकारी दक्षता विभाग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। यहां वे बायोटेक उद्यमी विवेक रामास्वामी के साथ काम करेंगे।

टेस्ला के अलावे कृत्रिम बुद्धिमत्ता और एयरोस्पेस सेक्टर मस्क के उपक्रमों ने उनकी संपत्ति में और वृद्धि की है। 50 बिलियन डॉलर मूल्य की निजी एआई फर्म AI में उनकी 60 प्रतिशत हिस्सेदारी ने उनकी संपत्ति में 13 बिलियन डॉलर जोड़े। इस बीच, स्पेसएक्स में उनकी 42 प्रतिशत हिस्सेदारी, जिसका मूल्य जून के टेंडर ऑफर में 210 बिलियन डॉलर था, ने 88 बिलियन डॉलर का योगदान दिया।

मस्क की वर्तमान कुल संपत्ति उन्हें ओरेकल के चेयरमैन लैरी एलिसन से 80 बिलियन आगे रखती है, जो 235 बिलियन के साथ दुनिया के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति का खिताब रखते हैं। मस्क की अधिकांश संपत्ति टेस्ला में उनकी 13त्न हिस्सेदारी से आती है, जिसका वर्तमान मूल्य 145 बिलियन डॉलर है। हालांकि, ऐतिहासिक वृद्धि के बावजूद, टेस्ला के शेयर 2021 के अंत से अपने सर्वकालिक उच्च स्तर से लगभग 14 प्रतिशत नीचे हैं। इस बीच, व्यापक एसएंडपी500 सूचकांक तब से 27 प्रतिशत बढ़ा है।

अमेरिकी मीडिया समूह को भी खरीदेंगे एलन मस्क लगाई जा रहीं इस बात की अटकलें

दिग्गज कारोबारी और दुनिया के सबसे अमीर आदमी एलन मस्क ने संकेत दिया है कि वे अमेरिकी मीडिया नेटवर्क एमएसएनबीसी को खरीद सकते हैं। इस बात की अटकलें तब लगनी शुरू हुईं जब डोनाल्ड ट्रंप जूनियर ने मजाक-मजाक में ट्रंप को इसका आइडिया दे दिया।

कहां से शुरू हुई ये अटकलें- दरअसल, डोनाल्ड ट्रंप के बेटे जूनियर ट्रंप ने एक्स पर जो रोगन नाम के अकाउंट से की गई एक पोस्ट का हवाला देते हुए, जिसमें दावा किया गया था कि MXNBC की मूल कंपनी कॉमकास्ट केबल चैनल को बेचने जा रही है, लिखा कि एलन मस्क मेरे पास अब तक का सबसे मजेदार आईडिया है। टैग करके की गई इस पोस्ट पर दुनिया के सबसे अमीर आदमी ने जवाब भी दिया। मस्क ने डोनाल्ड ट्रंप जूनियर को जवाब देते हुए पूछा कि इसकी कीमत कितनी है। जिसके बाद डोनाल्ड ट्रंप जूनियर मस्क को जवाब दिया कि मेरा मतलब है कि यह बहुत ज्यादा नहीं हो सकता। रेटिंग्स देखें। मस्क के इस जवाब के बाद से सोशल मीडिया पर इस बात की चर्चा शुरू हो गई है कि मस्क MXNBC को खरीद सकते हैं और इसका नाम बदलकर MXNBC कर सकते हैं। जूनियर ट्रंप की पोस्ट पर जवाब देने के बाद एलन मस्क का एक पुराना स्क्रीनशॉट वायरल होने लगा है। दरअसल, एलन मस्क ने 2017 में ट्विटर खरीदने से पहले इसी तरह कीमत पूछी थी। जिसका स्क्रीनशॉट वायरल हो रहा है।

भारतीय और वैश्विक बैंक नए ऋण पर लगा सकते हैं रोक, क्रेडिट विशेषज्ञ बोले- इंतजार करेंगे बैंक

मुंबई/बंगलूरू/हांगकांग/न्यूयॉर्क , एजेंसी। अमेरिकी न्याय विभाग की ओर से अदाणी समूह पर लगाए गए आरोपों के चलते कुछ भारतीय और वैश्विक बैंक नई परिस्थितियों में समूह को नए ऋण देने पर अस्थायी रोक लगा सकती हैं। वे कोई भी नया ऋण अनुरोध शुरू करने से पहले तीन-चार महीने इंतजार करेंगे।

बंदरगाहों से लेकर बिजली तक के कारोबार में दखल रखने वाले अदाणी समूह में भारतीय सरकारी बैंकों के निवेश को लेकर चिंता के चलते बृहस्पतिवार को इनके शेयरों में 2.7त्न की गिरावट आई थी। हालांकि

भारतीय सरकारी बैंकों के शेयरों में शुक्रवार को तेजी देखी गई। इस बीच, एक बैंकर ने कहा कि आरोप भारत और अन्य देशों में विस्तार के लिए अदाणी समूह की फंड जुटाने की योजनाओं पर असर डाल सकता है, क्योंकि इससे न केवल आरोपों के नतीजे पर बल्कि समूह के जोखिम पर भी ज्यादा ध्यान दिया जाएगा। एक वरिष्ठ बैंकर ने कहा कि भविष्य का कदम काफी हद तक इस बात पर निर्भर करेगा कि भारत सरकार समस्या हल करने का रास्ता तलाशेगी या अपनी जांच शुरू करेगी।

इंतजार और निगरानी नीति अपनाएंगे भारतीय बैंक

चार भारतीय बैंकरों ने कहा कि वे इंतजार व निगरानी की नीति अपनाएंगे। जोखिम बढ़ने के कारण किसी भी नए फंड पर ब्याज दरें अधिक होंगी। अदाणी समूह को ऋण देने वाले निजी ऋणदाता के अधिकारी ने कहा कि ऋण की कीमतें बढ़ने की उम्मीद है, लेकिन हम किसी भी नए वित्त पोषण अनुरोध को शुरू करने से पहले कम से कम 3-4 महीने तक इंतजार करेंगे और देखेंगे। बैंकर ने कहा कि ऋणदाता के आंतरिक मूल्यांकन से पता चलता है कि समूह के पास ऋण चुकाने की क्षमता है और उनका नकदी प्रवाह मजबूत बना हुआ है।

एक जापानी बैंक ने कहा कि अदाणी समूह पर जिस तरह के आरोप लगे हैं, वैसे मामलों में ऋणदाता प्रतिष्ठा जोखिम के कारण नए ऋण देने पर रोक लगा देते हैं। बैंक ने कहा कि हालांकि, किसी व्यक्ति पर अभियोग लगाने से आम तौर पर उसके किसी भी ऋण अनुबंध का उल्लंघन नहीं होता। सूत्रों ने बताया कि कुछ वैश्विक बैंक अदाणी समूह को नया ऋण न देने पर विचार कर रहे हैं।

भारत को अपनी छवि जिम्मेदार पूंजीवादी देश वाली बनानी चाहिए: निर्मला सीतारमण

नईदिल्ली, एजेंसी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भारत को एक जिम्मेदार पूंजीवादी राष्ट्र के रूप में ब्रांडिंग करने का आह्वान किया है, जिसमें पूंजीवाद की सीमाओं के बारे में देश की गहरी समझ पर जोर दिया गया है। इंडिया फाउंडेशन की ओर से आयोजित 8वें इंडिया आइडियाज कॉन्क्लेव में बोलते हुए, सीतारमण ने टिकाऊ जीवन और जिम्मेदार उपभोग के भारत के पारंपरिक मूल्यों पर बात की।

उन्होंने कहा, यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम अपनी जरूरत के अनुसार उपयोग करें न कि अपने लालच के अनुसार। हमें समझना चाहिए कि पूंजीवाद की अपनी सीमाएं हैं और हमें भारत को एक जिम्मेदार पूंजीवादी देश के रूप में ब्रांड करने की ज़रूरत है। उन्होंने कहा कि भारत की ओर से सर्कुलर इकोनॉमी और पुन- उपयोग जैसे सिद्धांतों को अपनाना वैश्विक रुझानों से प्रेरित नहीं था, बल्कि आवश्यकता और जिम्मेदारी से प्रेरित था। सीतारमण ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, हमने सर्कुलर इकोनॉमी और पुन- उपयोग के सिद्धांत का पालन नहीं किया क्योंकि हम एक गरीब राष्ट्र थे। हमने इसे अपनी जरूरत के अनुसार उपयोग करना अपनी जिम्मेदारी के रूप में सोचा न कि अपने लालच के अनुसार।

वित्त मंत्री ने कहा कि आर्थिक विकास के साथ जिम्मेदारी आती है, भारत में इस मानसिकता को बढ़ावा देने की आवश्यकता है। निर्मला

सीतारमण ने आधुनिक तकनीक और पारंपरिक ज्ञान को एकीकृत करके पर्यटन को बढ़ाने पर भी जोर दिया। उन्होंने देश भर के शीर्ष 100 पर्यटन केंद्रों में स्व-शिक्षण डिजिटल कार्यक्रम बनाने का सुझाव दिया। ये कार्यक्रम वास्तुकला के महत्व, पर्यटन मूल्य और संस्कृत और पाली जैसी संबंधित भाषाओं के बारे में जानकारी प्रदान कर सकते हैं।

उन्होंने कहा, हमें उन लोगों के लिए शिक्षण सामग्री प्रदान करनी चाहिए जो पर्यटन के लिए एक बहु-विषयक दृष्टिकोण अपनाते हुए, भारतीय वास्तुकला के विशिष्ट चमत्कारों को समझना चाहते हैं। सीतारमण ने विभिन्न क्षेत्रों में वैश्विक मानक स्थापित करने के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने खाद्य और औषधि सुरक्षा में शीर्ष मानकों को सुनिश्चित करने के लिए अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) की तर्ज पर एक भारत एफडीए बनाने का प्रस्ताव रखा।

भारत की वैज्ञानिक विरासत पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि प्राचीन काल से ही विज्ञान में भारत की ताकत अटूट रही है। उन्होंने नोबेल पुरस्कार विजेता इरविन श्रोडिंगर द्वारा अपने सिद्धांतों में वेदांत से प्रभावित होने की स्वीकारोक्ति का संदर्भ दिया।

महिलाओं के लिए किसी वरदान से कम नहीं सेविंग्स सर्टिफिकेट स्कीम

नईदिल्ली, एजेंसी। यदि आप एक महिला हैं और अपनी जमा पूंजी को शॉर्ट टर्म में इन्वेस्ट करके बंपर रिटर्न पाना चाहते हैं तो यह खबर आपके काम की है। दरअसल, केंद्र सरकार ने साल 2023 के बजट में महिलाओं के लिए एक स्पेशल इन्वेस्टमेंट स्कीम लॉन्च की थी जिसे महिला सम्मान सेविंग्स सर्टिफिकेट के नाम से जाना जाता है। बता दें कि इस स्कीम के तहत कोई भी महिला निवेश कर सकती है जिसे अपनी जमा पूंजी पर 7.50 पर्सेंट का सालाना ब्याज मिलेगा। आइए जानते हैं पूरी स्कीम के बारे में विस्तार से।

2 लाख रुपये तक कर सकते हैं निवेश- महिला सम्मान सेविंग्स सर्टिफिकेट स्कीम का मेच्योरिटी पीरियड 2 साल का है। इस स्कीम के तहत कोई भी महिला मिनिमम 1,000 रुपये से लेकर अधिकतम 2,00,000 रुपये तक की जमा पूंजी को निवेश कर सकती है। इस स्कीम के तहत किसी भी उम्र की महिला खाता खुलवा सकती है। हालांकि, 18 साल से कम उम्र की लड़की अपने माता-पिता की देखरेख में इस स्कीम का खाता खुलवाने के लिए एलिजिबल है।

बता दें कि महिला सम्मान सेविंग्स सर्टिफिकेट स्कीम के तहत आप पोस्ट ऑफिस या अधिकृत सरकारी और प्राइवेट बैंकों में खाता खुलवा सकते हैं। खाता खुलवाते समय आपको एक फॉर्म जमा करके केवायसी की प्रक्रिया को पूरा करना होगा। इसके लिए आपके डॉक्यूमेंट के तौर पर आधार कार्ड, पैन कार्ड और पासपोर्ट साइज फोटो की जरूरत होगी।

एक्सिस बैंक क्रेडिट कार्ड शुल्क में करने जा रहा बड़े बदलाव

नईदिल्ली, एजेंसी। देश की तीसरी सबसे बड़ी प्राइवेट सेक्टर बैंक एक्सिस बैंक जो निजी और कॉर्पोरेट बैंकिंग सेवाएं प्रदान करती है, अगले महीने से अपने क्रेडिट कार्ड शुल्क में बदलाव करने जा रही है। 20 दिसंबर 2024 से लागू होने वाले इन संशोधनों की जानकारी बैंक ने ग्राहकों को देना शुरू कर दी है। इनमें रिडेम्पशन शुल्क, संशोधित ब्याज दरें और अतिरिक्त ट्रांजेक्शन शुल्क शामिल हैं।

कितना देना होगा रिडेमशन फीस- एक्सिस बैंक ने श्वष्ठतश्व रिवार्ड या माईल्स यूज करने पर रिडेमशन फीस की शुरुआत की है। ग्राहकों से कैश रिडेम्पशन के लिए 99 रुपए (प्लस 18 फीसदी जीएसटी) और माइलेज प्रोग्राम में पॉइंट ट्रांसफर करने के लिए 199 रुपए

(प्लस 18 फीसदी जीएसटी) लिया जाएगा।

पेमेंट चार्ज- ऑटो डेबिट रिवर्सल और चेक रिटर्न पर भुगतान राशि का 2 फीसदी शुल्क लगेगा, जिसकी न्यूनतम सीमा 500 रुपए होगी और कोई ऊपरी लिमिट तय नहीं होगी। इसके अलावा ब्रांचों में नकद भुगतान पर भी 175 रुपए का शुल्क लगेगा।

छूटे हुए भुगतान के लिए पेनल्टी- अगर मिनिमम अमाउंट ड्यू का लगातार दो साइकल यानी दो निर्धारित समय पर भुगतान नहीं किया जाता है, तो अतिरिक्त 100 रुपये का शुल्क लिया जाएगा और यह शुल्क तब तक लागू रहेगा जब तक ड्यू अमाउंट का भुगतान नहीं हो जाता। किसी थर्ड-पार्टी एप (जैसे-पेटीएम, क्रेड, गूगलपे इत्यादि) से शिक्षा शुल्क भुगतान करने पर 1 फीसदी शुल्क लिया जाएगा. हालांकि शैक्षणिक संस्थानों को सीधे किए गए भुगतान में छूट रहेगी। अब 10,000 रुपए से अधिक वॉलेट लोड पर 1 फीसदी का शुल्क लगेगा। 50,000 रुपए से ज्यादा के फ्यूल खर्च, 25,000 रुपए से ज्यादा यूटिलिटी और एक स्टेटमेंट साइकल में 10,000 रुपए से अधिक गेमिंग ट्रांजेक्शसन्स पर भी 1 फीसदी शुल्क लगेगा।

फ्यूचर लीडर्स में इनोवेशन को बढ़ावा देने के लिए ग्लोबल विशेषज्ञ जुटे बिमटेक की डीईए कॉन्फ्रेंस-2024 में

ग्रेटर नोएडा एजेंसी। भारत के एक प्रमुख बिजनेस स्कूल, बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी ग्रेटर नोएडा में 18 नवंबर से 21 नवंबर, 2024 तक डेटा एनवेलपमेंट एनालिसिस (डीईए2024) पर प्रतिष्ठित वार्षिक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस सम्मेलन की थीम थी- 'एडवांसिंग डीईए - ब्रिजिंग थ्योरी एंड प्रेक्टिस' वैचारिक और बौद्धिक तौर पर महत्वपूर्ण इस कॉन्फ्रेंस का आयोजन बिमटेक और यूके के सरे बिजनेस स्कूल में सेंटर फॉर बिजनेस एनालिटिक्स इन प्रैक्टिस (सीबीएपी) द्वारा संयुक्त रूप से किया गया था। इसमें 80 से अधिक वैश्विक लीडर्स और उद्योग विशेषज्ञों ने डेटा एनवेलपमेंट एनालिसिस में नवीनतम प्रगति और विभिन्न क्षेत्रों में इसके

विविध एप्लीकेशंस का पता लगाने के लिए गहन विचार-विमर्श किया।

कॉन्फ्रेंस के पहले दिन 18 नवंबर को करियर की शुरुआत करने वाले विद्वानों, डॉक्टरेट छात्रों और उम्मीदवारों के लिए पूर्व-सम्मेलन कार्यशालाओं और समानांतर सत्रों का आयोजन किया गया। इनमें प्रो. सुभाष रे (कनेक्टीकट विश्वविद्यालय), प्रो. विक्टर पोडिनोवस्की (लफबोरो विश्वविद्यालय), और प्रो. अली इमरूज़नेजाद (सरे विश्वविद्यालय) सहित विश्व स्तर पर प्रशंसित विशेषज्ञों ने हाइब्रिड मोड के माध्यम से अपने विचार व्यक्त किए। विशेषज्ञों ने कैपेसिटी यूटिलाइजेशन के मापन के लिए डीईए का उपयोग करने और मशीन लर्निंग तकनीकों के साथ एआई डीईए को जोड़ने जैसे विषयों पर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की।

19 से 21 नवंबर, 2024 तक मुख्य सम्मेलन में तीन पूर्ण सत्र और कई समानांतर कार्यशालाएँ आयोजित की गईं, जिनमें विभिन्न ऑनलाइन प्रस्तुतियाँ और एक उद्योग सत्र शामिल था। उपस्थित लोगों ने प्रो. सुभाष रे, प्रो. विक्टर पोडिनोव्स्की और प्रो. इमैनुएल थानासौलिस (एस्टन यूनिवर्सिटी) जैसे प्रतिष्ठित वक्ताओं के नेतृत्व में व्यावहारिक प्रस्तुतियों और चर्चाओं में भाग लिया। इस दौरान जिन विषयों पर चर्चा की गई, उनमें एडवांस्ड डीईए मॉडलिंग तकनीकों से लेकर डीईए में

उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड ने इंदौर के न्यू पलासिया में नए बैंकिंग आउटलेट के साथ मध्य प्रदेश में किया विस्तार

उज्जैन एजेंसी। उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड (उत्कर्ष एसएफबीएल) को मध्य प्रदेश के इंदौर के न्यू पलासिया में अपने नए बैंकिंग आउटलेट के उद्घाटन की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। यह विस्तार मध्य प्रदेश में अपनी उपस्थिति को मजबूत करने और वित्तीय सेवाओं तक सुविधाजनक पहुंच प्रदान करने के लिए बैंक की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस लॉन्च के साथ, बैंक मध्य प्रदेश में 45 बैंकिंग आउटलेट और पूरे देश में 991 बैंकिंग आउटलेट तक पहुंच गया है, जो 26 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में फैले हुए हैं।

लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए, उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड के एमडी और सीईओ श्री गोविंद सिंह ने कहा, हम इंदौर में अपनी उपस्थिति को और गहरा करने के लिए उत्साहित हैं, जो एक जीवंत शहर है जो अपनी उद्यमशीलता की

भावना और सांस्कृतिक विरासत के लिए जाना जाता है। इंदौर, वाणिज्य और नवाचार के केंद्र के रूप में, स्थानीय समुदायों को सशक्त बनाने और वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के हमारे दृष्टिकोण के साथ अच्छी तरह से मेल खाता है। न्यू पलासिया में हमारा नया बैंकिंग आउटलेट निवासियों को विभिन्न प्रकार के वित्तीय उत्पादों और सेवाओं तक आसान पहुँच प्रदान करेगा, जिससे उनकी बचत, निवेश और व्यावसायिक आकांक्षाओं को बढ़ावा मिलेगा। हम विश्वसनीय और सुलभ बैंकिंग सेवाएँ प्रदान करके इंदौर की आर्थिक प्रगति में योगदान देने के लिए तत्पर हैं।

बैंक के द्वारा अपने ग्राहकों को तमाम

विराट कोहली ने दी नीतीश रेड्डी को डैब्यू कैप

- **बोले- आप यहां रहने के लायक हैं, इसीलिए यहां हैं**

पर्थ (एजेंसी)। पर्थ के मैदान पर टीम इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले ही टेस्ट के पहले ही दिन मजबूत स्थिति बना ली है। पहले खेलते हुए टीम इंडिया जब 73 रन पर छह विकेट गंवा चुकी थी तो क्रीज पर नीतीश कुमार रेड्डी की एंट्री हुई। उन्होंने 41 रन बनाए और पंत के साथ भारतीय टीम को 150 रन तक पहुंचाने में मदद की। डैब्यू टेस्ट में ऐसा प्रदर्शन कर रेड्डी खूब प्रशंसा हासिल कर रहे हैं। इस 21 साल के खिलाड़ी ने बताया कि शुरुआती टेस्ट मैच की पूर्व संध्या पर उन्हें पदार्पण के बारे में बताया गया था। नीतिश ने कहा कि हमें (उन्हें और तेज गेंदबाज हर्षित राणा को) हमारे पदार्पण के बारे में एक दिन पहले ही पता चला और हम

उत्साहित थे। हम शांतचित थे और उसी तरह से दिनचर्या का पालन कर रहे थे जैसा की पिछले सप्ताह कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हम ज्यादा दबाव नहीं लेना चाहते थे। हमने कल शाम को साइकिल भी चलाई थी, इसलिए यह अच्छा था।

नीतीश उस समय बेहद आश्चर्यचकित रह गए जब स्टार बल्लेबाज और उनके आदर्श विराट कोहली ने सुबह उन्हें 'टेस्ट कैप (पदार्पण पर दी जाने वाली टोपी) सौंपी। उन्होंने कहा कि यह बहुत अच्छा अहसास था (कोहली से कैप पाना)। मैंने हमेशा भारत के लिए खेलने का सपना देखा है और यह एक शानदार पल था। जब मैंने क्रिकेट खेलना शुरू किया तो विराट भाई मेरे आदर्श हैं। इसलिए उनसे पदार्पण कैप लेना मेरे लिए एक खुशी का पल था।

इससे पहले कोहली ने नीतीश रेड्डी को डेब्यू कैप देते हुए कहा कि नीतीश, आपने यहां तक पहुंचने के लिए बहुत मेहनत की है। मैं आपको देखकर और प्रशिक्षण में आपको देखकर जानता हूं – आप यहां रहने के लायक हैं, भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण कर रहे हैं, आप इस पल को हमेशा याद रखेंगे।

हर्षित को स्टार्क ने कसा था तंज, जयसवाल ने करा दी बोलती बंद

पर्थ (एजेंसी)। पर्थ टेस्ट के दौरान भारत और ऑस्ट्रेलियाई प्लेयरों में हलकी नोंकझोक जारी है। पहले टेस्ट के दूसरे दिन शुरूआत में ही ऑस्ट्रेलिया के लिए बल्लेबाजी करने आए मिचेल स्टार्क ने गेंदबाजी कर रहे हर्षित राणा पर एक तंज कसा था। भारतीय टीम को जब बल्लेबाजी मिली तो सलामी बल्लेबाजी जयसवाल ने भी स्टार्क को खरी-खरी सुनाने में देरी नहीं की। 21 वर्षीय जयसवाल से बातें सुनकर स्टार्क ने भले ही शर्मिंदगी महसूस की लेकिन उन्होंने अपने चेहरे पर मुस्कान लाकर यह जाहिर नहीं होने दिया।

इससे पहले स्टार्क ने दी थी वार्निंग

जंग की शुरूआत स्टार्क ने की थी। उन्होंने पहली पारी में 112 गेंद खेलते हुए 26 रन बनाए थे ताकि ऑस्ट्रेलिया की टीम 100 रन पार हो सके। भारतीय गेंदबाजों के बाऊंसर के आगे स्टार्क ने कई रक्षात्मक शॉट खेले। इसी दौरान हर्षित की एक गेंद ने स्टार्क को परेशान किया तो उन्होंने उसे चिढ़ाने के लिए बोल दिया। मैं तुम्से ज्यादा तेज गति से गेंद फेंक लेता हूं। और मैं इसे याद रखूंगा। हर्षित ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। वह मुस्कराते हुए अपने रनअप की ओर चले गए

बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी सीरीज

जयसवाल 90 पर नाबाद, भारत के पास 218 रन की लीड

पर्थ (एजेंसी)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पर्थ स्टेडियम में पांच मैचों की बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी सीरीज का पहला मैच पर्थ स्टेडियम में खेला जा रहा है। ऑस्ट्रेलिया को 104 रन पर रोकने के बाद भारतीय टीम ने यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल की बदौलत अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। फिलहाल भारत के पास 218 रन की लीड है। क्रीज पर दोनों सलामी बल्लेबाज मौजूद हैं। जयसवाल 193 गेंदों पर 90 तो केएल राहुल 153 गेंदों पर 62 रन बनाकर खड़े हैं।

भारत की दूसरी पारी

जवाब में खेलने उतरी भारतीय टीम की शुरूआत शानदार रही। पहली पारी में विवादास्पद तरीके से आउट हुए राहुल ने पैट कमिंस को आन ड्राइव पर बेहतरीन शॉट खेला जबकि जायसवाल ने जबर्दस्त परिपक्वता से मिचेल स्टार्क जैसे खतरनाक गेंदबाज को कवर्स पर चौका लगाकर आत्मविश्वास में इजाफा किया। ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने कई बार विकेट निकालने के लिए माहौल बनाया लेकिन जयसवाल और केएल राहुल ने रक्षात्मक रवैये के साथ इसका बचाव कर लिया। जयसवाल ने अपने करियर की सबसे धीमी फिफ्टी पूरी की। वहीं, राहुल ने खराब गेंदों पर ही शॉट खेले। ऑस्टेलिया की ओर से स्टार्क के अलावा जोश हेजलवुड और पैट कमिंस ने बाऊंसर भी मारे लेकिन यह बेअसर रहे। आखिरी विकेट निकलती न देख ऑस्ट्रेलिया ने अपने पार्ट टाइम गेंदबाज लबुछेन और ट्रेविस हेड का भी इस्तेमाल किया। लेकिन वह विकेट नहीं निकाल पाए। फिलहाल जयसवाल क्रीज पर 193 गेंदों पर 7 चौके और 2 छक्कों की मदद से 90 रन बनाकर खड़े हैं जबकि केएल राहुल ने 153 गेंदों पर 4 चौकों की मदद से 62 रन बना चुके हैं। भारत के पास 218 रन की लीड हो चुकी है।

ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी

मैच के तीसरे सत्र में चायकाल के बाद बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही। बुमराह ने शानदार गेंदबाजी का मुजाहिरा करते हुए ऑस्ट्रेलिया के तीन शीर्ष बल्लेबाजों को 19 के स्कोर पर पवेलियन भेज दिया। नेथन मैकस्वीनी (10), उस्मान ख्वाजा (आठ) और स्टीव स्मिथ (शून्य) बुमराह का शिकार बने। मार्नस लाबुशेन (दो) को मोहम्मद सिराज ने आउट किया। लाबुशेन ने टेस्ट इतिहास की सबसे धीमी पारी खेलते हुए 52 गेंदों में मात्र दो रन बनाए। ट्रैविस हेड (11) को हर्षित राणा ने बोल्ड आउट किया। मिचेल मार्श (छह) और पैट कमिंस (तीन) रन बनाकर आउट हुए। 25वें ओवर भारतीय कप्तान जसप्रीत बुमराह ने कप्तान पैट कमिंस को पंत के हाथों कैच आउट करा कर ऑस्ट्रेलिया को बड़ा झटका दिया। पहले दिन का खेल समाप्त होने के समय ऑस्ट्रेलिया ने 27 ओवर में सात विकेट पर 67 रन बनाए थे।

छक्कों के सरताज बने यशस्वी जायसवाल, तोड़ा बड़ा रिकॉर्ड, रिकॉर्ड बुक में आए टॉप पर

पर्थ टेस्ट के दौरान भारतीय सलामी बल्लेबाज यशस्वी जयसवाल ने पहली पारी की असफलता को पीछे छोड़ते हुए दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक नाबाद 90 रन बना लिए हैं। जयसवाल ने इस पारी के दौरान दो छक्के भी लगाए। इन छक्कों की मदद से वह इस साल टेस्ट क्रिकेट में 34 छक्के लगाने में सफल हो गए है। उन्होंने लियोन की गेंद पर छक्का लगाकर यह महान उपलब्धि अपने नाम की। इससे पहले यह रिकॉर्ड न्यूजीलैंड के ब्रेंडन मैकुलम के नाम पर था। देखें आंकड़े-

टेस्ट में एक कैलेंडर वर्ष में सर्वाधिक छक्के

- 34 यशस्वी जयसवाल (2024)
- 33 ब्रेंडन मैकुलम (2014)
- 26 बेन स्टोक्स (2022)
- 22 एडम गिलक्रिस्ट (2005)
- 22 वीरेंद्र सहवाग (2008)

सिर्फ एक सिक्स और लगाने से जयसवाल इस लिस्ट में भी टॉप कर जाएंगे। बता दें कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ के बाद अभी 4 टेस्ट बाकी हैं।

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट इतिहास में एक कैलेंडर वर्ष में सर्वाधिक छक्के

- वनडे में - रोहित शर्मा (67)
- टी20 में - सूर्यकुमार यादव (68)
- टेस्ट में - यशस्वी जयसवाल (34*)

एक साल में 50 छक्के लगाने वाले भारतीय

- 1998 - सचिन तेंदुलकर
- 2017 - रोहित शर्मा
- 2018 - रोहित शर्मा
- 2019 - रोहित शर्मा
- 2022 - सूर्यकुमार यादव
- 2023 - रोहित शर्मा, सूर्या, शुभमन गिल
- 2024 - यशस्वी जयसवाल

जयसवाल ने साल में 50 से ज्यादा छक्के लगाने वाले भारतीय प्लेयरों में भी अपना नाम भी दर्ज करवा लिया। वह साल 2024 में ऐसा करने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज हैं। पिछले साल रोहित, सूर्यकुमार और शुभमन गिल तीनों फार्मेट में 50 से ज्यादा छक्के लगाने में कामयाब रहे थे।

मेरी पत्नी का मूड... पर्थ की पिच पर इरफान पठान का अजब पोस्ट वायरल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी श्रृंखला के शुरुआती मैच के दौरान केवल दो दिनों के खेल में पर्थ टेस्ट की स्ट्रिप बदलने के तरीके पर पूर्व हरफनमौला इरफान पठान ने मजेदार टिप्पणी की। शुरुआती दिन पर्थ की सतह घास से ढकी हुई थी और दोनों तरफ के तेज गेंदबाज मूवमेंट और उछाल का आनंद ले रहे थे। लेकिन दूसरे दिन मैदान का नजारा पूरी तरह बदल गया। सतह से हलचल न्यूनतम हो गई क्योंकि पट्टी पर धीरे-धीरे दरारें दिखाई देने लगीं। पठान ने तुरंत पिच की प्रकृति में बदलाव की ओर इशारा किया और इसमें एक मनोरंजक पोस्ट डाली। पिच में बदलाव के बारे में टिप्पणी करते हुए पठान ने एक्स पर लिखा, इतना जल्दी तो मेरी पत्नी का मूड भी नहीं बदला, जितनी जल्दी ये पिच बदली है।

ऐसा रहा पर्थ टेस्ट का दूसरा दिन

सुबह की शुरूआत ऑस्ट्रेलिया ने 67 रन पर 7 विकेट से की थी। जल्द दी बुमराह ने एलेक्स कैरी को पवेलियन की राह दिखा दी। तभी मिचेल स्टार्क ने एक कोना संभाला और लियोन और हेजलवुड के साथ मिलकर 100 पार लगाया। स्टार्क ने 112 गेंदों पर 26 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया को 104 रन पर रोकने के बाद भारतीय टीम ने यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल की बदौलत अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। फिलहाल भारत के पास 218 रन की लीड है। क्रीज पर दोनों सलामी बल्लेबाज मौजूद हैं। जयसवाल 193 गेंदों पर 90 तो केएल राहुल 153 गेंदों पर 62 रन बनाकर खड़े हैं।

हॉकी पुरुष जूनियर एशिया कप 26 नवंबर से

पांचवें खिताब के लिए भारतीय टीम मस्कट रवाना

बेंगलुरु (एजेंसी)। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम 26 नवंबर से 4 दिसंबर तक ओमान के मस्कट में होने वाले पुरुष जूनियर एशिया कप 2024 के लिए शुक्रवार को बेंगलुरु से रवाना हुई। भारत ने 2023, 2015, 2008 और 2004 सहित रिकॉर्ड चार बार टूर्नामेंट जीता है। उन्होंने पिछले साल फाइनल में प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 2-1 से हराकर खिताब जीता था।

इस बार इस आयोजन में 10 टीमें हिस्सा ले रही हैं, भारत को कोरिया, जापान, चीनी ताइपे और थाईलैंड के साथ पूल ए में रखा गया है। जबकि पूल बी में शेष पांच टीमें पाकिस्तान, मलेशिया, बांग्लादेश, ओमान और चीन हैं। कप्तान आमिर अली और उप-कप्तान रोहित की अगुआई में भारत 27 नवंबर को थाईलैंड के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा, इसके बाद 28 नवंबर को जापान के खिलाफ मैच होगा। 30 नवंबर को चीनी ताइपे के खिलाफ मुकाबला होना है और 1 दिसंबर को कोरिया के खिलाफ उनका आखिरी ग्रुप स्टेज मैच होना है। भारतीय टीम को 3 दिसंबर को होने वाले सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए शीर्ष दो में जगह सुनिश्चित करनी होगी। सुल्तान जोहोर कप 2024 में तीसरे स्थान पर रहने के बाद भारत अपनी लय को बरकरार रखते हुए ओमान में होने वाले पुरुष जूनियर एशिया कप 2024 में मुख्य कोच पीआर श्रीजेश के नेतृत्व में अच्छा प्रदर्शन करना चाहेगा।

कप्तान आमिर अली ने कहा, भारतीय जूनियर हॉकी टीम के कप्तान के रूप में मैं पुरुष जूनियर एशिया कप 2024 के लिए बेहद उत्साहित हूं। हम कड़ी मेहनत कर रहे हैं और आगे आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार हैं।

तिलक वर्मा का 11 दिनों में तीसरा शतक

बन गया विश्व रिकॉर्ड, कोई नहीं है टक्कर में

राजकोट (गुजरात) (एजेंसी)। भारत के बल्लेबाज तिलक वर्मा ने हैदराबाद के लिए मेघालय के खिलाफ सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के पहले मैच में अपने विस्फोटक शतक लगाकर कई रिकॉर्ड तोड़ दिए। तिलक पुरुष या महिला क्रिकेट में 3 लगातार शतक लगाने वाले पहले क्रिकेटर बन गए हैं। उन्होंने 2007 में शुरू हुए टूर्नामेंट के इतिहास में सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर भी दर्ज किया। मैच के दौरान तिलक ने सिर्फ 67 गेंदों में 14 चौकों और 10 छक्कों की मदद से 151 रन बनाए। उनकी स्ट्राइक रेट 225.37 रही। 22 वर्षीय तिलक ने इससे पहले दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ लगातार 2 शतक, सेंचुरियन में 107* और जोहान्सबर्ग में नाबाद 120* रन बनाए थे। 4 मैचों में 140.00 की औसत और लगभग 199 की स्ट्राइक रेट से 280 रन बनाकर वह द्विपक्षीय मामले में 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' बने।

11 दिन में 3 शतक

13 नवंबर - हंड्रेड बनाम दक्षिण अफ्रीका (टी20 सीरीज)

15 नवंबर - हंड्रेड बनाम दक्षिण अफ्रीका (टी20 सीरीज)

23 नवंबर - हंड्रेड बनाम मेघालय (सैय्यद मुश्ताक अली ट्रॉफी)

वह टी20 क्रिकेट में 150 से अधिक स्कोर बनाने वाले पहले भारतीय पुरुष खिलाड़ी भी बने। इससे पहले महिला क्रिकेट में किरण नवगिरे ने महाराष्ट्र के लिए खेलते हुए 2022 में सीनियर महिला टी20 ट्रॉफी में नागालैंड के लिए खेलते हुए अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ 162 रन बनाए थे। तिलक ने तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए तेज गेंदबाज दीपू संगमा की 18 गेंदों में छह चौकों और तीन छक्कों की मदद से 50 रन बनाए। श्रेयस अय्यर ने इससे पहले 2019 में सिक्किम के खिलाफ मुंबई के लिए खेलते हुए 71 गेंदों में 7 चौकों और 15 छक्कों की मदद से 147 रन बनाए थे।

बता दें कि तिलक रविवार से सोमवार तक होने वाली इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 सीजन की मेगा नीलामी से पहले मुंबई इंडियंस (एमआई) द्वारा रिटेन किए गए 5 खिलाड़ियों में से एक हैं। वह आईपीएल में अब तक 38 मैचों में 39.86 की औसत और 6 अर्द्धशतक के साथ 1,156 रन बना चुके हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 84* है। उन्होंने 146.32 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं। पिछले सीजन में उन्होंने 13 मैचों में 41.60 की औसत और लगभग 150 की स्ट्राइकिंग के साथ 416 रन बनाए, जिसमें उनके नाम 3 अर्द्धशतक भी शामिल थे। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 65 था।

निशानेबाजी में जो प्रतिभा है, वह अन्य खेलों में नहीं है: अभिनव बिंद्रा

गुड़गांव (एजेंसी)। बीजिंग ओलंपिक में व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय निशानेबाज अभिनव बिंद्रा ने कहा कि पिछले एक दशक में देश में निशानेबाजी में काफी विकास हुआ है जिससे अब इस खेल में प्रतिभा की गहराई है। मनु भाकर ने पेरिस ओलंपिक में दो कांस्य पदक जीतकर भारतीय निशानेबाजों की अगुआई की। बिंद्रा ने शुक्रवार को आर्टेमिस अस्पताल में कहा, 'निशानेबाजी के खेल में जो प्रतिभा है, वह इस देश के किसी अन्य खेल में नहीं है। राष्ट्रीय स्तर और विश्व स्तर पर बहुत से निशानेबाज अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि पिछले एक दशक में इस खेल ने कितनी प्रगति की है। पेरिस खेलों में भारतीय निशानेबाजों की उपलब्धि ने ओलंपिक में 12 साल के सूखे को भी समाप्त कर दिया जिसमें मनु, सरबजोत सिंह और स्वप्निल कुसाले ने तीन कांस्य पदक हासिल किए। बिंद्रा ने कहा, 'कुछ समय के लिए ऐसा भी समय रहा जब दो ओलंपिक में हम कोई पदक नहीं जीत पाए। लेकिन यह खेल का एक अभिन्न हिस्सा है। एथलीटों ने बहुत कुछ सीखा है, महासंघ ने बहुत कुछ सीखा है जिसके परिणामस्वरूप पेरिस में अच्छे परिणाम मिले। 42 वर्षीय बिंद्रा ने कहा कि भविष्य के ओलंपिक खेलों में इसी तरह के प्रदर्शन को जारी रखने के लिए रणनीतिक योजना और बारिकियों पर ध्यान बरकरार रहेगा।

संक्षिप्त समाचार

झांसी-खजुराहो राजमार्ग पर सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत, चार घायल

झांसी, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में झांसी-खजुराहो राजमार्ग पर एक कार के ट्रक से टकरा जाने से तीन लोगों की मौत हो गई जबकि चार अन्य घायल हो गए। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक पीड़ित एक ऑर्केस्ट्रा ग्रुप का हिस्सा थे और मऊरानीपुर शहर में प्रस्तुति देने के बाद झांसी लौट रहे थे। उल्दन थाने के प्रभारी दिनेश कुरील ने बताया कि श्री राम महाविद्यालय के पास एक कार सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गई। इस हादसे में शबनम (28) और मिनी (24) नामक दो महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कार चालक मनीष राजपूत (35) की इलाज के दौरान अस्पताल में मौत हो गई। थाना प्रभारी कुरील ने बताया कि अन्य यात्री - काजल उर्फ ??रिया (23), मुस्कान (21), रवींद्र (24) और अजय सिंह (35) इस दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए और उनका इलाज चल रहा है। उन्होंने बताया कि ऐसा संदेह है कि वाहन चलाते समय चालक को झपकी आ गई और वाहन ट्रक से टकरा गया। उन्होंने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और उनके परिजनों को सूचित कर दिया गया है।

पश्चिम बंगाल : आग लगने से आठ झुग्गियां जलकर खाक

कोलकाता, एजेंसी। दक्षिण कोलकाता के कंकुलिया में शुक्रवार शाम आग लग जाने के कारण कम से कम आठ झुग्गियां जलकर खाक हो गईं। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि दमकल की सात गाड़ियों ने एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। उन्होंने बताया कि आग शाम करीब सात बजकर 10 मिनट पर लगी, जिसमें किसी के भी घायल होने की सूचना नहीं है। उन्होंने कहा कि आग लगने के कारणों का पता लगाया जाना अभी बाकी है।

गुजरात के जीएसटी विभाग ने 3.53 करोड़ रुपये की कर चोरी पकड़ी

अहमदाबाद, एजेंसी। गुजरात राज्य जीएसटी विभाग ने सात वाणिज्यिक संस्थाओं की तलाशी के दौरान 3.53 करोड़ रुपये की कर चोरी का पता लगाया। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ये कंपनियां वास्तविक आय को छिपा रही थीं, बिना चालान के बिक्री कर रही थीं और कर देनदारी को कम करके दिखा रही थीं। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि राज्य में उपभोक्ताओं के साथ लेनदेन करने वाली संस्थाओं (बी2सी) द्वारा माल और सेवा कर (जीएसटी) की चोरी की आशंका में 16 नवंबर को सात परिसरों में तलाशी ली गई थी।

आखिर आप ने पंजाब में अमन अरोड़ा को ही क्यों बनाया प्रदेश अध्यक्ष

चंडीगढ़, एजेंसी। आम आदमी पार्टी ने पंजाब में अपना प्रदेश अध्यक्ष बदल दिया है। मुख्यमंत्री भगवंत मान की जगह पर अब राज्य सरकार में ही नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री अमन अरोड़ा को कमान दी गई है। अमन अरोड़ा खत्री हिंदू हैं और उन्हें पार्टी ने शहरी मतदाताओं को लुभाने के लिए कमान सौंपी है। माना जाता है कि पंजाब में शहरी मतदाताओं में खत्री हिंदू, वैश्य और ब्राह्मणों की अच्छी संख्या है। इसके अलावा यूपी, बिहार जैसे राज्यों से आए प्रवासियों की बड़ी आबादी है। ऐसे में हिंदू प्रदेश अध्यक्ष देने से इस वर्ग को लुभाया जा सकता है। अब तक सीएम भगवंत मान ही प्रदेश अध्यक्ष थे, जिनकी जगह अमन अरोड़ा को मिल गई है। खुद भगवंत मान ने ही इस बदलाव का ऐलान किया।

पंजाब में जमीन अधिग्रहण पर बवाल, पुलिस और किसानों में हुई भिड़ंत, कई जखमी

जालंधर, एजेंसी। भारतमाला परियोजना के लिए जमीन अधिग्रहण के मामले को लेकर बठिंडा के गांव दुन्नेवाला में पुलिस और किसानों में खूनी संघर्ष हो गया। अधिग्रहण की गई जमीन का कब्जा छुड़ाने के लिए आए किसानों को खदेड़ने के लिए पुलिस को आंसू गैस के गोले छोड़ने पर पड़े। इस भिड़ंत में कई किसान जख्मी हुए हैं और पांच पुलिस वालों को भी चोटें लगी हैं। घायलों को सिविल हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई और मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है।

एक दिन पहले जिला प्रशासन ने गांव दुन्नेवाला, शेरगढ़ और भगवानगढ़ में आठ किलोमीटर में जमीन का कब्जा लिया था। प्रशासन ने किसानों को 47 लाख रूपये मुआवजा दिया था लेकिन किसान इस जमीन का 70 लाख रुपये प्रति एकड़ मुआवजा मांग रहे हैं। अधिग्रहण के विरोध में आज भारतीय किसान यूनियन एकता उगराहा के नेता जोगिंदर सिंह उगराहा सैंकडो किसानों के साथ गांव दुन्नेवाला में प्रशासन की ओर से कब्जे में ली गई जमीन से कब्जा हटाने के लिए आए थे। प्रशासन और पुलिस ने किसानों को समझाने का प्रयास किया लेकिन वे अपनी बात पर अडे रहे। देखते ही देखते किसानों और पुलिस में टकराव शुरू हो गया। पुलिस ने किसानों पर लाठीचार्ज करते हुए उन पर आंसू गैस के गोले छोड दिए। भडके किसानों ने पुलिस पर भी पथराव कर दिया। इस घटना में कई किसान और पांच पुलिस कर्मी जख्मी हो गए।

किसानों की प्रशासन के साथ मीटिंग रही बेनतीजा गांव दुन्नेवाला को पुलिस छावनी में तबदील कर दिया गया है। डीआईजी हरचरन सिंह भुल्लर और एसएसपी अमनीत कौंडल भी मौके पर मौजूद रहे। एसएसपी अमनीत कौंडल ने बताया कि पांच पुलिस कर्मी जख्मी हुए है, जिनको उपचार के लिए सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मौके पर अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए हैं। वहीं, प्रशासन का कहना है कि मुआवजा सरकारी निर्देशों के अनुसार तय किया गया है लेकिन किसानों का कहना है कि उनकी जमीन का अधिग्रहण उनकी सहमति के बिना किया गया और उन्हें उचित मुआवजा नहीं दिया गया है। देर शाम को किसानों की पांच सदस्यीय कमेटी की प्रशासन के साथ मीटिंग बुलाई गई थी लेकिन इस में भी कोई हल नहीं निकला जिसके बाद किसानों ने वहीं पर धरना लगाने का ऐलान कर दिया। पंजाब में नेशनल हाईवे के प्रोजेक्ट नहीं हो पा रहे पूरे पंजाब में नेशनल हाईवे के चल रहे प्रोजेक्ट जमीन अधिग्रहण के कारण पूरे नहीं हो पा रहे हैं। इसको लेकर तीन महीने पहले केंद्र सरकार की ओर से राज्य सरकार को आदेश दिए गए थे कि नेशनल हाईवे के प्रोजेक्टों को जल्द पूरा करने के लिए जमीन अधिग्रहण किया जाए। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने तो पंजाब में नेशनल हाईवे के सात प्रोजेक्ट्स चल रहे हैं। भूमि अधिग्रहण के बाद इसमें लॉ एंड ऑर्डर की दिक्कत आ रही है। नितिन गडकरी ने इसको लेकर पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को पत्र लिख चेतावनी दी थी कि अगर ऐसा चलता रहा तो प्रोजेक्ट को बंद करना पड़ेगा।

'जीवित हिंदुओं 24 नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान आओ', यति नरसिंहानंद ने की यह अपील

गाजियाबाद एजेंसी। गाजियाबाद स्थित शिवशक्ति धाम डासना मंदिर के महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद गिरी ने शुक्रवार को एक वीडियो जारी करते हुए हिंदू समुदाय से दिल्ली में होने वाले मुस्लिम समुदाय के एक धरने में हनुमान चालीसा का पाठ करने का अनुरोध किया। उन्होंने सम्पूर्ण हिंदू समाज से शाहीन बाग और किसान आन्दोलन वाली गलती ना दोहराते हुए 24 नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में तौकीर रजा के विरोध में अनवरत हनुमान चालीसा का पाठ करने की अपील की।

कई मामलों में फंसे विवादास्पद धर्मगुरू ने एक वीडियो संदेश में कहा कि हिंदू समाज को शाहीन बाग आंदोलन की गलती नहीं दोहरानी चाहिए और इस्लामिक जिहादियों के खिलाफ एकजुट होना चाहिए। रविवार को दिल्ली के रामलीला मैदान में वक्फ संशोधन विधेयक के मुद्दे पर मौलवी तौकीर रजा ने मुस्लिम सम्मेलन बुलाया है। यति नरसिंहानंद ने कहा, अगर अब भी हमने जिहादियों का विरोध नहीं किया तो बांग्लादेश, पाकिस्तान, कश्मीर, अफगानिस्तान, ईरान, अरब की तरह हम सब कुछ खो देंगे और भारत से भी खत्म हो जाएंगे। वीडियो में यति नरसिंहानंद कहते हैं, जितने भी जीवित हिंदू इस देश में हैं, वो सभी 24 नवंबर को रामलीला मैदान में पहुंचे। मैं भी वहां पहुंचूंगा और हम सभी सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ करेंगे। 1008 हनुमान चालीसा, हम सभी लगातार अनवरत हनुमान चालीसा का पाठ करेंगे। अगर मौलाना तौकीर रजा धरने को अनिश्चितकालीन धरने में बदलते हैं तो हम भी अपनी हनुमान चालीसा को तब तक पढ़ते रहेंगे जब तक ये दिल्ली में जमे रहेंगे। आगे उन्होंने कहा, हिंदुओं ये आपकी मर्जी है कि आप हमारा साथ दो या ना दो। लेकिन ये समझ लो अब इन जिहादियों के सामने अड़कर खड़े रहने के अलावा तुम्हारे पास कोई भी रास्ता नहीं बचा है। अगर तुम इनसे डर गए तो तुम्हारा वही हाल होना है जो अभी बांग्लादेश में हिंदुओं का हो रहा है, पाकिस्तान में लगभग हिंदुओं हो चुका है, अफगानिस्तान में हो चुका है, कश्मीर में हो चुका है, ईरान में हो चुका है। पूरी दुनिया में जो हिंदुओं का जो हाल हो चुका है।

किश्तवाड़ में नागरिकों पर अत्याचार? जांच में जुटी सेना, उमर अब्दुल्ला बोले- उम्मीद है कोई ढिलाई नहीं होगी

किश्तवाड़, एजेंसी। जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शुक्रवार को किश्तवाड़ जिले में सेना द्वारा आम नागरिकों पर अत्याचार के आरोपों की पारदर्शी जांच की मांग की और कहा कि अगर सैनिकों के खिलाफ सबूत हैं, तो इसमें शामिल लोगों का 'कोर्ट मार्शल' किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने यहां एक समारोह के बाद संवाददाताओं से कहा, ''मुझे उम्मीद है कि सेना कोई ढिलाई नहीं दिखाएगी और पारदर्शी तरीके से जांच करेगी।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर घटना में शामिल सैनिकों के खिलाफ सबूत हैं, तो उनका 'कोर्ट मार्शल' किया जाना चाहिए। अब्दुल्ला ने कहा, ''अगर इस कृत्य के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सबूत हैं, तो उनका तुरंत 'कोर्ट मार्शल' किया जाना चाहिए और उन्हें दंडित किया जाना चाहिए।''

सेना ने जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में आतंकवाद विरोधी अभियानों के दौरान नागरिकों के साथ किये गए कथित दुर्व्यवहार की जांच शुरू की है। खबरों के मुताबिक, 20 नवंबर को मुगल मैदान इलाके में आतंकवाद विरोधी अभियान के दौरान कुछ

सैनिकों पर पांच नागरिकों की पिटाई करने का आरोप लगाया गया है। सेना की 'व्हाइट नाइट कोर' ने एक्स पर एक बयान में कहा, ''किश्तवाड़ सेक्टर में आतंकवादियों के एक समूह की गतिविधि की विशेष खुफिया जानकारी के आधार पर 20 नवंबर को राष्ट्रीय राइफल्स द्वारा एक अभियान शुरू किया गया था।'' बयान में कहा गया है कि अभियान के दौरान नागरिकों के साथ कथित दुर्व्यवहार की कुछ खबरें हैं। सेना ने अपने बयान में कहा, ''तथ्यों का पता लगाने के लिए जांच शुरू की जा रही है। आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।'' इसमें कहा गया है कि आतंकवादियों के समूह की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है।

छत्तीसगढ़ के कृषि मंत्री नेताम सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के कृषि मंत्री शुक्रवार की शाम सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गए। वह एक कार्यक्रम में भाग लेने के बाद वापस रायपुर लौट रहे थे। बेमेतरा जिले में उनकी गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे के वक्त उनके काफिले में एक गाड़ी घुस गई। छत्तीसगढ़ के कृषि मंत्री रामविचार नेताम सड़क दुर्घटना के शिकार हो गए। मंत्री के साथ ही उनके अन्य साथी भी घायल हो गए। हादसा उस वक्त हुआ जब क़ृषि मंत्री नेताम एक कार्यक्रम के बाद वापस रायपुर लौट रहे थे। उसी दौरान बेमेतरा जिले में मंत्री की गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हो गयी। जानकारी के मुताबिक हादसे के वक्त काफिले में एक गाड़ी घुस गयी, जिसकी वजह उन्हें गंभीर चोट आई हैं।

गंभीर रूप से घायल मंत्री नेताम को एंबुलेंस से रायपुर लाया जा रहा है। घटना बेमेतरा के जेवरा गांव के पास घटना घटी है। हादसे के बाद सभी घायलों को तत्काल राहत और बेहतर इलाज के लिए ग्रीन कॉरिडोर के माध्यम से रायपुर ले जाया जा रहा है। प्रशासन ने तुरंत सक्रियता दिखाते हुए घायलों को प्राथमिक उपचार मुहैया कराया और उन्हें सुरक्षित अस्पताल पहुंचाने के लिए हर संभव प्रयास किया। घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

सिक्किम में दो विधानसभा सीटों पर बिना मुकाबले के ही जीते उम्मीदवार

कोई खिलाफ नहीं, एक तो सीएम का बेटा

गंगटोक, एजेंसी। एक पूर्वोत्तर राज्य में दो उम्मीदवार निर्विरोध जीत गए हैं। हम बात कर रहे हैं सिक्किम की। सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा (एसकेएम) के उम्मीदवार आदित्य गोले तमांग और सतीश चंद्र राय ने उपचुनाव में बिना किसी मुकाबले के जीत हासिल की। विपक्षी सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट (एसडीएफ) के उम्मीदवारों द्वारा 30 अक्टूबर को अपना नामांकन वापस लेने के बाद दोनों सीटों पर एसकेएम के प्रत्याशी निर्विरोध विजयी घोषित किए गए।

आदित्य गोले तमांग मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग के पुत्र हैं। सिक्किम की सोरेंग-चकुंग विधानसभा सीट पर आदित्य गोले तमांग का मुकाबला एसडीएफ के प्रेम बहादुर भंडारी के खिलाफ होना था। हालांकि, एसडीएफ के भंडारी ने मंगलवार को अपना नामांकन वापस ले लिया। इससे पहले, नागरिक एक्शन पार्टी के

उम्मीदवार पोबिन हांग सुब्बा का नामांकन सोमवार को निर्वाचन आयोग द्वारा खारिज कर दिया गया था। इसी प्रकार, नामची-सिंघीथांग सीट पर एसकेएम के सतीश चंद्र राय का मुकाबला एसडीएफ के डेनियल राय से होना था, लेकिन डेनियल ने भी 30 अक्टूबर को अपनी उम्मीदवारी वापस ले ली। निर्वाचन अधिकारियों के अनुसार, नामांकन वापसी की अंतिम तिथि बुधवार को समाप्त होने के बाद दोनों उम्मीदवारों को आधिकारिक रूप से विजेता घोषित कर दिया। पूर्व विधायक और निर्विरोध चुने गए आदित्य गोले ने मीडिया से कहा कि भंडारी का नामांकन वापस लेना उनका व्यक्तिगत निर्णय था। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि वह सोरेंग-चकुंग क्षेत्र के विकास के लिए हमारे कार्यक्रमों में शामिल होना चाहते हैं। नागरिक एक्शन पार्टी के उम्मीदवार पोबिन हांग सुब्बा का नामांकन खारिज होने पर आदित्य ने कहा, यह तकनीकी कारणों से हुआ। इस पर टिप्पणी करने के लिए रिटर्निंग ऑफिसर सबसे उपयुक्त व्यक्ति हैं।

भारतीयों के लिए यूरोप का वीजा लेना हुआ मुश्किल

लंदन, एजेंसी। भारतीय यात्रियों के लिए यूरोप के 29 देशों का शेनजेन वीजा प्राप्त करना दिनों-दिन जटिल होता जा रहा है। 2013 से 2023 के बीच शेनजेन जोन में वीसा अर्जियों के रद्द होने की दर 5त्न से बढ़कर 16त्न हो गई है। इस बढ़ती कठिनाई के कारण भारतीय यात्रियों को यात्रा योजनाओं में कई बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है। शेनजेन वीजा के लिए सामान्य फीस 6000 है, लेकिन भारतीयों को अतिरिक्त 1900 चुकाने पड़ते हैं। जबकि ब्रिटिश वीजा 12,700 और अमेरिकी वीसा 15,600 में मिलता है। विशेष सुविधाओं, जैसे लाउंज या ऑफ-ऑवर आवेदन, के लिए अतिरिक्त 2500-16,000 तक का खर्च होता है। वीजा प्रक्रिया का लगभग 40त्न हिस्सा प्राइवेट कंपनियों के जरिए आउटसोर्स किया जाता है। वीएफएस ग्लोबल, टीएलएस कॉन्टैक्ट और बीएलएस इंटरनेशनल जैसी कंपनियों का इस क्षेत्र में 70त्न नियंत्रण है। इन्वेस्टमेंट फर्म नुवामा ग्रुप के अनुसार, वीसा आउटसोर्सिंग इंडस्ट्री हर साल 9त्न की दर से बढ़ रही है और 2030 तक इसका मूल्य 42,000 करोड़ तक पहुंचने की उम्मीद है। यूरोप जाने वाले यात्रियों को बैंक स्टेटमेंट, पे स्लिप, टैक्स रिटर्न जैसी कई दस्तावेज़ी प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ता है। आवेदन के बाद भी कई बार अर्जियां अस्वीकृत हो जाती हैं, जिससे समय और धन दोनों की बर्बादी होती है। खास बात यह है कि यूरोप जाने के लिए अमीर देशों के लिए वीजा में छूट है लेकिन विकासशील देशों पर बोझ डाला गयाहै।

ब्राजील के राष्ट्रपति लूला का खुलासा: जहर देने की कोशिश, जानें पूर्व राष्ट्रपति बोल्सोनारो पर लगाए क्या आरोप

साओ पाउलो, एजेंसी। ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा ने गुरुवार को खुलासा किया कि 2022 में पदभार ग्रहण करने से कुछ दिन पहले उन्हें और उपराष्ट्रपति गेराल्डो अल्कमिन को जहर देने की कथित कोशिश की गई थी. गुरुवार को राष्ट्रपति भवन में एक कार्यक्रम में बोलते हुए, लूला ने कहा, जैसा कि सीएनएन ने उद्धृत किया कि मुझे अब बहुत आभारी होना चाहिए, और भी अधिक इसलिए क्योंकि मैं जीवित हूं. मुझे और (उपराष्ट्रपति) अल्कमिन को जहर देने की कोशिश सफल नहीं हुई, अब हम यहां हैं.

सीएनएन ब्राजील के अनुसार, यह खुलासा ऐसे समय में हुआ है जब पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो और 36 अन्य पर 2022 के चुनावों के बाद तख्तापलट की साजिश की जांच में अभियोग लगाया गया है. जांच में आरोप लगाया गया है कि बोल्सोनारो को लूला को उनकी चुनावी जीत के बाद पदभार

ग्रहण करने से रोकने की योजनाओं की पूरी जानकारी थी. ब्राजील की संघीय पुलिस ने निष्कर्षों को रेखांकित करते हुए सुप्रीम कोर्ट को एक विस्तृत रिपोर्ट सौंपी. सैकड़ों पन्नों की इस रिपोर्ट में उपराष्ट्रपति गेराल्डो अल्कमिन और सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश एलेक्जेंडर डी मोरेस की हत्या की योजना का विवरण दिया गया है. सीएनएन ने पुलिस अधिकारियों के हवाले से बताया कि चर्चा में जहर और विस्फोटक शामिल थे. मंगलवार को, कथित साजिश के सिलसिले में बोल्सोनारो के पूर्व सलाहकार और सेवानिवृत्त जनरल मारियो फर्नांडीस सहित पांच संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया. संदिग्धों ने कथित तौर पर सरकार का नियंत्रण जब्त करने के लिए एक संस्थागत संकट प्रबंधन कार्यालय बनाने की मांग की. अभियोग के जवाब में, बोल्सोनारो ने कहा कि उन्होंने अभी तक आरोपों की समीक्षा नहीं की है. एक्स पर एक पोस्ट में, उन्होंने कहा कि हमें देखना होगा कि संघीय पुलिस की ओर से इस अभियोग में क्या है. मैं वकील का इंतजार करूंगा. जाहिर है, यह अटॉर्नी जनरल के कार्यालय में जाएगा. यह पीजीआर में है कि लड़ाई शुरू होती है. मैं उस टीम से कुछ भी उम्मीद नहीं कर सकता जो मेरी निंदा करने के लिए रचनात्मकता का उपयोग करती है. सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने जस्टिस मोरेस की भी आलोचना की. आरोपित लोगों में बोल्सोनारो के पूर्व रक्षा मंत्री वाल्टर ब्रागा नेट्टो, पूर्व सुरक्षा प्रमुख ऑगस्टो हेलेनो और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं. बोल्सोनारो के बेटे, सीनेटर फ्लेवियो बोल्सोनारो ने एक्स पर लगे आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि किसी की हत्या के बारे में सोचना भले ही कितना भी घिनौना क्यों न हो, यह कोई अपराध नहीं है. जांच 8 जनवरी के दंगों के बाद चल रहे तनाव को बढ़ाती है, जिसके दौरान बोल्सोनारो समर्थकों ने लूला की जीत के विरोध में सरकारी इमारतों पर धावा बोला था।

अपने पार्टनर को धोखा देना अपराध नहीं; अमेरिकी कोर्ट ने बदल दिया 100 साल पुराना कानून

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के न्यूयॉर्क की एक कोर्ट ने शुक्रवार को सौ साल से भी ज्यादा पुराने कानून को निरस्त कर दिया है। इसके बाद अब यहां अपने जीवनसाथी को धोखा देना अपराध के तहत नहीं आएगा। गवर्नर कैथी होचुल ने 1907 में बने इस कानून को निरस्त करने वाले एक विधेयक पर हस्ताक्षर किए। एडल्ट्री यानी अपने साथी के अलावा किसी और से संबंध रखने को लेकर पिछले कई सालों से यह बहस जारी है कि इसे अपराध की श्रेणी में रखा जाए या नहीं। अमेरिका की कई राज्यों में एडल्ट्री पर प्रतिबंध को लेकर सख्त कानून है। इसे उस वक्त बनाया गया था जब पति या पत्नी के धोखा देने को साबित करना ही कानूनी तलाक पाने का एकमात्र तरीका था। कानून का मकसद देश में तलाकों की संख्या को कम करना था। कुछ राज्यों ने बीते कुछ सालों में ऐसे कानूनों को खत्म करने के लिए कदम उठाए हैं।

विधेयक को मंजूरी देते हुए गवर्नर ने कहा, मैं अपने पति के साथ 40 साल तक एक अच्छा विवाहित जीवन जीने के लिए भाग्यशाली रही हूं। इसीलिए मेरे लिए एडल्ट्री को अपराध मुक्त करने वाले विधेयक पर हस्ताक्षर करना थोड़ा विडंबनापूर्ण है। मैं जानती हूं कि लोगों के बीच अक्सर जटिल रिश्ते होते हैं। उन्होंने कहा, इन मामलों को आपसी बातचीत से सुलझाने चाहिए न कि हमारी न्याय प्रणाली द्वारा। आइए इस बेतुके, पुराने कानून को हमेशा के लिए खत्म किया जाए। न्यूयॉर्क में एडल्ट्री की परिभाषा के मुताबिक जब कोई व्यक्ति किसी दूसरे व्यक्ति के साथ उस समय यौन संबंध बनाता है जब उसका कोई जीवित जीवनसाथी होता है, या दूसरे व्यक्ति का कोई जीवनसाथी होता है तो उसे धोखा माना जाता है । न्यूयॉर्क टाइम्स के एक लेख

के अनुसार इस कानून का कई बार इस्तेमाल किया जा चुका है जिसमें तीन साल तक जेल की सजा दी जाती थी। बिल लाने वाले विधानसभा सांसद चार्ल्स लैविन ने कहा कि 1970 के दशक से इस कानून के तहत लगभग एक दर्जन लोगों पर आरोप लगाए गए हैं और उनमें से केवल पांच मामलों में दोष साबित हुआ है। उन्होंने कहा, कानून हमारी रक्षा करने और असामाजिक व्यवहार को रोकने के लिए होते हैं। यह कानून किसी भी उद्देश्य को पूरा नहीं करता है।

टीचर ने 8वीं के छात्र को पिलाई शराब

न्यूयार्क , एजेंसी। अमेरिका के मैरीलैंड में शिक्षिका की छात्र के साथ घिनौनी करतूत का मामला सामने आया है। रिपोर्ट के अनुसार मैरीलैंड की पूर्व शिक्षिका को कोर्ट ने 30 साल की जेल की सजा सुनाई है। 32 साल की मेलिसा कर्टिस को कोर्ट ने ये सजा अपने छात्र के साथ गलत संबंध बनाने के चलते दी है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, मेलिसा कार्टिस को यौन अपराध के तीन मामलों में तीन दशक की सजा काटनी होगी, जिसमें 12 महीने की सजा निलंबित रहेंगी और पांच साल की निगरानी वाली जेल होगी। पुलिस ने बताया कि कर्टिस ने कथित तौर पर आठवीं कक्षा के छात्र को शराब पिलाई और उसके साथ 20 से अधिक बार यौन संबंध बनाए। उन्होंने कहा कि कर्टिस लगभग दो साल तक शिक्षिका रही थीं और उसने लेकलैंड्स पार्क मिडिल स्कूल में भी पढ़ाया था। अभियोजकों ने कहा कि युवा किशोर के साथ टीचर एक आफ्टर-स्कूल कार्यक्रम में अकेले होने के दौरान भी संबंध बनाती थी। रिहा होने के बाद कर्टिस को 25 साल के लिए यौन अपराधी के रूप में पंजीकरण कराना होगा और उसे अपने बच्चों के अलावा किसी अन्य नाबालिग के साथ बिना निगरानी के संपर्क करने की अनुमति नहीं होगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129